नई दिल्ली RNI No. DLHIN/2010/37009

वर्ष : 15

अंक : 13

सोमवार, 28 अप्रैल से 04 मई 2025

मूल्य : 5 रू प्रति

रू 250 वार्षिक

ये बीमारी हमें मिली है, दिल्ली में बारिश बनी... 03

भारत को धमकी दे रहे पाकिस्तान के अंदर सरकारी इमारतों पर हमला 08

सूर्यकुमार ने आयुष को भविष्य का सितारा बताया 10

उम्र बढ़ाने का त्वचा पर प्रभाव 11

NCR समाचार

इस्माईल खान

www.ncrsamacharlive.in

BY C.R.O. TEAM

twitter-@ncrsamacharlive

भारत का नं. 1 साप्ताहिक समाचार पत्र

मौनी रॉय ने साझा किया डरावना अनुभव 12

एक नजर

जापान के रक्षा मंत्री के साथ आज द्विपक्षीय वार्ता करेंगे राजनाथ

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह जापान के रक्षा मंत्री जनरल नाकातानी के साथ सोमवार को यहां द्विपक्षीय बैठक करेंगे।

दोनों पक्ष वर्तमान क्षेत्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा स्थिति पर विचारों का आदान-प्रदान करेंगे और द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को अधिक प्रगाढ़ करने के तरीकों पर चर्चा करेंगे।

भारत और जापान के बीच दीर्घकालिक मित्रता है, जिसने वर्ष 2014 में इस सहयोग को विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी तक बढ़ाने के बाद गुणात्मक गति प्राप्त की है। रक्षा और सुरक्षा दोनों देशों के बीच संबंधों के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं।

रणनीतिक मामलों पर बढ़ते तालमेल के कारण हाल के वर्षों में भारत और जापान के बीच रक्षा आदान-प्रदान को बल मिला है। हिंद-प्रशांत क्षेत्र की शांति, सुरक्षा और स्थिरता के मुद्दों पर साझा दृष्टिकोण से इसका महत्व बढ़ रहा है। दोनों रक्षा मंत्रियों के बीच नवंबर 2024 में लाओ पीडीआर में आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक-प्लस के मौके पर पहली बातचीत के बाद छह महीने के भीतर यह दूसरी बैठक होगी।

पहलगाम हमले का सटीक और तत्परता से जवाब दे सरकार: प्रियंका

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने पहलगाम हमले पर रविवार को कहा कि उनकी पार्टी इस मुद्दे पर सरकार के साथ खड़ी है और वह जो भी निर्णय देगी कांग्रेस उसका समर्थन करेगी इसलिए सरकार को इस हमले का तत्परता से जवाब देना चाहिए। सुश्री वाड्रा ने कहा कि सरकार को पहलगाम हमले का सटीक, निर्णायक, मजबूत और तेजी से जवाब देना चाहिए और वह जो भी फैसला लेगी कांग्रेस अपने आधिकारिक बयान के सनुसार उसके हर निर्णय का समर्थन करेगी। उन्होंने कहा कांग्रेस पार्टी ने सीडब्ल्यूसी में जो बयान दिया हम सब उसके साथ हैं। यह कांग्रेस पार्टी का आधिकारिक बयान है। इसमें साफ तौर पर कहा गया है कि सरकार जो भी कदम उठाने जा रही है, हम उसका समर्थन करते हैं। दरअसल, हम सरकार से बहुत मजबूत, निर्णायक और तेजी से कदम उठाने का आग्रह करते हैं।

पुतिन के बुलावे पर विजय दिवस में भाग लेने के लिए रूस जाएंगे जिनपिंग

बीजिंग, एजेंसी। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग मॉस्को में विजय दिवस समारोह में भाग लेने के लिए सात से 10 मई तक रूस की राजकीय यात्रा पर जाएंगे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने रविवार को कहा कि चीनी राष्ट्रपति की यात्रा रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के निमंत्रण पर हो रही है। प्रवक्ता ने कहा कि श्री जिनपिंग और श्री पुतिन ने नए युग में चीन-रूस संबंधों को जटिल बाहरी वातावरण के बावजूद हमेशा आगे बढ़ने के लिए निर्देशित किया है और संबंधों की चिरस्थायी अच्छे-पड़ोसी और मित्रता, व्यापक रणनीतिक समन्वय और पारस्परिक लाभ, सहयोग और जीत-जीत की परिभाषित विशेषताओं का प्रदर्शन किया है। प्रवक्ता ने कहा कि श्री शी आगामी राजकीय यात्रा के दौरान चीन-रूस संबंधों और प्रमुख अंतरराष्ट्रीय तथा क्षेत्रीय मुद्दों की एक श्रृंखला पर राष्ट्रपति पुतिन के साथ रणनीतिक वार्ता करेंगे। प्रवक्ता ने कहा, "हमारा मानना है कि दोनों राष्ट्रपतियों के बीच आपसी समझ दोनों देशों के बीच राजनीतिक विश्वास को और गहरा करेगी, रणनीतिक समन्वय में नया तत्व जोड़ेगी, विभिन्न क्षेत्रों में व्यावहारिक सहयोग को बढ़ावा देगी, दोनों देशों के लोगों को अधिक लाभ पहुंचाएगी और अंतरराष्ट्रीय समुदाय में अधिक स्थिरता और सकारात्मक ऊर्जा का योगदान देगी।"

देश की भावनाओं के हिसाब से देंगे पाक को जवाब : राजनाथ

- भारत मंडपम में आयोजित संस्कृति जागरण महोत्सव में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह पाकिस्तान पर हुए हमलावर

एनसीआर समाचार

रक्षा मंत्री ने कहा-देश की रक्षा की जिम्मेदारी मेरी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पहलगाम में आतंकी हमले को लेकर एक बार फिर से बड़ा बयान दिया है। रविवार को उन्होंने कहा कि सशस्त्र बलों के साथ मिलकर काम करना और भारत पर बुरी नजर रखने वालों को मुंहतोड़ जवाब देना उनकी जिम्मेदारी है। राजनाथ की यह टिप्पणी 22 अप्रैल को पहलगाम हमले की पृष्ठभूमि में आई, जिसमें 26 लोग मारे गए थे। रक्षामंत्री ने दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, 'लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बहुत अच्छी तरह से जानते हैं। उनकी कार्यशैली, दृढ़ संकल्प और जिस तरह से वह जोखिम उठाते हैं, उससे वे भली-भांति परिचित हैं।'

भारतीय जनता पार्टी के सीनियर नेता ने कहा, ह्वमैं आपको आश्वस्त करना चाहता हूं कि पीएम मोदी के नेतृत्व में आप जो चाहते हैं, वह निश्चित रूप से होगा।ह्व उनका यह बयान ऐसे समय आया है जब भारत 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के सीमापार संबंधों के मद्देनजर पाकिस्तान के खिलाफ जवाबी कार्रवाई पर विचार कर रहा है। राजनाथ सिंह ने कहा, ह्वरक्षा मंत्री के तौर पर यह मेरी जिम्मेदारी है कि मैं अपने सैनिकों के साथ मिलकर काम करूं और देश की सीमाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करूं। यह मेरी जिम्मेदारी है कि मैं सशस्त्र बलों के साथ मिलकर उन लोगों को मुंहतोड़ जवाब दूं, जो हमारे देश पर बुरी नजर रखते हैं।

रक्षा अधिकारियों के साथ हाई-लेवल मीटिंग

प्रधानमंत्री मोदी ने बीते दिनों रक्षा अधिकारियों से कहा था कि सशस्त्र बलों को पहलगाम आतंकवादी हमले के खिलाफ भारत की जवाबी कार्रवाई का तरीका, लक्ष्य और समय निर्धारित करने की पूरी छूट है। पीएम मोदी ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और तीनों सेनाओं के प्रमुखों सहित शीर्ष रक्षा अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता के दौरान यह टिप्पणी की। बैठक में मोदी ने कहा, 'आतंकवाद को करारा जवाब देना हमारा राष्ट्रीय संकल्प है।' प्रधानमंत्री ने सशस्त्र बलों की क्षमता पर पूरा विश्वास जताया। उन्होंने इस हमले में शामिल आतंकवादियों और उनके आकाओं का पृथ्वी के अंतिम छोर तक पीछा करने और उन्हें उनकी कल्पना से परे कड़ी से कड़ी सजा देने का आह्वान किया है।

मोदी ने हताशा में लिया जाति जनगणना पर यू-टर्न : कांग्रेस

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। कांग्रेस ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हमेशा जाति जनगणना का विरोध करते रहे हैं लेकिन कांग्रेस पार्टी के दबाव में उन्हें इस मुद्दे पर अचानक और हताशा भरा यू-टर्न लेने को मजबूर होना पड़ा है। कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने आज यहां जारी एक बयान में कहा, "प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जातिगत जनगणना के मुद्दे पर एकदम अचानक और हताशा भरे यू-टर्न के पर्याप्त सबूत हैं।

श्री रमेश ने कुछ सबूत गिनाते हुए कहा "पिछले साल 28 अप्रैल को एक टीवी इंटरव्यू में श्री मोदी ने जातिगत जनगणना की मांग करने वालों को 'अर्बन नक्सल' करार दिया था। मोदी सरकार ने 20 जुलाई 2021 को संसद में कहा था कि 'सरकार ने नीतिगत निर्णय लिया है कि जनगणना में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के अलावा अन्य किसी जाति की गणना नहीं की जाएगी।' देश की सर्वोच्च अदालत में 21 सितंबर 2021 को दाखिल हलफनामे में सरकार ने साफ कहा था- जनगणना 2021 के दायरे से किसी भी अन्य जाति की जानकारी को बाहर रखना केंद्र का एक सचेत नीतिगत निर्णय है। कांग्रेस नेता ने कहा,"ऐसा करके मोदी सरकार ने उच्चतम न्यायालय से ओबीसी के लिए जाति जनगणना का आदेश न देने का स्पष्ट आग्रह किया था - ह्वऐसी स्थिति मे न्यायालय द्वारा जनगणना विभाग को आगामी जनगणना 2021 में ग्रामीण भारत के पिछड़े वर्ग समुदायों से संबंधित सामाजिक-आर्थिक आंकड़ों को शामिल करने का कोई भी निर्देश देना अधिनियम की धारा 8 के तहत तैयार नीतिगत निर्णय में हस्तक्षेप करने के समान होगा।" उन्होंने प्रधानमंत्री से सवाल किया कि क्या वह ईमानदारी से स्वीकार करेंगे कि उनकी सरकार ने पिछले 11 वर्षों में जातिगत जनगणना पर अपनी नीति में आधिकारिक रूप से बदलाव किया है और क्या संसद और देशवासियों को बताएंगे कि सरकार की नीति में बदलाव की वजह क्या है और क्या अब जातिगत जनगणना करने के लिए समय सीमा तय की जाएगी।

भारत ने बगलिहार बांध से जल प्रवाह रोका: सूत्र

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने चिनाब नदी पर बगलिहार बांध के माध्यम से पानी के प्रवाह को रोक दिया है और झेलम नदी पर बने किशनगंगा बांध को लेकर भी इसी तरह के कदम उठाने की योजना बना रहा है। एक सूत्र ने यह जानकारी दी।

मामले की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने बताया कि जम्मू के रामबन में बगलिहार जलविद्युत बांध और उत्तरी कश्मीर में किशनगंगा जलविद्युत बांध भारत को पानी छोड़ने के समय को विनियमित करने की क्षमता देते हैं।

भारत ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद दशकों पुरानी संधि को निलंबित करने का निर्णय लिया। इस हमले में 26 लोगों की मौत हो गई थी जिनमें अधिकतर पर्यटक थे। विश्व बैंक की मध्यस्थता से की गई सिंधु जल संधि ने 1960 से भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु नदी और उसकी सहायक नदियों के उपयोग को नियंत्रित किया है।

बगलिहार बांध दोनों पड़ोसियों के बीच लंबे समय से विवाद का विषय रहा है। पाकिस्तान इस मामले में विश्व बैंक की मध्यस्थता की मांग कर चुका है। पाकिस्तान को किशनगंगा बांध को लेकर भी खासकर झेलम की सहायक नदी नीलम पर इसके प्रभाव के कारण आपत्ति है।

जम्मू कश्मीर के रामबन जिले में 700 फीट गहरी खाई में गिरा आर्मी ट्रक

सड़क दुर्घटना में सेना के तीन जवान शहीद

रामबन, एजेंसी। जम्मू कश्मीर के रामबन जिले में रविवार (04 मई, 2025) को भारतीय सेना के काफिले का एक वाहन सड़क से 700 फीट गहरी खाई में गिर गया। इस हादसे में सेना के तीन जवानों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि सेना का ट्रक राष्ट्रीय राजमार्ग 44 पर जम्मू से श्रीनगर जा रहे काफिले का हिस्सा था। यह हादसा बैटरी चश्मा के पास राष्ट्रीय राजमार्ग 44 पर सुबह करीब साढ़े 11 बजे हुआ। अधिकारियों ने कहा कि सेना, पुलिस, राज्य आपदा रेस्क्यू फोर्स (रऊफ्रऋ) और स्थानीय लोगों की मदद से तत्काल संयुक्त बचाव अभियान शुरू किया गया। उन्होंने बताया कि हादसे में तीन सैनिकों की मौत हो गई, जिनकी पहचान सिपाही अमित कुमार, सुजीत कुमार और मान बहादुर के रूप में हुई है।

अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना की वजह से वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि मार्च में हुई इसी तरह की एक घटना में, ताजी सब्जियां ले जा रहा एक मालवाहक वाहन रामबन जिले में सड़क से फिसलकर गहरी खाई में गिर गया था, जिससे दो लोगों की मौत हो गई थी। ये लोग अपने गांव उखराल पोगल-परिस्तान लौट रहे थे, जब जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर बैटरी चश्मा के पास यह दुर्घटना घटी। मृतकों की पहचान चालक अर्शीद अहमद और उनके सहायक सेवा सिंह के रूप में हुई थी। इव दोनों की उम्र लगभग 30 साल थी।

अधिकारी के मुताबिक, पुलिस और स्थानीय स्वयंसेवकों की मदद से संयुक्त बचाव अभियान चलाया गया और शवों को कई सौ फीट गहरी खाई से बरामद कर लिया गया। मार्च में ही हुई एक अन्य घटना में रियासी जिले में एक वाहन के सड़क से फिसलकर गहरी खाई में गिर जाने से चार लोगों की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए थे।

संस्कृत का उत्थान भारत के उत्थान के साथ जुड़ा है: शाह

नयी दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि भारत की अधिकतर भाषाओं की जननी संस्कृत ही है, इसलिए संस्कृत का उत्थान भारत के उत्थान के साथ जुड़ा है।

श्री शाह रविवार को यहां 1008 संस्कृत सम्भाषण शिविरों के सामूहिक समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रुप में शामिल हुए। इस अवसर पर दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

श्री शाह ने कहा कि संस्कृत भारती ने 1008 संस्कृत सम्भाषण शिविरों के आयोजन का एक बहुत साहसिक काम किया है। संस्कृत के ह्रास की शुरूआत गुलामी के कालखंड से पहले ही हो गई थी और इसके उत्थान में भी समय लगेगा। उन्होंने कहा कि आज देश में संस्कृत के उत्थान के लिए अनुकूल वातावरण उपलब्ध है। चाहे सरकार हो, जनता हो या सोच हो, ये सभी संस्कृत और संस्कृत के उत्थान के प्रति कटिबद्ध और वचनबद्ध हैं।

उन्होंने कहा कि संस्कृत भारती 1981 से संस्कृत में उपलब्ध ज्ञान के भंडार को विश्व के सामने रखने, लाखों लोगों को संस्कृत बोलने और संस्कृत में प्रशिक्षित करने का काम कर रही है। दुनिया के कई महान विचारकों ने संस्कृत को सबसे वैज्ञानिक भाषा के रूप में स्वीकार किया है। अब संस्कृत के ह्रास के इतिहास को स्मरण करने की जगह संस्कृत के उत्थान के लिए काम करना चाहिए। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार की नयी शिक्षा नीति में इंडियन नॉलेज सिस्टम पर फोकस किया गया है और इसका बहुत बड़ा वर्टिकल संस्कृत है।

चुनाव आयोग ला रहा है एक नई ऐप, इलेक्शन से जुड़ी सभी सेवाएं एक ही जगह मिलेंगी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत का चुनाव आयोग (ईसीआइ) अब एक नया और आसान डिजिटल प्लेटफॉर्म तैयार कर रहा है, जिससे वोटर, चुनाव अधिकारी, राजनीतिक दल और सामाजिक संगठन सभी को सुविधा मिलेगी। इस नए प्लेटफॉर्म का नाम ईसीआईनेट होगा। ईसीआईनेट चुनाव आयोग के पहले से मौजूद 40 से ज्यादा मोबाइल और वेबसाइट ऐप्स को एक साथ लाएगा और उन्हें नया रूप देगा।

यह एक ही जगह से चलने वाला ऐसा ऐप होगा जिसमें चुनाव आयोग की 40 से ज्यादा पुरानी मोबाइल और वेब ऐप्स को जोड़ दिया जाएगा। ईसीआईनेट के शानदार यूजर इंटरफेस के साथ इसे इस्तेमाल करना भी बहुत आसान होगा, क्योंकि सभी चुनावी काम एक ही जगह पर हो सकेंगे। अब लोगों को अलग-अलग ऐप डाउनलोड करने और अलग-अलग लॉगिन याद रखने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

इस प्लेटफॉर्म की शुरूआत मार्च 2025 में हुई थी जब मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और दो अन्य चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी ने मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) के सम्मेलन में इसकी योजना बनाई थी। ईसीआईनेट के माध्यम से उपयोगकर्ता अपने कंप्यूटर या स्मार्टफोन पर चुनाव से जुड़ी जरूरी जानकारी आसानी से देख सकेंगे। ईसीआईनेट के माध्यम से उपयोगकर्ता अपने कंप्यूटर या स्मार्टफोन पर चुनाव से जुड़ी जरूरी जानकारी आसानी से देख सकेंगे। यह सुनिश्चित करने के लिए कि जानकारी एकदम सही हो, ईसीआईनेट पर डेटा केवल अधिकृत चुनाव आयोग के अधिकारी ही डालेंगे। संबंधित अधिकारी द्वारा डेटा डालने से यह पक्का होगा कि हितधारकों को जो जानकारी मिले वह अधिक से अधिक सही हो।

आर्कटिक सर्कल इंडिया फोरम 2025 में विदेश मंत्री एस जयशंकर की दो टूक

'हमें भागीदारों की तलाश, उपदेशकों की नहीं' : विदेश मंत्री

नई दिल्ली, एजेंसी। आर्कटिक सर्कल इंडिया फोरम 2025 में विदेश मंत्री ने बदलती विश्व व्यवस्था में भारत की स्थिति और सोच के बारे में बात की। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत भागीदारी की तलाश में रहता है और यूरोप की ओर इसी सोच के साथ देख रहा है।

आर्कटिक सर्कल इंडिया फोरम 2025 में विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा, ह्वहम अब उस आकार और अवस्था में पहुंच गए हैं, जहां दुनिया के किसी भी कोने में होने वाली लगभग हर महत्वपूर्ण घटना हमारे लिए मायने रखती है। अमेरिका आज पहले से कहीं अधिक आत्मनिर्भर है। यूरोप आज बदलाव के लिए दबाव में है। बहुध्रुवीयता की वास्तविकताएं उसे समझ में आ रही हैं। मुझे लगता है कि उसने अभी भी इसे पूरी तरह से समायोजित और आत्मसात नहीं किया है। अमेरिका ने अपना रुख बदल लिया है। चीनी वही कर रहे हैं जो वे पहले कर रहे थे। हम प्रतिस्पर्धा का ऐसा क्षेत्र देखने जा रहे हैं जिसे याद करना आसान नहीं होगा। हम एक बहुत अधिक प्रतिस्पर्धी दुनिया, बहुत अधिक तीव्र प्रतिस्पर्धा देख रहे हैं।

जयशंकर ने भारत के बढ़ते रसूख की ओर इशारा करते हुए कहा, ह्वजब हम दुनिया को देखते हैं, तो हम भागीदारों की तलाश करते हैं, हम उपदेशकों की तलाश नहीं करते। खास तौर पर, ऐसे उपदेशक जो विदेश में जो उपदेश देते हैं, उसे अपने देश में नहीं अपनाते।ह्व उन्होंने आगे कहा, ह्वयूरोप के कुछ हिस्से अभी भी इस समस्या से जूझ रहे हैं। यूरोप वास्तविकता की जांच के एक निश्चित क्षेत्र में प्रवेश कर चुका है। वे आगे बढ़ने में सक्षम हैं या नहीं, यह कुछ ऐसा है जिसे हमें देखना होगा।अगर हमें साझेदारी विकसित करनी है, तो कुछ समझ, संवेदनशीलता, आपस के हित और दुनिया कैसे काम करती है, इसका एहसास करना होगा।

इस शिखर सम्मेलन का जिक्र उन्होंने एक्स पोस्ट पर भी किया। उन्होंने लिखा- आर्कटिक सर्कल इंडिया फोरम 2025 में शामिल हो और बातचीत कर मुझे खुशी हुई। आर्कटिक में विकास के वैश्विक परिणामों के बारे में बात की और ये भी कि कैसे बदलती विश्व व्यवस्था इस क्षेत्र को प्रभावित करती है। आर्कटिक में भारत की बढ़ती जिम्मेदारियों को रेखांकित किया, कनेक्टिविटी, प्रौद्योगिकी, संसाधनों, अनुसंधान और अंतरिक्ष में अवसरों को पहचाना।

एनसीआर समचार,
साप्ताहिक समाचार पत्र में
विज्ञापन के लिए संपर्क करें।

कार्यालय :
12/276, संगम विहार
नई दिल्ली- 62

फोन :
8888883968
9811111715

एनसीआर समाचार पत्र
के स्वामित्व/ प्रकाशन परिवर्तन के संबंध में

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार पत्र के समस्त पाठकों तथा समाचार पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टर जी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृव में हो रहा है।

अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नए कार्यालय जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली- 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 सम्पर्क करें।

ताजा खबर
संक्षिप्त

नाबालिग छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म

गोपालगंज। जिले के सिधवलिया थाना क्षेत्र के एक गांव से आठवीं की छात्रा के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। बताया जाता है कि छात्रा अपने घर से स्कूल जा रही थी। इसी बीच सुबह 8ः00 बजे एनएच 27 स्थित शंकर होटल के पास से कुछ लोगों ने उसका अपहरण कर लिया। जब वह स्कूल से वापस नहीं लौटी तो परिजनों को चिंता हुई। सभी ने उसकी खोजबीन शुरू की, लेकिन काफी खोजबीन के बाद भी उसका कहीं पता नहीं चल सका। शनिवार की शाम बदमाशों ने नाबालिग छात्रा को खून से लथपथ हालत में मोहम्मदपुर आरा मशीन के पास फेंक दिया। शाम को छात्रा ने किसी तरह अपने परिजनों को घटना की जानकारी दी। परिजनों ने तुरंत इस घटना की जानकारी स्थानीय पुलिस को दी। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस हरकत में आई और छात्रा को मेडिकल जांच के लिए सदर अस्पताल ले गई। नाबालिग का अस्पताल में इलाज चल रहा है। इस घटना से स्थानीय लोगों में काफी आक्रोश है। लोगों का कहना है कि जिले में लगातार दुष्कर्म की घटनाएं बढ़ी हैं। एक महीने के अंदर दुष्कर्म की यह चौथी घटना है।

नाबालिग लड़के का यौन उत्पीड़न, आरोपी हिरासत में

हैदराबाद। तेलंगाना के हैदराबाद में एक नाबालिग लड़के का 'यौन उत्पीड़न' करने के आरोप में 28 वर्षीय महिला के खिलाफ पॉक्सो अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने मामले की जानकारी देते हुए कहा कि महिला पर लड़के को बहला-फुसलाकर ले जाने, उसका यौन उत्पीड़न करने और बाद में उसे धमकाने का आरोप है। पुलिस ने कहा कि आरोपी महिला एक नौकरानी के तौर पर काम करती है। नौकरों के क्वार्टर में रहती हैं, जहां नाबालिग लड़का और उसकी मां भी रहते हैं। आरोपी महिला को हिरासत में ले लिया गया है। जुबली हिल्स पुलिस स्टेशन के एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि लड़के की मां ने महिला के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। इसके आधार पर यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पोक्सो) अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने कहा कि महिला को हिरासत में ले लिया गया है। पुलिस की टीम अब आरोपी महिला से पूछताछ करेगी।

स्नेक मैन की सांप के काटने से मौत

समस्तीपुर। बिहार के समस्तीपुर जिले से दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है. ताजपुर प्रखंड के बसही भिंडी गांव के रहने वाले जय कुमार सहनी, जिन्हें लोग सम्मान और स्नेह से स्नेक मैन के नाम से जानते थे, अब नहीं रहे. जीवनभर जहरीले सांपों को बचाकर उन्हें सुरक्षित स्थान पर छोड़ने वाले जय कुमार की मौत उसी सांप के काटने से हो गई, जिनकी रक्षा उन्होंने अपना धर्म बना लिया था. दरअसल, जय कुमार सहनी पिछले दो दशकों से ज्यादा समय से सांपों के रेस्क्यू और संरक्षण का काम कर रहे थे. उन्होंने हजारों जहरीले सांपों को न सिर्फ लोगों से बचाया बल्कि उन्हें सुरक्षित जंगलों में छोड़कर जीवनदान दिया.

रॉन्ग साइड में कार दौड़ा रही थी युवती, बाइक टकराने पर करने लगी गाली-गलौज

महाराष्ट्र। नागपुर शहर के महल इलाके में एक युवती ने सड़क पर जमकर हंगामा मचाया, जिससे इलाके में अफरातफरी फैल गई. युवती ने सार्वजनिक स्थान पर गाली-गलौज और मारपीट कर ट्रैफिक में बाधा उत्पन्न की. लड़की के शराब के नशे मे होने की बात सामने आई है. दरअसल मामला तब बढ़ा जब युवती अपनी कार को गलत दिशा में चला रही थी और पीछे से आ रहे एक दुपहिया वाहन से उसकी कार की टक्कर हो गई. इसके बाद वह कार से उतरकर चिल्लाने लगी- %मेरी गाड़ी को टक्कर क्यों मारी?% युवती की बाइक सवार युवकों से कहासुनी हो गई. मामला गालीगलौच तक पहुंचा. शराब के नशे मे धुत लड़की गालियां देने लगी.

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और युवती को हिरासत में ले लिया. इस घटना के कारण कुछ समय के लिए इलाके मे ट्रैफिक जाम भी हुआ. कोतवाली पुलिस थाने में युवती के खिलाफ ड्रंक एंड ड्राइव और लापरवाही से वाहन चलाने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है. नागपुर की इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. वीडियो में दिखता है कि शॉर्ट्स और क्रॉप टॉप पहने ये लड़की पहले लड़कों से बहस करते हुए उनकी बाइक की चाबी छीन लेती है. लोग उसे चाबी लौटाने को कह रहे हैं लेकिन वह मानने को तैयार नहीं. इसके बाद जब पुलिस बुलाई जाती है तो वह पुलिस वालों से खूब बहस करती है और कार से उतरने से मना करती है. वीडियो में हंगामे के चलते सड़क जाम दिख रही है.

डिलीवरी बॉय निकला नकली नोट छापने वाला, 55 फेक करेंसी जब्त

भोपाल। राजधानी भोपाल में पुलिस ने एक डिलीवरी बॉय को गिरफ्तार किया है. यह डिलीवरी बॉय घर पर नकली नोट प्रिंटर से निकाल कर बाजार में खपाता था. शुक्रवार को रूटीन चेकिंग के दौरान जब पुलिस ने एक संदिग्ध स्कूटी सवार को पकड़ा तो पूरे मामले का खुलासा हो गया.

दरअसल, 2 मई की शाम को हाउसिंग बोर्ड चौराहे पर वाहन चेकिंग के लिए पुलिस पिकेट लगा हुआ था. इसी दौरान एक संदिग्ध स्कूटी दिखी, जिसका नम्बर सही से नहीं दिखाई दे रहा था. जब पुलिस ने उसे रोकने की कोशिश की तो स्कूटी सवार पुलिस को देखकर भागने की कोशिश करने लगा. जिसे पुलिस ने पकड़ लिया. शुरुआती पूछताछ में स्कूटी सवार इधर-उधर की बात कर रहा था लेकिन जब पुलिस ने स्कूटी की डिग्गी खुलवा कर चेक किया तो उसमें 100-100 के कुछ नोट मिले. बारीकी से देखने पर पता चला कि सभी नोट नकली थीं. जिसके बाद संदिग्ध की और तलाशी ली गई तो उसकी पैंट की जेब में भी 100-100 के कुछ नोटों की गड्डी रखी मिली. ये सभी नोट भी नकली थीं. नकली नोटों के सीरियल नंबरों का मिलान किया तो सभी में एक जैसा होना पाया गया. इसके बाद संदिग्ध से नाम-पता पूछा तो उसने अपना नाम जाकिर खान उम्र 42 साल निवासी इन्द्रविहार कालोनी थाना कोहेफिजा भोपाल का रहना बताया. इसके बाद पुलिस संदिग्ध के घर पर तलाशी लेने पहुंची तो घर से नकली नोट प्रिंट करने का एक प्रिंटर, 100-100 रुपये के नोटों की एक गड्डी, जिसमें कुल 55 नोट थे. इन सभी का सीरियल नंबर एक था. सादे कागज के दोनों तरफ 100 और 50 के नोट के 2-2 नोट प्रिंट किए हुए 50 कागज मिले, जिन पर सभी का सीरियल नंबर एक जैसा था. फिलहाल पुलिस ने आरोपी पर धारा 179, 180, 181 बीएनएस 2023 के तहत केस दर्ज किया गया.

टमाटर तोड़ने के विवाद में मारपीट, जमीन पर गिरकर घायल एक व्यक्ति की मौत

ढाका। मोतिहारी के ढाका थाना क्षेत्र स्थित ढाका नगर परिषद के मोहब्बतपुर मोहल्ले में टमाटर तोड़ने को लेकर दो लोगों के बीच हुई मारपीट के दौरान जमीन पर गिरकर हाफिज (85) की मौत हो गई। हाफिज की मौत की खबर पूरे शहर में तेजी से फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी भेज दिया। जानकारी के अनुसार हाफिज ने मोहब्बतपुर बड़ी मस्जिद के पास अपनी जमीन पर टमाटर लगाया था।

पिछले कई दिनों से उसकी जमीन पर लगे टमाटर चोरी हो रहे थे। इसी बीच शनिवार को हाफिज चोरी की घटना के बारे में बात कर रहे थे। इसी दौरान हाफिज की पड़ोसी सरफराज से कहासुनी होने लगी। कहासुनी तीखी नोकझोंक में बदल गई। इससे पहले कि लोग कुछ समझ पाते, दोनों के बीच हाथापाई शुरू हो गई। हाथापाई के दौरान 85 वर्षीय हाफिज मौके पर ही गिर पड़े। उनकी नाक से खून बहने लगा। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और घायल को गंभीर हालत में इलाज के लिए ढाका स्थित एक निजी अस्पताल ले गए। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

कमरे में पत्नी की लाश को गाढ़ा, उसके ऊपर पलंग रख 5 दिनों तक सोता रहा पति

भोपाल। खरगोन जिले में एक दिल दहला देने वाला हत्याकांड सामने आया है. यहां एक शख्स ने अपनी पत्नी की हत्या कर उसके शव को अपने घर में ही पलंग के नीचे दफना दिया. लेकिन शव को ठीक से दफन न करने के कारण उसका हाथ बाहर निकल आया और कुछ दिनों बाद उठने वाली दुर्गंध ने इस हत्याकांड का राज खोल दिया. हत्या का सच सामने आने के डर से आरोपी पति लक्ष्मण ने कीटनाशक पीकर आत्महत्या कर ली. पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद हत्या के कारणों का खुलासा होने की उम्मीद है.

जिला मुख्यालय से करीब 80 किलोमीटर दूर बड़वाह थाना इलाके के सुलगांव में लक्ष्मण (45) ने अपनी पत्नी रुक्मणी बाई (40) की हत्या कर दी और उसके शव को अपने घर के कमरे में ही खटिया (पलंग) के नीचे गड्ढा खोदकर दफना दिया. हैरानी की बात यह है कि वह पिछले 4-5 दिनों से उसी खटिया पर सो रहा था, जिसके नीचे उसने पत्नी का शव छिपाया था. लेकिन शव को ठीक से दफन न करने की वजह से रुक्मणी का एक हाथ जमीन से बाहर निकल आया. दो-तीन दिनों बाद शव से दुर्गंध उठने लगी, जिसके बाद आसपास के लोगों को शक हुआ.

ग्रामीणों ने बताया कि एक-दो दिन से तेज दुर्गंध आ रही थी, जिसके चलते कुछ लोगों ने लक्ष्मण से उसकी पत्नी के बारे में पूछताछ की, लेकिन वह कोई स्पष्ट जवाब नहीं दे पाया. इस बीच, लक्ष्मण का शव घर के बाहर पड़ा हुआ मिला, जहां उसके पास कीटनाशक की शीशी और पानी की बोतल भी पड़ी थी. घर पर ताला लगा हुआ था. दुर्गंध की वजह से संदेह होने पर ग्रामीणों ने ताला तोड़कर घर में प्रवेश किया, जहां खटिया के नीचे जमीन से निकलता एक हाथ देखकर वे दंग रह गए. ग्रामीणों ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी.

सूचना मिलते ही बड़वाह थाना प्रभारी बलराम राठौर, एसडीओपी रचना रावत और पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे. पुलिस ने घर के बाहर लक्ष्मण का शव बरामद किया, जिसके पास कीटनाशक की शीशी मिलने से यह साफ हो गया कि उसने आत्महत्या की है. इसके बाद, घर के अंदर कमरे में खटिया के नीचे से रुक्मणी बाई का शव बरामद किया गया. पुलिस ने जब गड्ढे की खुदाई कराई, तो शव का एक हाथ जमीन से बाहर निकला हुआ था, जिसके कारण दुर्गंध फैल रही थी. बड़वाह थाना प्रभारी बलराम राठौर ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि लक्ष्मण ने अपनी पत्नी की हत्या करने के बाद शव को कमरे में ही दफना दिया था. लेकिन शव को ठीक से दफन न करने की वजह से उसका हाथ बाहर रह गया, जिसके कारण दुर्गंध फैलने लगी. पुलिस को संदेह है कि हत्या का राज खुलने के डर से लक्ष्मण ने कीटनाशक पीकर आत्महत्या कर ली.

दर्दनाक हादसा, खेलते हुए संदूक में छिपे दो मासूम भाइयों

अजमेर। अजमेर जिले की पीसांगन तहसील के नाथूथला गांव में एक दिल दहला देने वाली घटना ने पूरे गांव को मातम में डुबो दिया है. गांव की एक विधवा महिला के दो मासूम बेटे खेलते समय घर में रखे लोहे के बक्से में छिप गए, लेकिन दुर्भाग्य से ढक्कन बंद होने से अंदर फंस गए. ऑक्सीजन की कमी के कारण बक्से के अंदर दम घुटने से दोनों बच्चों की मौत हो गई. घटना की सूचना मिलते ही एएसपी ग्रामीण दीपक कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे. प्रारंभिक जांच में यह घटना दुर्भाग्यपूर्ण हादसा लग रही है. दोनों बच्चों के शव पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिए गए हैं और मामले की जांच अभी जारी है। गांव के सरपंच कल्लू चीता के अनुसार लाडली खातून अपने दो बेटों 6 वर्षीय साबिर चीता और 4 वर्षीय समीर चीता के साथ गांव में रहती थी. पति की मौत के बाद वह मजदूरी कर अपने बच्चों का पालन-पोषण कर रही थी. गुरुवार को भी वह रोजाना की तरह काम पर गई थी और दोनों बच्चे घर पर अकेले थे। खेलते-खेलते दोनों बच्चे घर में रखे लोहे के बड़े बक्से में छिप गए। खेलने में मशगूल बच्चों को यह अहसास नहीं हुआ कि बक्से का ढक्कन अपने आप बंद हो सकता है और उन्हें बाहर आने का मौका नहीं मिलेगा। ढक्कन बंद होते ही वे अंदर फंस गए और समय पर ऑक्सीजन न मिलने के कारण बक्से के अंदर ही दोनों की मौत हो गई।

शाम को जब लाडली खातून काम से लौटी तो उसने अपने बच्चों की तलाश की, लेकिन वे कहीं नहीं मिले। काफी देर तक तलाश करने के बाद जब बक्सा खोला गया तो दोनों बच्चे बेहोश मिले। ग्रामीणों की मदद से उन्हें तुरंत पीसांगन के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मां मर चुकी थी, अपनी ही बेटी का 3 साल तक किया यौन शोषण

मुंबई। जब वह पांच साल की थी, तो मां चल बसी। पिता एक बिल्डिंग का स्वीपर था, लेकिन शराब का आदि था। एक दिन वह शराब के नशे में आया और मासूम बेटी के साथ सो गया। नशे में उसने अपनी ही बेटी का शारीरिक शोषण किया। बात यहीं नहीं रुकी और करीब तीन साल तक मासूम बेटी का यौन उत्पीडन् करता रहा। डरी-सहमी उस मासूम बेटी ने यह बात अपनी मौसी को बताई, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। फिर जाकर उस मासूम बच्ची ने चाइल्ड हेल्पलाइन को यह बात बताई। उसके बाद आरोपी को पकड़ लिया। आरोपी को मुंबई की डिंडीशी सेशन कोर्ट ने 20 साल की सजा सुनाई है। रूह कंपा देने वाला यह मामला महाराष्ट्र का है। जानकारी के अनुसार पीड़ित बच्ची ने बताया कि वर्ष 2017 में उसका पिता शराब पीकर घर आया और उसके साथ सो गया। इस दौरान आरोपी उसका शारीरिक शोषण करने लगा। जब विरोध किया, तो उसने मारपीट की, गालियां बकीं और धमकाया कि अगर किसी को बताया, तो उसे यहीं काट डालेगा। यह सिलसिला तीन साल तक चलता रहा। बच्ची ने मौसी को भी इस बारे में बताया, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। इसके बाद उसने हिम्मत जुटाकर चाइल्ड हेल्पलाइन पर शिकायत की, जिसके बाद आरोपी को गिरफ्तार किया गया। इसके बाद कोर्ट में सुनवाई चलती रही। दोनों और से दलीलें दी गईं, जिसके बाद कोर्ट ने आरोपी को 20 साल की सजा सुनाई।

चामुंडा मां काली मंदिर चैरिटी ट्रस्ट मोहल्ला शास्त्री नगर नौगांव रोड अमरोहा में बड़ी धूमधाम के साथ भंडारे का आयोजन किया

धर्मपाल

अमरोहा। चामुंडा मां काली मंदिर चैरिटी ट्रस्ट मोहल्ला शास्त्री नगर नौगांव रोड अमरोहा में हर शनिवार को बड़ी धूमधाम के साथ भंडारे का आयोजन किया जाता है जिसमें भक्तगण बड़ी दूर-दूर से आते हैं जैसे मुरादाबाद रामपुर बिजनौर बदायूं बरेली अलीगढ़ हाथरस दिल्ली हरियाणा राजस्थान बिहार गजरौला अमरोहा नौगांव धनोरा जोया पाकबड़ा ठाकुरद्वारा चांदपुर आदि जगहों से भक्तगण आते हैं जिस महिला को संतान नहीं है उन महिला को इस आश्रम से संतान की प्राप्ति होती है और मनोकामनाएं पूरी होती हैं इस आश्रम पर सिद्ध बाबा रहते हैं वह फलारी बाबा के नाम से जाने जाते हैं और फलों के सिवा दूध घी मलाई का सेवन नहीं करते हैं और ना किसी व्यक्ति से महिला से अपने पैर नहीं छुआ ते है और प्रीति शनिवार को माता काली का प्रसाद का भोग लगाया जाता है जिसमें पुरी हलवा चावल कड़ी आलू छोले काशीफल आदि चीजों का भोग भोग लगाया जाता है पांच प्रकार की मेवा पांच प्रकार के फल पांच रंग का मीठा जायफल कमलगट्टे सुपारी वह सामग्री लगभग डेढ़ घंटा हमन किया जाता है पान जिस किसी व्यक्ति को अपनी मनोकामना पूरी करनी हो वह सिद्ध बाबा के हाथों द्वारा माता रानी से प्रार्थना कराए उसकी मनोकामनाएं अवश्य पूरी होगी कुछ व्यक्तियों का नाम इस प्रकार हैं प्रबंधक धर्मपाल सिंह मंजू कुमारी आरव सिंह निमित्त सिंह अनीता देवी रवि कुमार कपिल कुमार अनुज कुमार रेखा अनीता बबीता मंजू अंजू काजल जानवी मीनू शिविका सिमरन सविता कविता अंशु अजय विजय कपिल आंचल ओम प्रकाश प्रदीप रामपाल श्याम सिंह अजय सिंह विजय सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

वीडियो रिकॉर्ड कर युवक ने खत्म कर ली अपनी जिंदगी, कहा- जल्द आऊंगा लौटकर...

बांदा। उत्तर प्रदेश के बांदा में एक युवक ने अपनी पत्नी से तंग आकर कट्टे से खुद को गोली मारकर खुदकुशी कर ली. बताया जा रहा कि उसकी पत्नी पिछले 2 माह से मायके में थी और ससुराल नहीं आ रही थी, जिसके चलते युवक मानसिक तनाव में था और उसने ये कदम उठा लिया.

मृतक ने मरने से पहले एक वीडियो बनाया, जिसमें उसने बताया कि %मेरी मौत का जिम्मेदार मेरी पत्नी, साला और सास हैं. मैंने अपनी पत्नी को सच्ची मोहब्बत कर हासिल किया था, लेकिन उसने मुझे मरने के लिए मजबूर कर दिया.% वीडियो में उसने अपने भाइयों से माफी भी मांगी. उसने कहा कि %मेरे भाई मुझसे बहुत प्यार करते हैं. भाइयों, अब्बू और अम्मी को समझाना, मैं जल्द लौटकर आऊंगा. ऊपर वाले से दुआ करूंगा कि मुझे जल्दी से नीचे भेजो. मेरे मरने के बाद मेरे मां बाप और भाइयों को बिल्कुल भी परेशान न किया जाए. जो भी करना हो- मेरी पत्नी, साले और सास को सजा दी जाए. इन्होंने मुझे मरने को मजबूर किया है. इन लोगो ने मेरी जिंदगी से खिलवाड़ किया है. मुझे बर्बाद कर दिया. मैंने पत्नी से सच्ची मोहब्बत की थी. इसलिए उसको छोड़ नही सकता, क्योंकि उसके बगैर जी नही सकता. मैं सबसे यही कहूंगा कि हम मर्दों के बारे में कुछ सोचो, इन झूठी औरतों के चक्कर मे घर के चिराग बुझ जाते हैं. घटना के बाद पुलिस के आलाधिकारी पुलिस टीमो के साथ मौके पर पहुंचे. घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए गए और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है. डीएसपी का कहना है कि पति पत्नी का विवाद चल रहा था. मौके पर फोरेंसिक टीम मौजूद है, जांच करके आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है. मामला गिरवां थाना क्षेत्र के रीगा गांव का है जहां के रहने वाले हबीब का शव घर मे पड़ा मिला. पुलिस के मुताबिक हबीब ने अवैध कट्टे से खुद को गोली मार ली है. उसकी पत्नी से उसका कई महीनों से विवाद चल रहा था. साथ ही एक मामला भी कोर्ट में चल रहा है, जिसके चलते पत्नी 2 माह से मायके में है. मृतक युवक मानसिक तनाव में रहता था और उसने डिप्रेशन में आकर खौफनाक कदम उठा लिया. मृतक घर में चार भाइयों में सबसे छोटा था और उसने अपने भाई की साली से शादी की थी. घटना के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है.

प्लांट में दबा मिला मजदूर का शव, हत्या की आशंका

भोपाल। मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले के खैराही गांव स्थित एक निजी पावर प्लांट में एक मजदूर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक अली अहमद उम्र 30 वर्ष खैराही गांव का रहने वाला था। उसका शव रेत में दबा मिला। जिले के खैराही गांव स्थित बंधौरा प्लांट में फ्लाई ऐश डाइक निर्माण के दौरान मजदूर की मौत के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जमा हो गए। मृतक के परिजनों के मुताबिक अली प्लांट में काम करता था और रात 9 बजे घर से नाइट ड्यूटी के लिए निकला था।

शुक्रवार की सुबह परिजनों को सूचना मिली कि अली रेत में दबा हुआ है। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। स्थानीय लोगों ने कंपनी पर सुरक्षा में लापरवाही का भी आरोप लगाया है। ग्रामीणों का मानना है कि मौत के बाद अली के शव को छिपाने के लिए उस पर रेत डाल दी गई। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस भी मौके पर पहुंचकर मामले की जांच कर रही है।

हथियारबंद बदमाशों ने दुकान से दिनदहाड़े 15 लाख के गहने-नकदी लूटी

मुजफ्फरपुर। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के तुर्की थाना क्षेत्र में बदमाशों ने शनिवार को एक आभूषण दुकान में धावा बोलकर 15 लाख रुपए के आभूषण और नकद लूट लिए। घटना को अंजाम देने के बाद बदमाश मौके से फरार हो गए। पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है। बताया जा रहा है कि सकरी चौक के पास स्थित एक ज्वेलर्स की दुकान में छह की संख्या में आए अपराधियों ने धावा बोल दिया। सबने अपने चेहरे ढंक रखे थे। घटना को अंजाम देने के बाद बदमाश हथियार लहराते हुए भाग गए। कहा जा रहा है कि वे दो बाइक पर सवार होकर आए थे और घटना को अंजाम देने के बाद वैशाली की ओर निकल गए। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर तुर्की थाने की पुलिस टीम पहुंची और जांच में जुट गई। ग्रामीण एसपी विद्या सागर भी घटनास्थल पर पहुंचे और तहकीकात की।

उन्होंने बताया कि आसपास के सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है। जानकारी के अनुसार, पूरी वारदात दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अपराधियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।

दुकानदार विकास कुमार ने बताया कि दुकान में घुसते ही अपराधियों ने पहले हथियार के बल पर उन्हें कब्जे में ले लिया और फिर लॉकर से जेवरात और नगद लेकर भाग गए। कुल 15 लाख रुपए का नुकसान हुआ है। सभी बदमाशों की उम्र करीब 20 से 25 साल के बीच होगी। वे टी-शर्ट और जींस में थे। इस मामले की जांच और अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम का गठन किया गया है। पुलिस इस मामले को लेकर आसपास के जिलों में भी छापेमारी कर रही है। उल्लेखनीय है कि मुजफ्फरपुर में हाल ही में एक किराना दुकान और एक थोक दवा कारोबारी के यहां भी लूटपाट हो चुकी है।

ये बीमारी हमें मिली है; दिल्ली में बारिश बनी आफत तो आप पर बरसीं रेखा गुप्ता

नईदिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली में सुबह-सुबह भारी बारिश ने फजीहत कर दी है। जगह-जगह जलजमाव और वाहनों की धीमी पड़ती रफ्तार ने सब अस्त-व्यस्त तर दिया। बेमौसम बारिश से उपजी इस स्थिति का जायजा लेने खुद दिल्ली के मंत्री सड़कों पर हैं। सीएम रेखा गुप्ता खुद अपने अधिकारियों के साथ कई इलाकों का दौरा किया और अधिकारियों को हालत से निपटने के निर्देश दिए। इस बीच वह पिछली आप सरकार पर भी हमला करने से नहीं चूकीं। उन्होंने कहा कि ये बीमारी हमें पिछली सरकार से मिली है। रेखा गुप्ता ने कहा कि हम इसे ठीक करेंगे मगर समय लगेगा।

दिल्ली में जगह-जगह जलजमाव को देखते हुए कई इलाकों का दौरा करने पहुंचीं सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि यह बीमारी,जो हमें पिछली सरकार से मिली है,ठीक होने में समय लेगी। आज दिल्ली की मुख्यमंत्री खुद उन सड़कों से गुजर रही हैं जहां हजारों दिल्लीवासी ट्रैफिक जाम में फंसे हुए हैं और सरकार इन समस्याओं को ठीक करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। अधिकारी सड़कों पर काम कर रहे हैं। समय पर इन सभी व्यवस्थाओं को ठीक करना हमारी जिम्मेदारी है। इससे पहले दिल्ली का जायजा लेने घर से निकलीं सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि आज बारिश के कारण हुए जलभराव का मजनू का टीला सहित दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों में स्थिति का निरीक्षण किया। इस समस्या के निवारण के लिए मैं संबंधित अधिकारियों के साथ स्वयं ग्राउंड पर मौजूद हूं। सभी अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि पूरी दिल्ली में जहां-जहां जलभराव हैं,स्थानों चिंहित कर समाधान सुनिश्चित करें। दिल्ली सरकार के जल मंत्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा का भी एक वीडियो आया है,जिसमें वह भरे पानी के बीच हाफ पैंट में इलाकों का जायजा लेते दिखे।

दिल्ली में मौसम ने मारी पलटी तो आप को भी मिल गया मौका,बीजेपी को खूब सुनाया: दिल्ली में आज पूरे दिन बादल छाए रहेंगे और साथ ही बारिश का रेड अलर्ट भी जारी किया गया है। सुबह-सुबह हुई भारी बारिश के बाद मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल गया है। जगह-जगह जलजमाव और अन्य नुकसान ने दिल्ली की रफ्तार पर ही ब्रेक लगा दिया है। इस बीच दिल्ली सरकार और विपक्ष में आम आदमी पार्टी के नेताओं की ओर से भी बयान सामने आ रहे हैं। आम आदमी पार्टी ने तो बीजेपी सरकार पर खूब हमला बोला और कहा कि पहले इम्तेहान में यह सरकार फेल हो गई है। वहीं रेखा गुप्ता ने भी कहा कि ये बीमारी हमें पिछली सरकार से मिली है,ठीक होने में समय मिलेगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मुख्य सचिव धर्मेंद्र,पीडब्ल्यूडी अधिकारियों और अन्य लोगों के साथ सुबह लगभग 9 बजे मजनू का टीला का दौरा किया,जहां सड़क का एक हिस्सा बुरी तरह जलमग्न था। उन्होंने अधिकारियों से बातचीत की और उन्हें जलभराव को साफ करने और यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि जलभराव दोबारा न हो। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने तूफान और बारिश के दौरान हुई घटनाओं पर दुख व्यक्त किया और मुख्यमंत्री और स्थानीय सांसदों से प्रभावित लोगों को हर संभव मदद सुनिश्चित करने का आग्रह किया। पीडब्ल्यूडी और जल मंत्री परवेश साहिब सिंह वर्मा ने स्थिति का जायजा लेने के लिए सुबह 5:30 बजे से कई स्थानों का दौरा कर चुके हैं। प्रवेश वर्मा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि आज बेमौसम रिकॉर्ड बारिश के कारण,दिल्ली में कई स्थानों पर कुछ मात्रा में पानी जमा हो गया। सुबह 5:30 बजे से मैं कई स्थानों पर गया और स्थिति का जायजा लिया। मिंटो ब्रिज जाने पर मैंने देखा कि सभी चार पंप काम कर रहे थे और ऑपरेटर भी सतर्क था। एक पाइप फट गया था और मुझे इसकी मरम्मत करने के लिए कहा गया है। मानसून को देखते हुए, पीडब्ल्यूडी, एमसीडी, डीजेबी,एनडीएमसी,सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण द्वारा नालों की सफाई लगातार की जा रही है।आप नेताओं ने जलभराव को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधा और दावा किया कि भाजपा सरकार पहले ही इम्तिहान में फेल हो गई है,जबकि भाजपा की चार इंजन वाली सरकार है,जिसमें केंद्र,दिल्ली सरकार,एमसीडी और एनडीएमसी में भाजपा का शासन है।

दिल्ली एयरपोर्ट पर भी दिखा खराब मौसम का असर, 100 से ज्यादा उड़ानों में देरी; एडवाइजरी जारी

नईदिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली-एनसीआर में शुक्रवार सुबह भारी बारिश हुई। भारी बारिश और तेज हवा के कारण इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयपोर्ट पर फ्लाइट्स का संचालन प्रभावित रहा। इस दौरान दिल्ली आने वाली और जाने वाली 100 से ज्यादा फ्लाइट्स में देरी हुई है। आईजीआई एयपोर्ट ने जानकारी देते हुए बताया कि दिल्ली की तीन फ्लाइट्स को दो अलग शहरों के लिए भी डायवर्ट किया गया है। दिल्ली का मौसम के अचानक बदलने के कारण भारतीय मौसम विभाग ने दिल्ली के लिए 'रेड अलर्ट' जारी किया है। इस दौरान दिल्ली के कई हिस्सों में जलजमाव और पेड़ उखड़ने की सूचना मिली है।

दिल्ली एयरपोर्ट का संचालन करने वाली कंपनी दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड ने कहा कि खराब मौसम के कारण कुछ उड़ानें प्रभावित हुईं। एअर इंडिया ने कहा कि प्रतिकूल मौसम के कारण उत्तर भारत के कुछ हिस्सों में फ्लाइट्स प्रभावित हुई हैं।

खराब मौसम को देखते हुए एयरलाइंस ने अपने यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी की है। यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी करते हुए एयरलाइंस ने कहा कि एयरपोर्ट के लिए निकलने से पहले वो अपनी उड़ान की स्थिति की जांच कर लें। इस मामले में इंडिगो ने अपने ग्राहकों को सलाह दी है। इंडिगो ने एडवाइजरी जारी करते हुए कहा कि दिल्ली में आंधी-तूफान को लेकर पूर्वानुमान है। ऐसे में बदलती मौसम की स्थिति को देखते हुए फ्लाइट के संचालन में देरी हो सकती है और फ्लाइट के शेड्यूल में बदलवा किया जा सकता है। एडवाइजरी जारी करते हुए इंडिगो ने कहा कि यात्रा के लिए निकलने से पहले फ्लाइट के स्टेटस की जांच कर लें और एयपोर्ट के लिए समय से पहले निकलें।

संक्षिप्त समाचार

नरेंद्र मोदी 19 मई को रख सकते हैं नई फिल्म सिटी की नींव, 1000 एकड़ में होगा निर्माण

नईदिल्ली, एजेंसी। यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में बनने वाली नई फिल्म सिटी की नींव 19 मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रख सकते हैं। शिलान्यास कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहेंगे। सेक्टर-21 में नई फिल्म सिटी का निर्माण एक हजार एकड़ में होगा। फिल्म निर्माता बोनी कपूर की कंपनी बेव्यू प्रोजेक्ट और भूटानी इंफ्रा फिल्म सिटी का निर्माण करेगी। पिछले छह माह में तीन बार फिल्म सिटी के शिलान्यास के कार्यक्रम की तैयारी की गई, लेकिन अब तक यह संभव नहीं हो सका। अब एक बार फिर इसकी कोशिशें शुरू हो गई हैं। हालांकि, अब तक प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री का विधिवत कार्यक्रम तय नहीं हुआ है। प्राधिकरण और निर्माता कंपनी के अधिकारी इसका इंतजार कर रहे। फिल्म सिटी के निर्माण के लिए पहले चरण में 230 एकड़ जमीन पर 11 माह पहले ही कब्जा लिया जा चुका है। 27 जून 2024 को कंपनी को प्राधिकरण की ओर से जमीन पर कब्जा दिया जा चुका है, लेकिन अब तक फिल्म सिटी का निर्माण शुरू नहीं हो सका। फिल्म सिटी में विदेश के मुकाबले 50 प्रतिशत कम बजट में फिल्म बन सकेंगी। फिल्म सिटी बनने से आसपास के जिलों में पर्यटन की संभावनाएं बढ़ जाएंगी। हैदराबाद की रामोजी फिल्म सिटी में अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं नहीं है। वहां फिल्म बनाने के लिए कई प्रकार के उपकरणों को विदेश या बाहर से मंगवाया जाता है। अभिनेता और अभिनेत्री के लिए विला नहीं हैं। यमुना प्राधिकरण क्षेत्र की फिल्म सिटी से एयरपोर्ट की दूरी मात्र तीन किलोमीटर है। यहां सब कुछ एक ही छत के नीचे होगा। यहां के स्टूडियो बिल्कुल वर्चुअल और सौर ऊर्जा पर आधारित होंगे। यहां हर भाषा में फिल्म बनाई जा सकेगी। इसमें हिन्दी, अंग्रेजी, तमिल, भोजपुरी समेत हॉलीवुड और बॉलीवुड की फिल्में शामिल हैं।

तुम लोगों को बड़ी मोहब्बत हो गई उससे; सीमा हैदर को लेकर क्या बोल गए ओवैसी

नईदिल्ली, एजेंसी। पहलगाम हमले को लेकर भारत पाकिस्तान के बीच जारी टेंशन के बीच नेपाल के रास्ते पाकिस्तान से भारत आई सीमा हैदर को लेकर भी लगातार चर्चा हो रही है। सोशल मीडिया पर लोग उसे वापस पाकिस्तान भेजने की मांग कर रहे हैं हालांकि उनके वकील एपी सिंह का कहना है कि केंद्र सरकार ने भारत में रह रहे पाकिस्तानियों को लेकर जो आदेश दिया है, वह सीमा हैदर के मामले में लागू नहीं होता क्योंकि उसका केस कोर्ट में लंबित है और उसके सारे दस्तावेज गृह मंत्रालय और एटीएस के पास हैं। इस बीच एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी का एक बयान सामने आया है। उन्होंने इस बयान में किसी का नाम नहीं लिया लेकिन माना जा रहा है कि उन्होंने ये बयान सीमा हैदर को लेकर ही दिया है। दरअसल प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उनसे भारत से वापस पाकिस्तान भेजे गए लोगों के डेटा को लेकर सवाल किया गया था। उनसे पूछा गया था कि जो लोग भारत से पाकिस्तान भेजे गए क्या केंद्र सरकार को उनका डेटा रिलीज करना चाहिए. इस पर ओवैसी ने कहा, वो छोड़ो भाई, वह बच्ची जो यहां आकर बैठ गई बच्चों को लेकर उसको लेकर तुम पूछ नहीं रहे। उन्होंने कहा, वो आकर बैठ गई, वो किस्सा क्या है वो। उन्होंने पत्रकारों से कहा, तुम लोगों को बड़ी मोहब्बत हो गई उससे, उसके बारे में पूछ नहीं रहे। बता दें, इस पूरे मसले पर सीमा हैदर ने खुद इस मामले में चुप्पी साध रखी है। पिछले 10 दिनों से उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो भी नहीं डाला है। वहीं इससे पहले सीमा हैदर के वकील ने कहा था कि उनके साथ दया दिखाई जानी चाहिए, क्योंकि वह भारत की बहू हैं। सीमा पाकिस्तान के सिंध प्रांत की रहने वाली है। वह 2023 में अपने चार बच्चों के साथ नेपाल के रास्ते अवैध रूप से भारत आई थी और अब सचिन मीणा के साथ शादी कर नोएडा के रबूपुरा इलाके में रह रही है। दोनों की हाल में एक बेटी भी हुई है। बता दें केंद्र सरकार ने पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में सभी पाकिस्तानी नागरिकों को महीना खत्म होने से पहले भारत छोड़ने का आदेश दिया था।

भारत-पाक टेंशन के बीच आप नेता ने बदली प्रोफाइल फोटो,कर दी खास डिमांड

नईदिल्ली, एजेंसी।
22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद से भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध जैसे हालात बन रहे हैं। 26 बेगुनाहों की जान लेने वाले आतंकी और उन्हें हुक्म देने वाले आकाओं पर मोदी सरकार ऐक्शन लेगी। पीएम मोदी की पिछली मैराथन मीटिंगों से तो यही लग रहा है। इसमें लोगों की एक डिमांड पाकिस्तान के कब्जे से कश्मीर का वो हिस्सा भी लेना है जिसे हम पीओके भी कहते हैं। ऐसी ही मिलती-जुलती डिमांड अब आम आदमी पार्टी के नेता ने भी कर दी है। दिल्ली के पार्टी संयोजक और पूर्व मंत्री रहे सौरभ भारद्वाज ने भारत सरकार से इसी पीओके को वापस लेने की डिमांड की है।

आम आदमी पार्टी के नेता सौरभ भारद्वाज ने दरअसल अपने आधिकारिक एक्स हैंडल की प्रोफाइल पिक्चर बदली है। प्रोफाइल तस्वीर में सौरभ भारद्वाज ने मोदी सरकार से डिमांड करते हुए लिखा है कि पीओके वापस लो। उस प्रोफाइल फोटो पर भारत के नक्शे का वो हिस्सा भी है जिसमें पीओके वाला भाग है। पाकिस्तान की ओर से रची गई इस साजिश और उसे कायराना तरीके से अंजाम देने के बाद भारतवासी उरी और बालाकोट से भी बड़ा बदला चाह रहे हैं।

पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर जम्मू-कश्मीर का वो हिस्सा है जिसे काफी पहले पड़ोसी मुल्क ने ले लिया था। पाकिस्तान पाक को आजाद कश्मीर की संज्ञा देता है और जम्मू-कश्मीर वाले हिस्से को भारत अधिकृत कश्मीर कहता है। भारत की ओर से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी कई मंचों से पीओके लेने की बात दोहरा चुके हैं।

दिल्ली में कैशसेल सफर के लिए अब ऑनलाइन बनेंगे डीटीसी के बस पास

नईदिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली की डीटीसी बसों में कैश लेस सफर को बढ़ावा देने के लिए डीटीसी टिकट के साथ-साथ जल्द ही बस पास भी ऑनलाइन जारी करेगा। इस दिशा में डीटीसी की टेक्निकल टीम ने काम शुरू कर दिया है और जल्द ही यह सेवा शुरू की जा सकती है।

दरअसल, डीटीसी की बसों में सफर करने के लिए छात्रों, सामान्य श्रेणी, वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगों, खिलाड़ियों, राष्ट्रीय पुरस्कार विजेताओं समेत अन्य कई श्रेणी के लोगों को रियायती पास जारी किए जाते हैं। इनको जारी करने के लिए डीटीसी के बस डिपो के अलावा भी कई अन्य स्थानों पर काउंटर बनाए गए हैं। इसके लिए बड़ी संख्या में कर्मचारियों को तैनात किया गया है। अब डीटीसी इन सेवाओं को ऑनलाइन कर रहा है, ताकि न तो यात्रियों को पास लेने के लिए दफ्तरों तक जाना पड़े और ना ही विभाग को इसके लिए अलग से कर्मचारी तैनात करने पड़ें। सामान्य श्रेणी के 100 फीसदी पास जारी करने के लिए डीटीसी

ने एक मई से काम शुरू करने की योजना तैयार की थी। इसके लिए सोशल मीडिया पोर्टल 'एक्स' पर जानकारी भी शेयर कर दी थी, हालांकि बाद में इसे कुछ दिन के लिए टाल दिया गया। डीटीसी के अधिकारी ने बताया कि तकनीकी स्तर पर और काम बाकी है, जल्द ही इसे लागू कर दिया जाएगा। बता दें कि, दिल्ली सरकार की मुफ्त बस यात्रा योजना सिर्फ उन महिलाओं के लिए ही जारी रहेगी, जो राजधानी में रहती हैं। इस सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए महिलाओं को 'स्मार्ट कार्ड' जारी किए जाएंगे, जो आजीवन वैध रहेंगे। यह कदम मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के दिल्ली विधानसभा के बजट सत्र में पूर्व की आम आदमी पार्टी (आप) सरकार पर पिंक टिकट योजना के तहत भ्रष्टाचार का आरोप लगाने के कुछ दिनों बाद उठाया गया है। सीएम रेखा गुप्ता ने कहा था, हम महिलाओं को मुफ्त बस यात्रा की सुविधा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

दिल्ली-एनसीआर में कई दिनों तक रहने वाला है बारिश और तूफान वाला मौसम

नईदिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली-एनसीआर में अगले कुछ दिनों तक गर्मी से राहत रहेगी और बारिश-बादल और तेज हवा से मौसम लवली रह सकता है। लेकिन बारिश से जलभराव और तेज हवा की वजह से पेड़-खंभे आदि उखड़ने की वजह से मुश्किलों का भी सामना करना पड़ सकता है। शुक्रवार के लिए जहां मौसम विभाग ने रेड अलर्ट जारी किया है तो आने वाले कुछ दिनों में आसमान में बादलों का डेरा रहेगा। कम से कम 8 मई तक तक मौसम गीला-गीला ही रहने वाला है।

भारतीय मौसम विभाग ने शुक्रवार को तेज बारिश और 50 की स्पीड से हवा चलने की आशंका जाहिर की है, जिसकी शुरुआत सुबह से ही हो गई। दिल्ली-एनसीआर में कई जगहों पर भारी तो कहीं-कहीं मध्यम दर्जे की बारिश हुई है। तेज हवा चलने की वजह से कई जगह पेड़ और खंभे भी उखड़ गए हैं। द्वारका में ट्यूबवेल वाले घर पर पेड़ गिर जाने से तीन बच्चों और उनकी मां की मौत हो गई। एक मई के लिए मौसम विभाग ने पहले येलो अलर्ट जारी किया था जिसे बढ़ाकर रेड कर दिया गया।

मौसम विभाग की भविष्यवाणी के मुताबिक, रविवार 3 मई को दिल्ली एनसीआर में आसमान में बादल छाए रहने की संभावना है। 50 की स्पीड से तूफानी हवा चल सकती है। तापमान 25 से 35 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। 3 मई के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। सोमवार 4 मई को भी दिल्ली-एनसीआर में मौसम गीला-गीला रह सकता है। आसमान में बादल छाए रहेंगे। गरज के साथ हल्की बारिश हो सकती है। 30-40 की स्पीड से हवा भी चलेगी। 5 मई को भी आसमान में बादल छाए रहने की संभावना है। हल्की बारिश हो सकती है और 30-40 की स्पीड से हवा चलेगी। उस दिन न्यूनतम तापमान 25-27 और अधिकतम 35-37 डिग्री रहने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक 6 मई को भी मौसम कूल बना रहेगा। आमतौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। गरज के साथ हल्की बारिश भी हो सकती है। 30-40 की स्पीड से हवा चलने का क्रम जारी रहेगा। न्यूनतम तापमान 24 डिग्री और अधिकत 36 तक रहने की संभावना है। 7 मई को आसमान में बादल छाए रहने की संभावना है। बहुत हल्की बारिश हो सकती है। बादलों की गरज भी जारी रहेगी। 30-40 की स्पीड से तेज हवा चलेगी। तापमान 6 मई जैसा ही रहेगा। 8 मई को भी हल्की बारिश की संभावना जताई गई है। आसमान में बादल छाए रहेंगे। बादलों की गरज भी सुनाई देगी। न्यूनतम तापमान 24-26 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम 35-37 तक रहने की संभावना मौसम विभाग ने जताई है।

दिल्ली से मेरठ तक पहली बार दौड़ी नमो भारत ट्रेन, आखिरी हिस्से पर भी ट्रायल चालू

नईदिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम ने गुरुवार को दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ कॉरिडोर के आखिरी हिस्से पर 'नमो भारत' ट्रेन का ट्रायल शुरू कर दिया। पहली बार दिल्ली-मेरठ-गाजियाबाद कॉरीडोर पर चलने वाली यह ट्रेन मोदीपुरम तक पहुंची। एनसीआरटीसी से मिली जानकारी के अनुसार, इस दौरान 'नमो भारत' ट्रेन को शताब्दी नगर से मोदीपुरम के बीच चलाया गया। पहली बार ट्रेन मेरठ के अंडरग्राउंड हिस्से से होकर गुजरी, जो दिल्ली से मेरठ को हाई स्पीड रेल संपर्क से जोड़ने की ओर एक बड़ा कदम माना जा रहा है। एनसीआरटीसी से मिली जानकारी के अनुसार, इस कॉरीडोर में कुछ स्टेशन अंडरग्राउंड भी रहेंगे। आइए जानते हैं कि नमो भारत ट्रेन दिल्ली से लेकर मेरठ तक कितनी स्पीड से चलेगी।

नमो भारत ट्रेन का अब तक ट्रायल केवल उन दो हिस्सों पर सीमित था जो वर्तमान में चालू खंड के दोनों ओर स्थित हैं। एक ओर न्यू अशोक नगर से सरायकाले खां तक और दूसरी ओर मेरठ दक्षिण से शताब्दी नगर तक ही ट्रायल की शुरुआत की गई थी। गुरुवार को हुए इस परीक्षण के साथ, पहली बार 'नमो भारत' ट्रेनें पूरे दिल्ली-मेरठ कॉरिडोर पर दौड़ रही हैं। मिली जानाकारी के अनुसार, अभी ट्रेनों का ट्रायल चल रहा है, तो इसे कम स्पीड में चलाया जा रहा है, लेकिन आने वाले दिनों में ट्रेनों की रफ्तार बढ़ाई जाएगी शुरुआती ट्रायल मानवीय नियंत्रण में किया जा रहा है, जिससे ट्रेन और नागरिक संरचनाओं के बीच अनुकूलता का मूल्यांकन हो सके। बयान के अनुसार, आने वाले दिनों में 180 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से हाई-स्पीड ट्रायल किए जाएंगे।

दिल्ली में पानी का बढ़ सकता है संकट

नईदिल्ली, एजेंसी।
गर्मी बढ़ते ही पानी पर घमासान शुरू हो गया है। भाजपा की दिल्ली और हरियाणा सरकार ने गुरुवार को आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी की पंजाब सरकार पानी रोक रही है। उधर, आम आदमी पार्टी ने पलटवार करते हुए कहा कि दिल्ली में भाजपा काम ना करने के बहाने खोज रही है।

दिल्ली के जल मंत्री प्रवेश वर्मा ने कहा कि पंजाब सरकार राजनीति के तहत हरियाणा और दिल्ली का पानी रोकना चाहती है। उन्होंने कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि बदले की भावना के तहत जल संकट पैदा करने की कोशिश की जा रही है। उनका आरोप है कि जब आम आदमी पार्टी को दिल्ली की जनता ने नकार दिया, तो अब वह बदले की भावना से यह सब कर रही है। हालांकि, आप ने इन आरोपों को खारिज किया है। केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने पंजाब के सीएम पर निशाना साधा। दिल्ली को कुल 936 एमजीडी पानी विभिन्न स्त्रोतों से मिलता है। इनमें भाखड़ा, यमुना, गंगा, कैरियर लाइन चैनल (मुनक नहर) शामिल हैं। भाखड़ा डैम से दिल्ली को पानी न मिलने पर गर्मी में गंभीर जलसंकट पैदा हो सकता है। दिल्ली को भाखड़ा डैम से 270 क्यूसेक पानी मिलता है, जिससे करीब 76 लाख लोगों को जलापूर्ति होती है। दिल्ली जल बोर्ड के मुताबिक, दिल्ली की 90 फीसदी जलापूर्ति बाहरी स्त्रोतों पर निर्भर है। वहीं, दूसरी तरफ केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने स्पष्ट रूप से कहा कि भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बीबीएमबी) से हरियाणा या किसी अन्य राज्य को पेयजल या किसी अन्य उद्देश्य के लिए एक बूंद पानी नहीं दिया जाएगा। भाजपा के आरोपों पर पलटवार करते हुए आम आदमी पार्टी के प्रदेश संयोजक सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली में भाजपा की सरकार बने दो महीने ही हुए हैं और वह काम नहीं करने के बहाने तलाशने लगी है। दिल्ली में पानी की कमी का ठीकरा पंजाब सरकार पर फोड़ने की कोशिश की जा रही है।

एसीबी के रडार पर आए मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन, पूछताछ को जल्द भेजे जा सकते हैं नोटिस

नईदिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली सरकार के स्कूलों में क्लास रूम्स के निर्माण में कथित अनियमितता मामले में जल्द ही पूर्व मंत्री मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन से पूछताछ हो सकती है। सूत्रों ने बताया इसके लिए दोनों को जल्द ही नोटिस दिया जाएगा।

इस मामले में दिल्ली सरकार की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) उन सभी 34 ठेकेदारों और आर्किटेक्चर फर्म से पूछताछ करेगी, जिन्होंने निर्माण कार्य किया था। सूत्रों ने बताया कि एसीबी दोनों पूर्व मंत्रियों के अलावा उनके विभाग में तैनात अधिकारियों की सूची भी तैयार कर रही है। जिससे कि जांच के दौरान सामने आए तथ्यों में इन अधिकारियों की भूमिका की भी जांच की जा सके। बुधवार को ही एसीबी ने कक्षा निर्माण के मामले में आप सरकार के दो मंत्रियों और

अज्ञात अधिकारियों के खिलाफ केस दर्ज किया था। सूत्रों ने बताया कि प्राथमिक जांच में सामने आया है कि संबंधित ठेकेदारों को ही बार-बार ठेके दिए जा रहे थे। इसके आलावा निर्माण की योजना बनाने के लिए नियुक्त आर्किटेक्चर फर्म की भूमिका की संदिग्ध है। उसकी भी जांच की जा रही है, क्योंकि उन्होंने कथित तौर पर लागत बढ़ा दी थी। उसकी भूमिका संदेह के घेरे में है। एसीबी ने अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली पिछली सरकार के तहत 12,748 क्लास रूम्स के निर्माण में कथित भ्रष्टाचार को लेकर 'आप' के नेताओं मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन के खिलाफ मामला दर्ज किया है। एसीबी ने एक बयान में कहा कि यह घोटाला करीब 2,000 करोड़ रुपये का है और इसमें अत्यधिक बढ़ी हुई दरों पर ठेके दिए गए थे। बयान के अनुसार, कथित तौर पर प्रत्येक क्लास का निर्माण 24.86 लाख रुपये में किया गया, जो सामान्य लागत से लगभग पांच गुना अधिक है।

बयान के मुताबिक, यह काम कथित तौर पर 'आप' से जुड़े ठेकेदारों को सौंपा गया था। इसमें कहा गया है कि सक्षम प्राधिकारी से भ्रष्टाचार रोकथाम अधिनियम की धारा 17-ए के तहत अपेक्षित मंजूरी मिलने के बाद मामला दर्ज किया गया।

एसीबी अधिकारियों के अनुसार, इस प्रोजेक्ट में राजधानी में लगभग 12,748 क्लास रूम्स और स्कूल भवनों का निर्माण शामिल था, जिसमें 'काफी वित्तीय अनियमितताएं हुईं और लागत में वृद्धि' देखी गई।

प्रोजेक्ट को शुरू में स्वीकृत लागत पर इस शर्त के साथ मंजूरी दी गई थी कि इसे जून 2016 तक पूरा कर लिया जाएगा और भविष्य में इसमें वृद्धि की कोई गुंजाइश नहीं होगी। हालांकि, एसीबी ने बयान में आरोप लगाया कि निर्धारित समय सीमा के भीतर एक भी काम पूरा नहीं हुआ। इस कथित घोटाले के संबंध में भाजपा नेता हरीश खुराना, कपिल मिश्रा और नीलकंठ बख्शी से शिकायतें प्राप्त हुई थीं।

मध्य प्रदेश: कर्मचारी संघ ने डॉ. भीमराव अंबेडकर की मूर्ति पर माल्यार्पण कर सरकार के सामने रखी मांग

संजयसिंह चौहान

मध्य प्रदेश: उज्जैन आउटसोर्स कर्मचारी संघ के संभाग अध्यक्ष गुलशन मंसूरी के नेतृत्व में भारतीय मजदूर संघ, मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ, एवं आउटसोर्स कर्मचारी संघ, लघु वेतन कर्मचारी संघ के द्वारा शुक्रवार को उज्जैन में टॉवर चौक पर संविधान निमार्ता डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की मूर्ति पर माल्यार्पण कर बाबा साहब के बनाए हुए श्रम कानून को याद करते हुए सरकार को संकल्प पत्र याद दिलाया गया।

विधानसभा चुनाव के समय सरकार के द्वारा जो संकल्प पत्र जारी किया गया था, उसमें पेज नंबर 81 पर आउटसोर्स कर्मचारी को संविदा का लाभ देने एवं केंद्र के समान न्यूनतम वेतन का लाभ देने का वादा किया गया था। परंतु एक लंबा समय बीत जाने के बाद भी सरकार के द्वारा संकल्प पत्र के बारे में कोई चर्चा नहीं की गई, जबकि शासन के विभागों में 70 प्रतिशत आउटसोर्स कर्मचारी ही सेवाएं दे रहे हैं क्योंकि नियमित कर्मचारी लगातार सेवानिवृा हो रहे हैं एवं नई भर्ती नहीं होने से विभागों की जिम्मेदारी इन्हीं आउटसोर्स कर्मचारियों के कंधों पर है।

इनमें से अधिकतर आउटसोर्स कर्मचारी तो ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट हैं एवं तकनीकी शिक्षा भी प्राप्त किए हुए हैं। कई की उम्र रिटायरमेंट के करीब भी है और वे भी शोषण का शिकार हैं। भारतीय मजदूर संघ के विभाग प्रमुख सतीश शर्मा ने कहा कि आउटसोर्स कर्मचारी सरकार के विभागों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। भारतीय मजदूर संघ के द्वारा संघर्ष कर न्यूनतम वेतन रीवाइज करवाया गया था, जिसकी एरियर राशि एवं मार्च माह से बढ़े हुए वेतन का लाभ इन कर्मचारियों को मिलना था, परंतु शासन के अनेक विभागों में कर्मचारियों को बढ़े हुए वेतन का लाभ नहीं मिल पा रहा है एवं न्यूनतम वेतन में भी भ्रष्टाचार जमकर हो रहा है, जो कि एक सवालिया निशान है।

शासन के द्वारा सरकार के खजाने में बचत करने के लिए आउटसोर्स प्रथा लागू की गई है, परंतु अब इन आउटसोर्स कर्मचारियों की तनख्वाह में जमकर भ्रष्टाचार हो रहा है। वहीं प्रदेश संगठन मंत्री मनोहर गिरी ने कहा कि सरकार प्रदेश के मुखिया मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव लगातार कर्मचारियों के हित में निर्णय ले रहे हैं, वहीं अब इन आउटसोर्स कर्मचारियों को भी उनके पक्ष में सरकार के सही फैसले का इंतजार है। वहीं आउटसोर्स कर्मचारी संघ के संभाग के अध्यक्ष गुलशन मंसूरी के द्वारा सरकार को संकल्प पत्र याद दिलाया गया एवं नियमित कर्मचारियों के साथ-साथ आउटसोर्स कर्मचारियों के भविष्य को भी सुरक्षित करने की मांग की गई, जो कि प्रदेश सरकार के द्वारा वादा किया गया है एवं केंद्र के समान न्यूनतम वेतन का लाभ देने की बात कही गई।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से भारतीय मजदूर संघ के उज्जैन आगर विभाग प्रमुख सतीश शर्मा, प्रदेश संगठन मंत्री मनोहर गिरी, जिला संयोजक ओम प्रकाश यादव, आउटसोर्स कर्मचारी संघ के जिला व संभाग के अध्यक्ष गुलशन मंसूरी, जिला सचिव शैलेंद्र सिंह ठाकुर, लघु वेतन कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष हेमराज घावरी, आयुष विभाग के देवेंद्र पाल, बिजली कर्मचारी संघ से अलीम पठान, अनस खान, उज्जैन दुग्ध संघ से अतुल भाटी, लखन मालवीय, शिक्षा विभाग से वीरेंद्र सिंह ठाकुर, अजय सिंह ठाकुर, दिशान खान सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी साथी उपस्थित थे।

झारखण्ड: गोमिया कथारा में जेसीबी की मदद से हो रही मिट्टी की तस्करी

एमडी सईद हसन संजारी

झारखण्ड: गोमिया कथारा के बांध पंचायत अंतर्गत पलानी गांव में, जबरन जेसीबी लगाकर मिट्टी कटाने एवं भूमि पर कब्जा के मंसूबे से गांव के ही लोगों के द्वारा प्रयास किया जा रहा है। कहना है कि उक्त भूमि स्व. जीवन चमार की है, लगातार इस भूमि में स्व. जीवन चमार एवं उनके वंशज खेती-बाड़ी करते आ रहे हैं, एवं कुछ जमीन बेच चुके हैं, जिस पर विक्रेता का पूर्ण रूप से कब्जा है। जमीन का कुल रकवा ५ एकड़ ११ डिसमिल, प्लॉट १३७ है, जिस पर २००७ से लेकर अब तक तेनूघाट में टाइटल सूट केस संख्या ५६/०७ जारी है।

स्व. जीवन चमार के वंशजों के द्वारा गवाही प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है। आनन-फानन में प्रतिवादी लोगों के बहकावे में गांव के ही इंजरी देवी पति स्व. महादेव रविदास के अपने घर के नजदीक भूमि पर कब्जा जमाने के नियत से जेसीबी मशीन लगाकर मिट्टी कटाने एवं भूमि पर पड़े पत्थर हटाने का असफल कार्य शुरू कर दिया गया। खबर मिलते ही वादी पक्ष के लोगों के द्वारा जबरन भूमि पर कब्जा के नियत से जेसीबी मशीन हटाने का विरोध किया गया। वादी पक्ष ने कहा कि उक्त भूमि पर टाइटल सूट ५६/०७ मामला चल रहा है, किसी पक्ष के लोग इस भूमि पर कब्जा करने का प्रयास नहीं करेंगे, न्यायालय के फैसले के बाद ही किसी तरह का भूमि संबंधी कार्य हो सकेगा।

न्यायालय के मामले को उल्लंघन करते हुए श्रीमती इंजरी देवी के द्वारा जेसीबी लगाकर भूमि पर मालिकाना हक जमाने का असफल कोशिश किया गया है। भूमि पर जबरन कब्जा करने के प्रयास के विरोध करने पर उनके द्वारा जल्दबाजी में जेसीबी मशीन को चल रहे केस भूमि से हटाया गया। पूर्व में भी इनके पति के द्वारा जमीन पर अवैध कब्जा के नियत से ईंट भूमि पर जबरन रखने एवं जमीन पर मालिकाना कब्जा जमाने का प्रयास किया गया था, इसकी सूचना तेनूघाट मुंसिफ कोर्ट में दी गई थी। जबरन इनके द्वारा दूसरा-तीसरा दफा असफल प्रयास किया गया, जो न्यायालय में चल रहे मामले का उल्लंघन है।

मध्य प्रदेश: गोकुल ग्राम में पंचायत सचिव की लापरवाही से परेशान जनता

ख्वाजा हुसैन

मध्य प्रदेश: गोकुल ग्राम और भेरुनाथ की नगरी झांतला में मात्र पंचायत सचिव की हठधर्मिता के चलते ग्राम की जो हालत हो रही है, वह किसी से छिपी नहीं है। न ही कोई सफाई है, न ही किसी गरीब को कोई न्याय मिल रहा है। जो पात्र लोग हैं, उन्हें किसी प्रकार की शासन की कोई सुविधा नहीं मिल रही है। कोई इस संबंध में सचिव से बात करने जाता है, तो सचिव उससे तमीज से बात भी नहीं करता है। इसके पहले भ्रष्टाचार के सारे रिकॉर्ड ही तोड़ दिए गए हैं, जबकि शासन विधायक महोदय ने यहां बहुत विकास की राशि दी, लेकिन नौकरशाही ने मामला बिगाड़ दिया है।

इस सचिव की पूर्व की पंचायतों की रिपोर्ट भी अच्छी नहीं है, लेकिन मिलीभगत से इसके खिलाफ कोई एक्शन नहीं होता है। पूर्व सीएम श्री वीरेन्द्र कुमारजी सकलेचा के बगीचे तक में सफाई नहीं है, जो कि पंचायत के सामने स्थित सफाई के नाम से ग्राम पंचायत की जनता से पैसा वसूला जाता है, लेकिन सफाई के नाम पर धरातल पर जीरो है। पुर पंचायत क्षेत्र में कचरा नाली सारी चौक पड़ी हुई है। पूरी पंचायत क्षेत्र में जिस वार्ड में देखो, कचरे का अंबार लगा हुआ है।

सफाई के पैसे डायरेक्ट अपनी जेब में जा रहे हैं और जनता को इसका कोई लाभ नहीं मिल रहा है। लोगों को इंदिरा आवास नहीं मिल रहा है, जो कि पात्र हैं। बहुत सारे ऐसे लोगों को सुविधा दे दी गई है, जो कि पात्र नहीं हैं। जब कोई शिकायत की बात करता है, तो सचिव कहता है कि मैं नहीं डरता, जाओ शिकायत कर दो। अतः शासन के उच्च अधिकारियों और विधायक महोदय से निवेदन है कि ऐसे भ्रष्ट निकम्मे तानाशाह को यहां से हटाकर अन्यत्र किया जाए, ताकि आम जनता को उचित न्याय मिले।

उत्तर प्रदेश: मीरजापुर में जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने लखनपुर स्थित राजकीय नलकूप का औचक निरीक्षण

सूरज मौर्य

उत्तर प्रदेश: मीरजापुर में उत्तर प्रदेश सरकार के जलशक्ति मंत्री माननीय श्री स्वतंत्र देव सिंह आज मिजार्पुर से प्रयागराज की ओर जाते समय चील-गोपीगंज मार्ग से होकर निकले। इस दौरान उन्होंने ग्राम लखनपुर में स्थित राजकीय नलकूप संख्या 59 टÛ का औचक निरीक्षण किया। यह नलकूप 30 से 35 हेक्टेयर क्षेत्रफल की सिंचाई करने में सक्षम है और क्षेत्र के किसानों के लिए महत्वपूर्ण जलस्रोत है।

निरीक्षण के दौरान मंत्री जी ने नलकूप की कार्यप्रणाली, सिंचाई व्यवस्था और तकनीकी स्थिति की जानकारी अधिकारियों से प्राप्त की। उन्होंने मौजूद किसानों से सीधा संवाद करते हुए उनकी समस्याओं और सुझावों को गंभीरता से सुना। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि नलकूप की नियमित मरम्मत, संचालन और देखभाल सुनिश्चित की जाए ताकि खेतों तक पानी की आपूर्ति सतत बनी रहे।

निरीक्षण के उपरांत मंत्री जी ने ग्राम लखनपुर में वृक्षारोपण भी किया। उन्होंने कहा कि जल और हरियाली दोनों का गहरा संबंध है। जल स्रोतों के आसपास वृक्षारोपण से भूजल स्तर स्थिर रहता है और पर्यावरण भी संतुलित होता है। उन्होंने ग्रामीणों और

अधिकारियों से अपील की कि प्रत्येक जलस्रोत के आसपास कम से कम 100 पौधे अवश्य लगाए जाएं।

माननीय मंत्री जी अपने दौरे के क्रम में रास्ते में पड़ने वाली अन्य जल जीवन मिशन, हर घर नल योजना, अमृत सरोवर, नहर प्रणालियों तथा अन्य जल प्रबंधन योजनाओं का भी निरीक्षण कर रहे हैं। उनका उद्देश्य इन योजनाओं की जमीनी हकीकत को परखना और समयबद्ध व पारदर्शी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में जल संसाधनों के संरक्षण और प्रबंधन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। जलशक्ति विभाग का संकल्प है कि राज्य के प्रत्येक किसान को पर्याप्त सिंचाई सुविधा मिले और हर घर को शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो।

अंत में मंत्री जी ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनकल्याणकारी योजनाओं में जनभागीदारी और पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए ताकि अंत्योदय तक योजनाओं का लाभ पहुँच सके।

इसके पूर्व माननीय मंत्री जी विंध्याचल पहुंच कर मां विंध्यवासिनी देवी एवं अष्टभुजा स्थित गोकुल धाम मंदिर में मंत्रोच्चार के साथ दर्शन पूजन किया। इस अवसर पर मा. विधायक नगर श्री रत्नाकर मिश्र, मा. विधायक मड़िहान श्री रमाशंकर सिंह पटेल, जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद मीरजापुर श्री श्याम सुंदर केशरी सहित सिंचाई विभाग के अधिकारी व अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थिति रहे।

ओडिशा: पुरी में प्रधान शिक्षक दिगम्बर रथ के सेवानिवृत्त होने पर आयोजित हुआ विदाई समारोह

लक्ष्मीनारायण पाथी

ओडिशा: पुरी जिला डेलांग ब्लॉक अंतर्गत पिढपाटणा उच्च प्राथमिक विद्यालय की प्रधान शिक्षक दिगम्बर रथ सेवानिवृा होने पर 2 मई को एक भव्य विदाई समारोह का आयोजन हुआ। इसमें डेलांग ब्लॉक शिक्षा सह अधीक्षक द्वितीकांत प्रधान मुख्य अतिथि रहे। मुख्य अतिथि प्रदीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम की विधिवत शुरूआत की। खंडिमंगलपुर उच्च प्राथमिक विद्यालय के प्रधान शिक्षक संतोष कुमार मिश्र ने सभा की अध्यक्षता की।

पुष्पगुच्छ और अंगवस्त्र देकर समस्त अतिथियों को सम्मानित करने के बाद छात्राओं ने स्वागत संगीत गान किए। मुख्य वक्ता के रूप में शिक्षा अधीक्षक शतृघ्न वेहेरा के साथ सम्मानित अतिथियों में सह शिक्षाधिकारी लक्ष्मण प्रधान, संयुक्ता मिश्र, सुषमा दास, पूर्व शिक्षाधिकारी सच्चिदानंद प्रधान, पूर्व सह शिक्षाधिकारी युधिष्ठिर परिडा, निरंजन पात्र, प्रमोद कुमार परिडा, आर्त्तत्राण मिश्र, कार्तिक वेहेरा, श्यामसुंदर दास, निखिल उत्कल प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष पुरुषोत्तम प्रधान, सविता रथ, संघ सचिव शिवदत्त नायक मंचासीन रहे।

साथ ही निखिल उत्कल प्राथमिक शिक्षक संघ की उपाध्यक्ष सूर्य नारायण सेठी तथा संघ के पूर्व अध्यक्ष दुर्योधन साहु के साथ शिक्षक समुदाय से रवींद्र कुमार पलेइ, अभिन्नानंद प्रधान, प्रशांत कुमार दास, मिटुकिशोर प्रधान, प्रमोद कुमार मिश्र, पवित्र मोहन जेना, निरंजन साहु, गोपाल महापात्र, फकीर दास, लक्ष्मीप्रिया दाश, चंद्रशेखर सेठी, अनाम मल्लिक, उमेश कुमार दाश, सुरेश मंत्री, विभूतिभूषण होता और गोपकृष्ण त्रिपाठी भी मंच पर मौजूद रहे। मुख्य वक्ता ब्लॉक शिक्षाधिकारी शतृघ्न वेहेरा ने अपने संबोधन में कहा कि दिगम्बर रथ जैसी शिक्षक का साथ पाना तकदीर की बात है। अपने कार्यकाल में अच्छाई के मार्ग पर चलते हुए उन्होंने हमेशा छात्र-छात्राओं और कनिष्ठ शिक्षकों को राह दिखाते रहे।

दिगम्बर रथ के कुछ कार्य की मिसाल देते हुए उन्होंने कहा कि इस वजह से उनका हर कार्य याद रखने लायक है। साथ ही उन्होंने ब्लॉक शिक्षाधिकारी का कर्तव्य निभाते हुए मंच पर दिगम्बर रथ के साथ 30 अप्रैल को सेवानिवृा हुए हरिपुर प्राथमिक विद्यालय की कल्पना साहु और ओडतरावोई प्राथमिक विद्यालय के सुरेंद्रनाथ साहु को पूर्ण पेंशन पेपर दिए। अन्य अतिथियों ने दिगम्बर रथ के कार्य को लेकर अपने विचार व्यक्त किए। सेवानिवृा होते हुए दिगम्बर रथ ने अपने संबोधन में सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

विदाई के गम को लेकर वह ज्यादा कुछ बोल नहीं सके। उनके प्रति आभार व्यक्त करते हुए छात्र-छात्रा, शिक्षक-शिक्षिका, अभिभावक और शिक्षक संघ के द्वारा पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र, प्रशस्तिपत्र और ढेर सारे उपहारों से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं के सांस्कृतिक नृत्य-संगीत प्रदर्शन को सराहा गया। इस कार्यक्रम में पिढपाटणा गांववालों का विशेष सहयोग रहा। गांववाले अपने खर्चे पर मंच और पूर्ण तंबू सजावट की जिम्मेदारी लिए।

पिढपाटणा उच्च प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक और शिक्षिका इस कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु अथक प्रयास करते रहे। आखिर में शिक्षक श्रीधर प्रधान ने समस्त अतिथि, छात्र-छात्रा, सहयोगी और अभिभावकों को धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर सर्वत, नाश्ता और भंडारे का आयोजन हुआ था, जिसका आनंद सभी ने उठाया। सेवानिवृा प्रधान शिक्षक दिगम्बर रथ को विदाई देते हुए छात्र-छात्रा और शिक्षक-शिक्षिका रोते रहे। गांववाले उन्हें गाजे-बाजे के साथ जुलूस में लेकर गांव परिक्रमा करके करीब दस किलोमीटर उनके घर तक छोड़ने गए।

उत्तर प्रदेश: गाजीपुर के नगर में विजिलेंस और विद्युत विभाग की संयुक्त टीम ने बिजली चोरी खिलाफ किया रेड

रामकेश विश्वकर्मा

उत्तर प्रदेश: जनपद गाजीपुर के नगर में विजिलेंस और विद्युत विभाग की संयुक्त टीम ने बिजली चोरी के खिलाफ शुक्रवार की सुबह मॉर्निंग रेड किया। बिजली विभाग की मॉर्निंग रेड से बिजली चोरी करने वाले उपभोक्ताओं में हड़कंप मच गया। विजिलेंस और बिजली विभाग की टीम ने शहर के तिलकनगर कॉलोनी, रायगंज, महुआबाग, बर्बरहना समेत दर्जनों मोहल्लों में जबरदस्त छापेमारी की।

बिजली चोरी करने वालों के खिलाफ चले इस सघन चेकिंग अभियान से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। बिजली विभाग की टीम ने मौके पर 12 लोगों के खिलाफ बिजली चोरी का मुकदमा दर्ज किया, जबकि 7 ऐसे उपभोक्ताओं पर दोबारा एफआईआर की गई, जिन पर पहले से राजस्व निर्धारण बकाया था। अधिकारियों ने साफ किया है कि बकाया न जमा करने वालों और बिजली चोरों के खिलाफ अब सख्त कार्रवाई की जाएगी।

इस संयुक्त रेड में अधिशासी अभियंता नगर द्वितीय गोपाल सिंह, एसडीओ सुधीर कुमार, अवर अभियंता प्रमोद यादव और विजिलेंस के जेई अजय पटेल सहित पूरी टीम मौके पर मौजूद रही। अधिशासी अभियंता गोपाल सिंह ने चेतावनी दी है कि बिजली चोरी और बकाया नहीं चुकाने वालों के खिलाफ रेड अभियान लगातार जारी रहेगा और पकड़े जाने पर कठोरतम कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

उत्तर प्रदेश: सिद्धार्थनगर SP ने दी पुलिस लाइन में साप्ताहिक परेड की सलामी

प्रवीण कुमार

उत्तर प्रदेश: सिद्धार्थनगर पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन ने शुक्रवार को पुलिस लाइन के परेड ग्राउंड में साप्ताहिक परेड की सलामी ली। उन्होंने परेड का निरीक्षण किया। पुलिस कर्मियों को शारीरिक रूप से फिट रखने के लिए दौड़ लगवाई गई।

परेड के दौरान अनुशासन और एकरूपता के लिए टोलीवार ड्रिल कराई गई। पुलिस कर्मियों को शस्त्र प्रशिक्षण भी दिया गया। एसपी ने पुलिस लाइन परिसर की बेहतर साफ-सफाई के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए।

इसके बाद उन्होंने विभिन्न शाखाओं, मेस, स्टोर, कैंटीन और परिवहन शाखा का निरीक्षण किया। पुलिस लाइन के आदेश कक्ष में सभी गार्ड रजिस्टरों की जांच की। गार्ड की सुरक्षा के संबंध में सभी गार्ड कमांडरों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान क्षेत्राधिकारी बांसी/लाइन सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

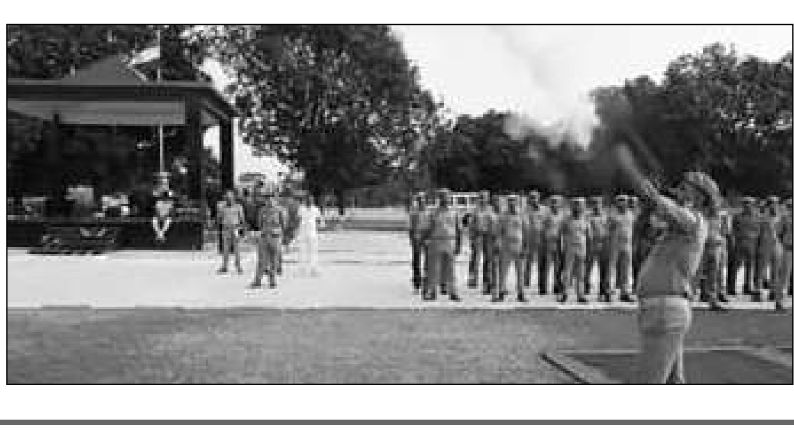

उत्तर प्रदेश: मीरजापुर में जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट के जनता दर्शन में सुनी जन समस्याएं

सूरज मौर्य

उत्तर प्रदेश: मीरजापुर में जन समस्याओं के त्वरित निस्तारण के दृष्टिगत कलेक्ट्रेट में आयोजित होने वाले जनता दर्शन में आए फरियादियों की समस्याओं को जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने सुनते हुए निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया।

जनता दर्शन में अवैध अतिक्रमण से संबंधित प्रार्थना पत्रों पर जिलाधिकारी द्वारा कड़ी रूख अपनाते हुए उप जिलाधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जमीनों पर अतिक्रमण कर तालाबों आदि पर अतिक्रमण करने वालों पर कड़ी कार्यवाही की जाए।

उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में राजस्व व पुलिस की टीम गठित कर मौके पर भेजी जाए तथा दोनों पक्षों की उपस्थिति में पूरी पारदर्शिता के साथ मामले का संतोषजनक निस्तारण किया जाए।

उत्तर प्रदेश: पीएम मोदी के खिलाफ कांग्रेस 'लश्करे पाकिस्तान' बनी : प्रेम शुक्ला

रामा शंकर सिंह

उत्तर प्रदेश: सुलतानपुर भाजपा राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रेम शुक्ला ने बुधवार को भाजपा जिला कार्यालय पर प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि नरेंद्र मोदी के खिलाफ कांग्रेस लश्करे पाकिस्तान बन बैठी है। उन्होंने कांग्रेस द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर प्रधानमंत्री मोदी का विवादित फोटो पोस्ट करने और बाद में डिलीट करने के संदर्भ में यह बयान दिया। राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा कि पाकिस्तान के पूर्व मंत्री कांग्रेस नेताओं के ट्वीट्स को रिट्वीट करते हैं।

कांग्रेस और राहुल गांधी के बयानों का दुरुपयोग संयुक्त राष्ट्र में किया जाता है। उन्होंने सवाल उठाया कि कांग्रेस के नेता बार-बार भारत की संप्रभुता को चुनौती देने वाले पाकिस्तान का समर्थन क्यों करते हैं। भाजपा प्रवक्ता ने समाजवादी पार्टी पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी हिंदू द्रोही है, हिंदुओं द्वारा हिंदुओं को मारने का काम एक ही बार हुआ था अयोध्या में कारसेवकों को निर्ममता से गोली मारकर हत्या करने का काम मुलायम सिंह यादव के निर्देश पर हुआ था।

उन्होंने पहलगाम हमले की घोर निंदा की। कहा कि पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित लश्करे तैयबा के आतंकवादियों ने वहां पर धर्म पूछकर और उनकी पैंट उतारकर उनकी शिनाख्त कर हिंदुओं की हत्या की गई। इसकी गवाही स्वयं उनके परिजन दे रहे हैं। प्रेम शुक्ला ने सपा के रामगोपाल यादव, कांग्रेस के रॉबर्ट वाड्रा और सिद्धारमैया के बयानों की आलोचना की। कहा कि इनके बयानों की कोई प्रमाणिकता नहीं है। कहा कि ये लोग भारत में रहकर पाकिस्तान की मदद करते हैं। देश के साथ गद्दारी करते हैं।

प्रेम शुक्ला ने एक राष्ट्र - एक चुनाव को लेकर कहा कि 2019 के लोकसभा चुनावों में लगभग 60 हजार करोड़ और विधानसभा चुनावों में 1.80 लाख करोड़ रुपए, कुल लगभग 2.80 लाख करोड़ रुपए की राशि सिर्फ चुनावों पर खर्च हो रही है। उन्होंने कहा कि इसके पहले निर्वाचन आयोग, ला कमीशन ने भी एक साथ चुनाव कराने की सिफारिश की थी। उन्होंने बताया कि 2023 में मोदी सरकार ने पूर्व राष्ट्रपति कोविंद के नेतृत्व में कमेटी का गठन किया, जिसकी रिपोर्ट सौंपी जा चुकी है। यह भी कहा कि भाजपा के 2019 और 2024 के संकल्प पत्र में भी एक राष्ट्र एक चुनाव का वादा किया था। वहीं सपा द्वारा एक बैनर में डॉ. अम्बेडकर की आधी फोटो के साथ अखिलेश यादव की फोटो लगाए जाने पर प्रेम शुक्ला ने कहा कि समाजवादी पार्टी के सुप्रीमो अखिलेश यादव ने ये बाबा साहब का अपमान किया है।

इससे पूरा देश जहां नाराज है, वहीं दलित समाज चिंतित है। भारतीय जनता पार्टी अखिलेश यादव के इस दुस्साहसिक कृत्य की निंदा करती है। हम उनके खिलाफ विधिक कार्रवाई की मांग करते हैं। प्रेस कांफ्रेंस में भाजपा जिलाध्यक्ष सुशील त्रिपाठी, भाजपा प्रवक्ता विजय सिंह रघुवंशी, भाजपा नेता शिवाकांत मिश्रा आदि मौजूद रहे।

उत्तर प्रदेश: धान खरीद घोटाले से संबंधित अभियुक्त को एस.ओ.जी. ने किया गिरफ्तार

प्रवीण कुमार

उत्तर प्रदेश: सिद्धार्थनगर एसआईटी और एसओजी की संयुक्त टीम ने धान खरीद घोटाले से संबंधित अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा। 02 मई को उपमहानिरीक्षक बस्ती रेंज के निर्देशन में गठित एसआईटी टीम द्वारा धान खरीद घोटाले से संबंधित जनपद सिद्धार्थनगर में आदेशानुसार पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में मु.अ.सं. 06/2025 धारा 409 भादवि थाना कोतवाली सिद्धार्थनगर पर पंजीकृत अभियोग जिसकी विवेचना सुजीत कुमार राय, क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ द्वारा की जा रही है।

उपरोक्त अभियोग में वांछित अभियुक्त मयंक मणि त्रिपाठी जो काफी दिनों से फरार चल रहा था, को क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ के निर्देशन में एसआईटी और एसओजी टीम द्वारा नौगढ़ पीएससी कार्यालय के पास से गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही पूर्ण कर अभियुक्त को माननीय न्यायालय रवाना किया गया।

आज एसआईटी की टीम द्वारा धान खरीद घोटाले से संबंधित अभियुक्त अमित चौधरी, पीसीएफ के प्रबंधक के घर महाराजगंज जनपद के थाना पुरंदरपुर अंतर्गत ग्राम सरकरधीरा उसके निवास पर पूछताछ नोटिस का तामिला भी कराया गया।

पुलिस के अनुसार

गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण

मयंक मणि त्रिपाठी पुत्र शिवकुमार त्रिपाठी निवासी थाना त्रिलोकपुर जनपद सिद्धार्थनगर।

गिरफ्तार करने वाली टीम में शामिल

01. एसआईटी टीम और जनपदीय एसओजी प्रभारी जीवन त्रिपाठी, टीम सहित शामिल रहे।

सिद्धार्थनगर डीएम ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र व निर्माण कार्य का किया निरीक्षण, दिए निर्देश

प्रवीण कुमार

उत्तर प्रदेश: सिद्धार्थनगर जिलाधिकारी डा. राजा गणपति आर. ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र शोहरतगढ़ का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी डा. राजा गणपति आर. ने इमरजेंसी वार्ड, वार रूम आदि को देखा। एचआरपी रजिस्टर में दर्ज 02 एचआरपी महिला नासरीन एवं मंजू से जिलाधिकारी ने फोन से वार्ता की।

माह अप्रैल 2025 के एचआरपी रजिस्टर में 39 महिलाएं पंजीकृत थीं। आगामी 03 माह में गर्भवती महिलाओं की होने वाली डिलीवरी के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई। एनबीएसयू एवं एनआईसीयू, एडमिशन रजिस्टर को देखा गया। आरूषि यादव से बच्चों के संबंध में वार्ता की गई। एनबीएसयू उपकरण की लिस्ट चस्पा कराने का निर्देश दिया गया। प्रसव रजिस्टर को देखा गया।

आज 03 बच्चों का जन्म हुआ है। इसके अलावा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र शोहरतगढ़ पर कराए जा रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया गया। अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत शोहरतगढ़ को निर्देश दिया गया कि समय से एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य पूर्ण कराए जाएं।

मध्य प्रदेश: मुरैना में दलित समुदाय के लिए न्याय की मांग को लेकर निकाली गई विशाल रैली

फूलचंद मालवीय

मध्य प्रदेश: मुरैना में एक विशाल रैली आयोजित की गई, जिसमें दलित समुदाय के लिए न्याय की मांग की गई। रैली में हजारों लोगों ने भाग लिया और सरकार से पीड़ितों को न्याय दिलाने की मांग की। यह रैली राज्यसभा सांसद रामजी गौतम के नेतृत्व में आयोजित की गई थी।

दलित समुदाय पर हमले का विरोध

रैली में 14 अप्रैल को ग्राम हिमोना खुर्द में दलित समुदाय के दो लोगों पर हुए हमले की निंदा की गई। इस हमले में संजय जाटव की मृत्यु हो गई थी और रानू जाटव गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

हमले का कारण सिर्फ इतना था कि उन्होंने जय भीम बोला था, जो दलित समुदाय के लिए एक महत्वपूर्ण नारा है।

सरकार से न्याय की मांग

रैली में शामिल लोगों ने सरकार से पीड़ितों को न्याय दिलाने और अपराधियों पर कठोर कार्रवाई करने की मांग की। उन्होंने सरकार की विफलताओं को उजागर करते हुए आम जनता की समस्याओं पर प्रकाश डाला। रैली में शामिल लोगों ने कहा कि जब तक पीड़ितों को न्याय नहीं मिलेगा, तब तक वे आंदोलन जारी रखेंगे।

ज्ञापन सौंपा गया

रैली के बाद अपर कलेक्टर सीवी प्रसाद को ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें पीड़ितों को न्याय दिलाने और अपराधियों पर कठोर कार्रवाई करने की मांग की गई। ज्ञापन में यह भी कहा गया है कि सरकार को दलित समुदाय के लोगों की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाने होंगे।

रामजी गौतम का बयान

राज्यसभा सांसद रामजी गौतम ने कहा कि दलित समुदाय के लोगों पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ यह आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि सरकार को दलित समुदाय के लोगों की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाने होंगे और अपराधियों पर कठोर कार्रवाई करनी होगी।

आंदोलन का प्रभाव

यह रैली जिले में राजनीतिक हलचल पैदा करने और प्रशासन का ध्यान गंभीर समस्याओं की ओर आकर्षित करने में सफल रही। अब देखना यह है कि सरकार इस आंदोलन की मांगों पर कितनी गंभीरता से विचार करती है और पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए क्या कदम उठाती है। रैली में शामिल लोगों का कहना है कि वे तब तक शांत नहीं बैठेंगे जब तक पीड़ितों को न्याय नहीं मिल जाता।

राजस्थान: जिला कलक्टर अरुण कुमार पुरोहित ने किया मेड़ता क्षेत्र का दौरा

मनोज कुमार

राजस्थान: जिला कलक्टर अरुण कुमार पुरोहित ने शुक्रवार को मेड़ता क्षेत्र का दौरा किया, जहां उन्होंने पंचायत समिति सभागार में ह्यगुरु गोलवलकर आकांक्षी ब्लॉक विकास योजनाह्व की समीक्षा बैठक ली। जिले के मेड़ता ब्लॉक का इस योजना के अंतर्गत चयन किया गया है। इसके तहत नीति आयोग के आकांक्षी जिला/ब्लॉक कार्यक्रम के फ्रेमवर्क के आधार पर राजस्थान में चिन्हित ब्लॉक में तेजी से सामाजिक व आर्थिक विकास करवाने का लक्ष्य है। होने वाले विकास कार्यों का हर तीन महीने में मूल्यांकन होगा। उम्मीद है कि इससे नागरिकों के जीवन स्तर में काफी सुधार आएगा। इस योजना के तहत स्वास्थ्य व पोषण, शिक्षा, कृषि, बुनियादी ढांचा, कौशल विकास और वित्तीय समावेशन आदि मुद्दों पर जोर रहेगा।

बैठक में एसडीएम पूनम चौधरी, तहसीलदार रामसिंह, चिकित्सा विभाग, पशुपालन विभाग, कृषि विभाग सहित अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। जिला कलक्टर पुरोहित ने सभी विभागीय अधिकारियों से योजना की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली और जमीनी स्तर पर योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि गोलवलकर आकांक्षी ब्लॉक योजना के तहत निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए, ताकि विकास के लाभ अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुंच सकें। कलेक्टर ने विभिन्न विभागों से राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट भी प्राप्त की और आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए।

जिला कलक्टर ने ग्राम पंचायत सोगावास में लगाई रात्रि चौपाल

जिला कलक्टर पुरोहित ने ग्राम पंचायत सोगावास में रात्रि चौपाल लगाकर आमजन की परिवेदनाओं की सुनवाई की।

रात्रि चौपाल में आमजन के विभिन्न परिवादों की सुनवाई कर संबंधित अधिकारियों को आमजन के परिवादों का निस्तारण करने के निर्देश दिए।

रात्रि चौपाल के दौरान ग्रामीणों द्वारा विभिन्न जन समस्याओं से संबंधित परिवाद दिए गए। इनमें प्रमुख रूप से विद्युत व्यवस्था, पेयजल आपूर्ति, मनरेगा, अतिक्रमण हटाने, रास्ता खुलाने, सामाजिक सुरक्षा पेंशन स्वीकृत कराने, सफाई व्यवस्था, खाद्य सुरक्षा योजना में नाम जुड़वाने सहित विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलाने के संबंध में अन्य परिवाद दिए गए।

इस दौरान जिला कलक्टर ने मौके पर ही संबंधित विभागों के अधिकारियों को उक्त परिवादों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए।

मेड़ता उपकारागृह का किया निरीक्षण

निरीक्षण के दौरान जिला कलक्टर ने उपकारागृह में स्वच्छता, साफ-सफाई की व्यवस्थाओं के साथ-साथ जेल में निरुद्ध बंदियों को उपलब्ध करवाए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता, उनके स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सुविधा व उनके लिए उपलब्ध आधारभूत सुविधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त कर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

उत्तर प्रदेश: तेज रफ्तार का कहर, युवक के साथ बाइक सवार नाबालिग भी घायल

प्रवीण कुमार

उत्तर प्रदेश: सिद्धार्थनगर में तेज रफ्तार के कहर के चलते बाइक सवार और नाबालिग घायल हुए हैं। शिवनगर डिंडई थाना क्षेत्र अंतर्गत असनार गाँव के दक्षिण तेज रफ्तार से आ रही बेलोरो बाइक सवार दो लोगों पर अचानक आफत बनकर टूट पड़ी। मौके पर मौजूद गाँव के कुछ लोगों के अनुसार मोटरसाइकिल में साइड से लगी बेलोरो की जोरदार ठोकर से बाइक सवार हवा में उड़ते हुए काफी दूर गिरा। लेकिन बाइक बेलोरो में नीचे फंसकर कुछ दूर तक घिसटती गई, जिसे गाँव वालों ने बेलोरो को उठाकर निकाला। घटना शुक्रवार पूर्वान्ह 10:00 बजे की है।

असनहरा निवासी 32 वर्षीय राहुल पुत्र बरफी और 17 वर्षीय सनोज पुत्र रामचन्दर खेसरहा थाना क्षेत्र के अकोल्ही गाँव से कुर्थिया-करही नहर की पटरी पर बने पिच रोड से करही की तरफ जा रहे थे। वहीं कुर्थिया से करही पीएम वाई योजना से बने रोड से करही की ओर जा रही बेलोरो संख्या यूपी 51 ए बी 4392 ने नहर की क्रॉसिंग पर बाइक में ठोकर मार दी।

असनार गाँव के दक्षिण रोड के क्रॉसिंग पर अचानक हुई घटना में बाइक सवार दोनों के बाएं पैर में गंभीर चोटें आई हैं। एक घायल को बेलोरो में सवार लोगों ने तिलौली स्थित सास्वा केंद्र मिठवल पहुंचाया, तथा गंभीर रूप से दूसरे घायल को एंबुलेंस द्वारा सीएचसी ले जाया गया। सूचना पर मौके पर पहुंची शिवनगर पुलिस

ने घटना स्थल का निरीक्षण कर लोगों से जानकारी ली, तथा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी बाइक को थाने पहुंचाया गया।

उत्तर प्रदेश: जिला मुख्यालय स्व.सरजू पांडे पार्क में धरना प्रदर्शन का आयोजन किया गया

रामकेश विश्वकर्मा

उत्तर प्रदेश: धरने में महामहिम राष्ट्रपति महोदया को जिला अधिकारी के माध्यम से ज्ञापन सौंपा गया। कार्यक्रम का संचालन जिला महासचिव श्री कन्हैयालाल विश्वकर्मा ने किया। कार्यक्रम में सर्वश्री विधायक जंगीपुर डॉक्टर वीरेंद्र यादव, विधायक सदर श्री जैकिशन साहू जी, पूर्व विधायक श्री खुर्शीद अहमद, श्री त्रिवेणी राम, श्री उमाशंकर कुशवाहा, राष्ट्रीय सचिव राजेश कुशवाहा, पूर्व जिला अध्यक्ष रामधारी यादव, लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अभिषेक यादव, विधायक पत्नी जमानिया मनु सिंह, मुन्नीलाल राजभर, अशोक बिंद, परशुराम बिंद, सुशील जायसवाल, रविंद्र प्रताप यादव, डॉक्टर सीमा यादव, बिंदु वाला बिंदु, रीना यादव, कंचन रावत, ममता, नीलम, अनीता, श्रीमती आशा यादव, संगीता, परशुराम बिंद, जितेंद्र भारती, सुजीत कुमार, अमित ठाकुर, अभिषेक कुशवाहा, राजेश यादव, लल्लन राम, डॉक्टर संजय कनौजिया, धर्मचंद यादव, कमलेश यादव, भानु, रजनीकांत खेदन यादव, केसरी यादव, शोभा यादव, सूरज राम, बागी अरविंद यादव, सुभाष उपेंद्र, वासुदेव खरवार, लालजी राम,

जयराम, जमुना,

अदनान, डॉक्टर समीर सिंह, बलराम, तहसील अहमद, राजेंद्र यादव, गोवर्धन यादव, अनिल यादव, कमलेश यादव, अवधेश यादव, राजू, दिनेश यादव, नगर अध्यक्ष राम जी सोनकर, कमलेश सोनकर, भाभी चौधरी, दारा, नंदलाल, संतोष, महेंद्र बिंद, जनार्दन, राजनाथ, रजनीश यादव, आलोक कुमार, श्री राम, राम बैजू, मदन यादव, डॉ विकास यादव, विजय यादव, कमलेश यादव, पारस यादव, उमेश, आलोक, अजय, सुदामा राम, लल्लन राम, शौर्या सिंह, संदीप, प्रभुनाथ राम, नगीना, शिव शंकर, राजेश यादव, सिंहासन यादव, रमेश यादव, जिला सचिव सूर्यमणि, आत्मा यादव, बिंदुबाला बिंद, रीता विश्वकर्मा, भारत यादव, राम विजय, डॉ शिव प्रताप यादव, पप्पू, जितेंद्र भारती, रामाधार यादव, आजाद राय, रमेश गोड, दारा यादव, देव मुनि, जितेंद्र भारती, गोविंद यादव, रामजस यादव, एडवोकेट धर्मचंद यादव, एडवोकेट, इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश: भाजपा ने आंबेडकर की आधी तस्वीर काटकर अखिलेश की फोटो लगाने पर किया विरोध प्रदर्शन

रामा शंकर सिंह

उत्तर प्रदेश: सुलतानपुर समाजवादी पार्टी के दफ्तर पर भारतरत्न डॉ आंबेडकर की आधी तस्वीर काटकर सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की फोटो लगाने पर भाजपाइयों ने कड़ा विरोध दर्ज कराया है। भाजपा जिलाध्यक्ष सुशील त्रिपाठी की अगुवाई में विकास भवन के सामने स्थित डॉक्टर अंबेडकर की प्रतिमा पर भाजपाइयों ने काली पट्टी बांधकर और प्लेकार्ड लेकर सपा के खिलाफ धरना दिया और सड़क पर उतरकर जोरदार प्रदर्शन किया। यहां पर पार्टी कार्यकताओं ने सपा मुदार्बाद के नारे लगाए। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष सुशील त्रिपाठी ने कहा सपा दो दशकों से दलितों का उत्पीड़न कर रही है।

समाजवादी दलित विरोधी है। उसके नेता आजम खान डॉ आंबेडकर को भूमाफिया बताते थे। सपा के नेताओं ने दलितों को अपमानित करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी है। उन्होंने कहा इस कृत्य के लिए सपा मुखिया के खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर मुकदमा दर्ज किया जाना चाहिए। उन्होंने सपा मुखिया अखिलेश यादव से माफी की मांग भी की। धरना प्रदर्शन का संचालन जिला महामंत्री धर्मेन्द्र कुमार ने किया।

प्रदर्शन में अनुसूचित मोर्चा जिलाध्यक्ष सुमन राव कोरी, महामंत्री घनश्याम चौहान, प्रवक्ता विजय सिंह रघुवंशी, सुनील वर्मा, प्रदीप शुक्ला, संजय उपाध्याय, नगर अध्यक्ष रीना जायसवाल, सूर्य नारायण पाण्डेय, पूजा कसौधन, अरुण कुमार, पूर्व सभासद अरुण सिंह, विजय सेक्रेटरी, सूर्य नारायण पाण्डेय, सतनाम सिंह, राजेश कुमार, रामेंद्र प्रताप सिंह, राहुल भान मिश्रा, डावर खान, अफजल अंसारी, अवधेश शर्मा, आकाश जायसवाल, रचना अग्रवाल, संतोष सिंह, राम जतन यादव, रचना अग्रवाल, विशाल जायसवाल, रोहित यादव, प्रदीप शर्मा, डॉ राममूर्ति वर्मा, आशीष मिश्रा महाकाल, प्रदीप मिश्रा, संतोष सिंह, रोहित यादव, अमित त्यागी, प्रवीण मिश्रा, रवि श्रीवास्तव, संदीप जायसवाल, रामदेव अग्रहरि, अनुज श्रीवास्तव, रोहित पाण्डेय, मोहित साहू, सचिन शुक्ला, सौरभ पाण्डेय समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

संपादकीय

पहलगाम त्रासदी : क्या हो अमन की राह?

कश्मीर के बैसरन में 26 सैलानियों को बेरहमी से कत्ल कर दिया गया और कई अन्य घायल हुए। इस त्रासदी को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। यह दावा किया गया है कि हत्यारे आतंकवादी पाकिस्तान की लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े संगठन ह्यद रेसिसटेंस फोर्सह्य के थे। इस संगठन ने इस कायरतापूर्ण हमले की जिम्मेदारी भी ली है। हमलावरों ने लोगों का धर्म पूछा और फिर बेरहमी से उन्हें अपनी गोलियों का निशाना बनाया। मरने वालों में सैयद आदिल शाह नामक व्यक्ति भी था जो पर्यटकों को घोड़ों पर बिठाकर सैर करवाता था।

इस कांड के तुरंत बाद हेलीकाप्टरों के पहुँचने तक हमले के शिकार लोगों की मदद मुख्यतः मुसलमानों ने की। घायलों का इलाज मुस्लिम डॉक्टरों के एक दल ने किया। पूरी कश्मीर घाटी में बंद रहा और ह्यहिंदू मुस्लिम भाई भाईह्य के नारे गूंजते रहे। घटना के समय प्रधानमंत्री सऊदी अरब में थे। वे अपनी यात्रा अधूरी छोड़कर स्वदेश वापिस आए लेकिन घटनास्थल पर जाने के बजाए वे एक चुनावी रैली में शामिल होने बिहार चले गए। प्रधानमंत्री मोदी ने सर्वदलीय बैठक की अध्यक्षता भी नहीं की क्योंकि वे उस समय बिहार में थे और वहां मंच पर भाजपा के सहयोगी दल के नेता नीतीश कुमार के साथ हंसी-ठिठोली करते नजर आए। सभी विपक्षी दलों ने आतंकी हमले के खिलाफ सरकार द्वारा उठाए जाने वाले सभी कदमों के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया, जो बिलकुल उचित कदम था।

प्रधानमंत्री का यह रवैया गुजरात के गोधरा में ट्रेन में आग लगने की घटना के बाद के उनके रवैये के एकदम विपरीत था। तब वे घटना के आधे घंटे के अंदर ही घटनास्थल की ओर रवाना हो गए थे और उन्होंने यह निर्देश दिया था कि शवों को अहमदाबाद ले जाया जाए जहां उन्हें एक जुलूस में शहर की सड़कों पर घुमाया गया। पहलगाम हमले के बाद से सोशल मीडिया पर बड़े पैमाने पर ऐसे संदेश पोस्ट किए जा रहे हैं जिनमें आतंकवादियों को ह्यमुस्लिम राक्षसोंह्य के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। आतंकियों ने पर्यटकों की हत्या करने के पहले उनका धर्म पूछा इस बात को मुस्लिमों के प्रति घृणा फैलाने का मुख्य आधार बनाया जा रहा है। मुसलमानों को कठघरे में खड़ा करने का सिलसिला काफी पहले से चल रहा है। गाय और लव जिहाद जैसे मुद्दों के बहाने मुसलमानों की लिंचिंग होती रही हैं। उनका नाम पता लगने के बाद उन्हें मकान बेचने या किराए पर देने से इंकार कर दिया जाता है। उन्हें सिर्फ उनके धर्म की वजह से नौकरी नहीं दी जाती है। सरकार और गोदी मीडिया ने आतंकियों के मुस्लिम होने की बात का जिक्र तो खूब किया मगर उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था और गुप्तचर संस्थाओं की असफलता के बारे में एक शब्द भी नहीं कहा।

जातिगत जनगणना: दूरदर्शी फैसला

> जातियों के आंकड़े नहीं होने और आर्थिक स्थिति की ठोस जानकारी नहीं होने की वजह से सभी जातियों का आरक्षण अनुमानित आधार पर दिया गया है। अब जातिगण गणना होगी और सरकार के सामने वास्तविक आंकड़े होंगे तो उनके आधार पर आरक्षण का फैसला होगा। मिसाल के तौर पर अंग्रेजों के जमाने में 1931 में हुई जनगणना के मुताबिक बिहार में पिछड़ी जातियों की आबादी 52 फीसदी थी, लेकिन बिहार सरकार ने जनगणना कराई तो पिछड़ी जातियों की आबादी 63 फीसदी निकली।

-एस सुनील-

जातिगत जनगणना के केंद्र सरकार के फैसले के अलग अलग पहलुओं पर विचार करने से पहले एक पंक्ति का यह निष्कर्ष बता देना जरूरी है कि यह एक दूरदर्शी फैसला है, जिसे पर्याप्त विचार विमर्श के बाद देशहित को ध्यान में रख कर किया गया है। यह भी समझ लेना चाहिए कि यह कोई तात्कालिक फैसला नहीं है और राजनीतिक लाभ हानि अपनी जगह है परंतु इसका राजनीति से कोई लेना देना नहीं है। ऐसा नहीं है कि राजनीति को ध्यान में रख कर या किसी विपक्षी पार्टी का एजेंडा छीन लेने या किसी बड़ी घटना से ध्यान भटकाने के लिए यह फैसला हुआ है। यह एक सोचा समझा फैसला है, जो देश के पिछड़े, दलित, आदिवासी और वंचित समूहों के उत्थान के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रतिबद्धता और उनके संकल्प को प्रतीकित करता है।

सर्वप्रथम इस बात पर विचार करें कि इस निर्णय की क्या आवश्यकता थी। वास्तविकता यह है कि दशकों तक देश में सरकार चलाने वाली कांग्रेस पार्टी ने इस आवश्यकता की अनदेखी की थी। ध्यान रहे जितने आवश्यक कार्यों की अनदेखी कांग्रेस सरकारों ने की है उनको पूरा करने की ऐतिहासिक भूमिका प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को निभानी है। चूंकि कांग्रेस की सरकारों ने समय पर यह फैसला नहीं किया इसलिए सरकार ने आगे बढ़ कर यह फैसला किया है। सरकार पिछड़े और वंचित समूहों के उत्थान के लिए अनेक योजनाएं चला रही है लेकिन ज्यादातर योजनाओं को लेकर नीतियां अनुमानों के आधार पर बनी हैं। किसी को पता नहीं है कि वास्तव में किस जातीय समूह की कितनी आबादी है। न तो जातियों की वास्तविक संख्या पता है और न उनकी आर्थिक, सामाजिक स्थिति का पता है।

कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार ने 2011 की जनगणना में सामाजिक, आर्थिक गणना के जरिए जातियों और उनकी आर्थिक स्थिति के आंकड़े जुटाए थे। लेकिन पता नहीं किस दबाव या किस तुष्टिकरण की सोच में उसने आंकड़े सार्वजनिक नहीं किए। आज कांग्रेस के शहजादे राहुल गांधी पिछड़ी जातियों के हितों की बात कर रहे हैं लेकिन उनकी सरकार ने 2011 में जुटाए जातियों के आंकड़े क्यों नहीं सार्वजनिक किए या उन आंकड़ों के आधार पर नीतिगत फैसले क्यों नहीं किए इसका कोई जवाब उनके पास नहीं है। असल में यह कांग्रेस की सोच का दोहरापन है। आखिर कांग्रेस की सरकारों ने ही 10 साल तक मंडल आयोग की रिपोर्ट को लागू होने से रोके रखा और उसके बाद जब जाति गणना कराई तो उसके आंकड़े नहीं जारी किए। इसका अर्थ है कि कांग्रेस को कभी भी पिछड़ी जातियों, दलित व आदिवासी समुदाओं और वंचित समूहों का भला करना ही नहीं था। उसको सिर्फ वोट बैंक की राजनीति करनी थी।

जातियों के आंकड़े नहीं होने और आर्थिक स्थिति की ठोस जानकारी नहीं होने की वजह से सभी जातियों का आरक्षण अनुमानित आधार पर दिया गया है। अब जातिगण गणना होगी और सरकार के सामने वास्तविक आंकड़े होंगे तो उनके आधार पर आरक्षण का फैसला होगा। मिसाल के तौर पर अंग्रेजों के जमाने में 1931 में हुई जनगणना के मुताबिक बिहार में पिछड़ी जातियों की आबादी 52 फीसदी थी, लेकिन बिहार सरकार ने जनगणना कराई तो पिछड़ी जातियों की आबादी 63 फीसदी निकली। सौ साल पुराने आंकड़े और ताजा आंकड़े में 11 फीसदी का अंतर है। जाहिर है राष्ट्रीय स्तर पर भी अलग अलग जातियों की संख्या में अंतर होगा। संख्या कम हुई होगी या ज्यादा हुई होगी। अगर वास्तविक आंकड़ा सामने होगा तो उस आधार पर आरक्षण दिया जाएगा। ऐसे ही आरक्षण के प्रावधान में क्रीमी लेयर का प्रावधान किया गया है।

यह सीमा तय की गई है कि आठ लाख रुपए से ज्यादा की सालाना आय वाली पिछड़ी जातियों को आरक्षण का लाभ नहीं मिलेगा। यह सीमा पिछड़ी जातियों की आर्थिक स्थिति के वास्तविक आंकड़ों के बगैर तय की गई है। अब सामाजिक, आर्थिक गणना में उनकी आर्थिक स्थिति की वास्तविकता सामने आएगी तो उस आधार पर क्रीमी लेयर की सीमा भी तय होगी। ऐसा नहीं है कि यह सिर्फ पिछड़ी या दलित जातियों के लिए होगा, बल्कि सामान्य वर्ग की जातियों को भी 10 फीसदी आरक्षण मिल रहा है। उनके लिए भी आठ लाख रुपए की सालाना आय की सीमा तय की गई है। उनकी आबादी और उनकी आर्थिक स्थिति के आंकड़े सामने आएंगे तो आरक्षण का प्रतिशत और क्रीमी लेयर के बारे में फैसला वैज्ञानिक तरीके से किया जा सकेगा।

जातिगत जनगणना से जाति की संख्या और उसकी आर्थिक स्थिति की जानकारी तो मिलेगी ही साथ ही यह भी पता चलेगा कि अभी तक की आरक्षण की व्यवस्था का लाभ किन जातियों को कितना मिला है। उन आंकड़ों के आधार पर यह पता चल पाएगा कि कौन सी जाति आरक्षण की व्यवस्था से ज्यादा सशक्त हुई है और कौन सी जातियां आरक्षण की व्यवस्था का लाभ लेने से वंचित रह गई हैं। वास्तविक आंकड़ों के आधार पर ज्यादा जरूरतमंदों के लिए अतिरिक्त आरक्षण की व्यवस्था की जा सकेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तेलंगाना विधानसभा चुनाव के दौरान अनुसूचित जाति के आरक्षण में वर्गीकरण का वादा किया था। इस वादे को पूरा करने का काम भी शुरू हो गया है।

इससे उन जातियों की पहचान होगी, जिनको आरक्षण की ज्यादा जरुरत है। चूंकि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के आंकड़े हर जनगणना में जुटाए जाते हैं इसलिए उनके वर्गीकरण का एक ठोस आधार है। कांग्रेस की सरकारों की अनदेखी के कारण पिछड़ी जातियों के बारे में ऐसी कोई ठोस जानकारी नहीं है। जातिगत गणना के आंकड़े आने के बाद सरकार अपेक्षाकृत ज्यादा कमजोर जातियों को सशक्त बनाने का फैसला वैज्ञानिक तरीके से कर पाएगी। इसलिए यह समझ लेने की जरुरत है कि यह कोई मामूली फैसला नहीं है। यह बहुत बड़ा, ऐतिहासिक, दूरदर्शी और देश के करोड़ों करोड़ लोगों के जीवन में गुणात्मक परिवर्तन लाने वाला निर्णय है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह निर्णय किया है तो निश्चित रूप से इसके सभी पहलुओं और आयामों पर विचार करने के उपरांत ही यह निर्णय किया है। उनकी सोच के अनुरूप इस निर्णय के अनुपालन से देश में बहुत सी चीजें बदल सकती हैं। सरकार अगली जनगणना के साथ ही जातियों की गिनती भी कराएगी। उसके साथ ही वर्षों से लंबित राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर यानी एनआरसी की परियोजना को भी लागू कर देना चाहिए। जब सरकारी कर्मचारी नागरिकों की गिनती करेंगे, उनकी जाति व धर्म पूछेंगे, उनके रोजगार, काम धंधे, संपत्ति की जानकारी जुटाएंगे, उनके घरों की गिनती करेंगे तो साथ साथ कुछ और जानकारी जुटाई जा सकती है।

उनके और उनके पूर्वजों के जन्मस्थान की जानकारी भी पूछी जा सकती है ताकि देश के अलग अलग हिस्सों में रह रहे बाहरी नागरिकों की पहचान की जा सके। ध्यान रहे यह भारत की एक बड़ी समस्या है। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद जब पाकिस्तानी नागरिकों की पहचान शुरू की गई है तो पता चल रहा है कि हजारों विदेशी लोग किसी न किसी तरीके से भारत में रह रहे हैं। अगली जनगणना में पाकिस्तानियों के साथ साथ बांग्लादेश और म्यांमार के घुसपैठियों की भी पहचान सुनिश्चित करनी चाहिए ताकि उन्हें देश से निकाला जा सके। यह राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए सबसे प्राथमिक आवश्यकता है। इसके साथ ही सरकार सबकी पहचान के लिए एक नागरिकता नंबर का नियम भी बना सकती है। आधार, पैन और इपिक यानी वोटर आई कार्ड के अलग अलग नंबर की जगह एक नंबर नागरिकों को दिया जाना चाहिए और उसके साथ उसकी पूरी बायोमीट्रिक डिटेल्स होनी चाहिए।

आओ परिस्थितियों से लड़कर इतिहास रचें

-किशन सनमुखदास भावनानी-

वैश्विक स्तरपर खुशियों या सकारात्मक परिस्थितियों में तो हर व्यक्ति जीवन जीनें को आतुर रहता है, परंतु सृष्टि का यह नियम है कि हमेशा ऐसा नहीं होता, जीवन का चक्र घूमते रहता है। यदि आज सकारात्मक परिस्थितियां हैं तो कल नकारात्मक परिस्थितियां भी आनी ही है !जिससे हमें मुकाबला कर आगे बढ़ना है और स्थितियों पर परिस्थितियों से निपट कर सफलता के झंडे गाड़कर इतिहास रचना है। जो खुद में स्थिर होते हैं, हर परिस्थितियों से लड़ते हैं, वही अपने जीवन में इतिहास रखते हैं। क्योंकि जब हम निर्भीकता से विपत्तियों का मुकाबला करने के लिए कटिबद्ध होंगे त्योहिं विपत्तियां दुम दबाकर भाग खड़ी होगी। इसलिए आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से विभिन्न विचारों को समाहित करते हुए चर्चा करेंगे आओ परिस्थितियों से लड़ कर इतिहास रचें।

साथियों बात अगर हम मानवीय जीवन में परीक्षा की घड़ी की करें तो अनुकूल परिस्थितियों में तो सभी सटीकता से जीवन यापन करने और अपने आप को सुद्दढ़ और सुलझा हुआ कहने लगते हैं परंतु असली व्यक्तित्व और सटीकता का पता तो तब चलता है जब विपरीत परिस्थितियों में भी स्थिरता के से मुकाबला कर उन्हें अनुकूल बनाकर इतिहास रचते हैं। असल में हमें विपरीत परिस्थितियों में हिम्मत रखना और जिंदगी में जो भी परिस्थितियां हो उसका डटकर सामना करना हमारी जिंदगी में जो भी समस्या हो उन समस्याओं का हल निकालना और उन समस्याओं का हल निकालते और लड़ते-लड़ते मर जाना बेहतर है। किसी भी समस्या से भागना नहीं चाहिए विकट परिस्थितियों में जूजते रहेंगे तो हमारी समस्याओं का हल अपने आप निकलता रहेगा और आने वाली पीढ़ी के लिए समस्याओं का निराकरण भी लाएंगे और हमारी आने वाली पीढ़ी के लिए आदर्श भी बनेंगे जो लोग समस्याओं से लड़ते हैं और उसका हल निकालते हैं और डरते नहीं है, वही लोग महान हैं।

साथियों बात अगर हम सटीक कहावत मानव परिस्थितियों का दास होता है और उस दास शब्द को अस्वीकार करने की करें तो, मुश्किल परिस्थितियों से बाहर निकलने के लिए हमें सर्वप्रथम उन वजहों को समझने का प्रयास करना चाहिए जिनके चलते ये परिस्थितियाँ पैदा हुई हैं जिसपर पर बारिकी से नजर रखते हुए सब्र के साथ परिस्थितियों का सामना करने का प्रयास करना चाहिए,जो परिस्थितियाँ हमारे बस में ना हों उनके लिए अधिक चिंतित हम ना हों। वे समय के साथ खुद ब खुद सामान्य हो जाएँगी। हर हालत में धैर्यवान बने रहकर ईश्वर अल्लाह (समय) पर भरोसा करना चाहिए।समय से बलवान कोई नहीं।चाहे कितनी भी मुश्किल परिस्थिति हो समय बीतने के साथ-साथ मुश्किल से मुश्किल परिस्थितियों को बदलकर सामान्य होते देर नहीं लगतीं।कितना भी गहन अंधकार वाली रात्रि हो कुछ पलों में सूर्योदय अवश्यंभावी है।

साथियों वह नियति हो या फिर परिस्थिति कोई फर्क नहीं पड़ता और जीवन में अच्छे और बुरे दोनों वक्त आते हैं। जिस तरह से हम अच्छे वक्त को संभालना बचपन से जानते हैं, उसी तरीके से हमें बुरे वक्त को भी संभालना सीखना चाहिए किस तरीकेसे हम इनको संभाले कि यह परिस्थितियां कभी भी हमारे जीवन में ऐसी परिस्थिति ना क्रिएट करें की हम टूट कर बिखर जाएं यदि टूट कर बिखर भी जाएं तो स्वयं को जोड़कर पुनःखड़ा होने की हिम्मत अपने अंदर रखनी चाहिए। जीवन में जीवन से ज्यादा कुछ भी महत्वपूर्ण नहीं होता परंतु अक्सर देखा जाता है कि इंसान छोटी-छोटी बातों को लेकर के भी आत्महत्या कर लेता है या फिर कोई ऐसा कदम उठा लेता है जिसकी हम कल्पना भी नहीं करते इन्हीं सब से निपटने के लिए हमें स्वयं को मानसिक रूप से सबल बनाना होता है।

साथियों बात अगर हम विपरीत परिस्थितियों को हावी ना होने देने की करें तो, जब भी हम अपने जीवन में कमजोर होते हैं, चाहे वह कमजोरी शारीरिक होआर्थिक हो या मानसिक हो उस वक्त हमारा मन दुर्बल होता है तथा हम परिस्थितियों से संघर्ष करने में कमजोर होते हैं। अतः ऐसी स्थिति में हमारे ऊपर परिस्थितियों को हम हावी होने देते हैं यदि हम चाहते हैं कि हमारे ऊपर परिस्थितियां हावी ना हो तो हमको अपने आप को मानसिक रूप से बहुत सफल बनाए रखना होगा। जिंदगी में कहीं बार ऐसे पड़ाव, वक्त आता हैं कि हमें क्या करना चाहिए और क्या नहीं समझ में ही नहीं आता,उस परिस्थितियों में हमको सब्र रखना हैं, खुद से बातें करना हैं, खुद को एकांत में लाने का प्रयास करना चाहिए, क्योंकि यहीं वह समय हैं जब हम खुद कों समझ सकते हैं, हमारे अंदर रहा सामर्थ्य को पहचान सकते हैं, हमारी क्षमता को समझ सकते हैं,औऱ जरूरी हैं सकारात्मक बने रहना। प्रतिकूल परिस्थितियों में अगर हमारा अपने दिल और दिमाग पर काबू है तो हमको किसी की भी आवश्यकता नहीं पड़ेगी तो सबसे पहले हमको स्ट्रांग रखने के लिए अपने दिल और दिमाग को अपने काबू में रखना पड़ेगा अगर वह काबू में आ गए तो हम किसी भी परिस्थिति का सामना कर पाएंगे।

साथियों बात अगर हम खुद के अनुसार परिस्थितियों को बदलकर इतिहास रचने की करें तो, हमें ऐसे व्यक्ति बननां है जो परिस्थितियों के अनुसार खुद नही बल्कि खुद के अनुसार परिस्थितियों को बदल डाले इसलिए पुनःप्रयास करें और तब तक करते रहें जब तक हम उस परिस्थिति को बदल न दे। हमें अपनी परिस्थिति को सुधारने का भरसक प्रयत्न करना और उसके मार्ग में आने वाले संकटों का धैर्यपूर्वक मुकाबला करना चाहिए,पर यदि प्रयत्नों के बावजूद हमारी आकाँक्षा और इच्छाओं के अनुसार हमारी परिस्थिति में किसी अज्ञात कारणवश शीघ्र वाँछित परिवर्तन या सुधार नहीं होता है, तो हमें घबराकर प्रयत्नों को नहीं छोड़ देना चाहिए बल्कि दुगने उत्साह के साथ हमें अपने उद्देश्य-प्राप्ति में जुटे रहना चाहिए। ऐसे समय में हमें अपने आत्म मित्र एवं हितचिंतकों से इस विषय में परामर्श और मार्गदर्शन प्राप्त करने का प्रयत्न करना चाहिए संभव है उनकी सूझबूझ और सहायता से हमारे संकट का निवारण हो जाए। समस्या को हम अपने परिवार के सदस्यों के सन्मुख उपस्थित कर उनकी सलाह भी ले सकते है। इस प्रकार हमें कहीं न कहीं से ऐसे प्रेरक विचार मिल जायेंगे, जिनके द्वारा हम अपनी परिस्थितियों को बदल सकेंगे।

स्वर्ग के बाद अब देवभूमि को निशाना बनाने का षडयंत्र

-डा. रवीन्द्र अरजरिया-

आतंकवाद का जहर समूचे देश में फैल चुका है। चौराहों से लेकर चौपालों तक चचाओं का बाजार गर्म है। पाक प्रायोजित पहलगाम हमले ने राष्ट्र भक्त नागरिकों को आंदोलित कर दिया है। धर्म पूछकर की गई हत्याओं ने इस्लाम के मंसूबे जाहिर कर दिये हैं। देश के अंदर रहने वाले मीर कासिम की तरह गद्दार भी अब घडियाली आंसू बहाकर उत्तेजनात्मक बयानबाजी करके अपने को हिन्दुओं का शुभचिन्तक घोषित करने की होड में लगे हैं। हिन्दुस्तान के स्वर्ग के बाद अब देवभूमि को निशाना बनाने का षडयंत्र भी उजागर होने लगा है। सूत्रों की माने तो कश्मीर घाटी के बाद अब केदार घाटी में भी नापाक इरादों को कामयाब करने के लिए छदम्मवेशधारियों की जमातों ने आमद दर्ज कर ली है। उत्तराखण्ड में प्रारम्भ हो चुकी तीर्थ यात्रा में जहां केदारनाथ और यमुनोत्री में फर्जी दस्तावेजों के आधार अनेक आतंकियों व्दारा घोडेवाले के रूप में पंजीकरण तक करवा लिया है वहीं यात्रा मार्ग में अनेक बाहरी लोगों ने दुकानें खोलकर व्यवसायी का चोला ओढ लिया है। उल्लेखनीय है कि विगत कुछ वर्षों में ही उत्तराखण्ड की धरती पर हजारों मजारें बना लीं गई है, सैकडों मस्जिदें तैयार हो गईं हैं, मदरसों ने आकार ले लिया है। अचानक आई मुस्लिम आबादी की बाढ से वहां का सामाजिक ढांचा तक तहस-नहस होता दिख रहा है। देवभूमि में इन दिनों अनगिनत मांस की दुकानें, कसाईखाने और अनजाने लोगों की बसाहट देखी जा सकती है। एक सर्वे में पता चला है कि वहां पर मुसलमानों में नाम बदलने का एक फैशन चल निकला है। अनेक दस्तावेजों में हिन्दू नाम वाले व्यक्ति की बल्दियत मुस्लिम नाम के साथ जुडी है। पंकज पुत्र मोहम्मद सलीम जैसे नामों वाले दस्तावेज बनाये जा रहे हैं जो आगे चलकर सुनील पुत्र पंकज के रूप में स्वतः परिवर्तित हो जायेंगे। पहचान छुपाकर बनाये जाने वाले प्रमाण पत्रों का सिलसिला तो दसियों साल से चल रहा है। लम्बे समय से तीर्थ यात्रा कराने वाली एक कम्पनी के पुराने नुमाइंदे के अनुसार इस बार की उत्तराखण्ड यात्रा में तीर्थ स्थलों पर दुकानों से लेकर सेवायें देने वालों तक में अनजान चेहरों की भरमार है। यह लोग पहले कभी नहीं देखे गये। बहुत कम बोल वाले इन लोगों की भाषा भी क्षेत्रीय नहीं है किन्तु अनेक स्थानीय लोग इनके संरक्षक बने हुए हैं। किसी भी प्रकार के विवाद की स्थिति में वे ही आगे आकर मोर्चा सम्हालते हैं और साम्प्रदायिकता का रंग देकर विरोध दर्ज करने वालों पर हावी हो जाते हैं। अभी तो यात्रा शुरू हुई है। आने वाले दिनों में इन अनजान लोगों की कारगुजारियां सामने आने की संभावना है। ऐसे ही स्थिति का खुलासा अनेक स्थानीय व्यवसायियों ने भी किया है। सरकारी व्यवस्था के समानान्तर कम दामों में बेहतर सुविधायें देने का वायदा करने करने वाले अनेक संदिग्धों का तीर्थों में जमघट लगा है। पहले भी सीमापार से आने वाले आतंकियों ने देश के अनेक महानगरों को बम धमाकों से दहलाया था, निदोर्षों की जानें लीं थीं और फैलाई थी दहशत। इस बार धरती के स्वर्ग कश्मीर के बाद अब देवभूमि उत्तराखण्ड को रक्त रंजित करके गजवा-ए-हिन्द का एक बार फिर ऐलान करने के मंसूबों की जानकारी मिल रही है। सूत्रों के अनुसार आतंकियों ने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर तीर्थयात्रियों के रूप में पंजीकरण भी करवाया है, घोडावान के रूप में भी रजिस्टर्ड हुए हैं और गरीब बनकर छोटी-छोटी दुकानें भी लगा लीं हैं।

सघन जांच होने, संदिग्धों की पडताल होने और कार्यवाही होने पर साम्प्रदायिक रंग देने की सभी तैयारियां भी पूरी कर लीं गईं है जिनमें अनेक खद्दरधारियों, काले कोटधारियों, कथित बुध्दिजीवियों, बनावटी समाजसेवियों, दबंग प्रभावशालियों की सक्रिय भूमिकायें निर्धारित हो चुकीं हैं। कार्यपालिका के एक बडे वर्ग की लापरवाही और मनमानियों से तैयार होने वाले दस्तावेजों की आड में राष्ट्रदोहियों की जमातें निरंतर तैयार हो रहीं हैं। अहमदाबाद हो या पश्चिम बंगाल, मणिपुर हो या मिजोरम, केरल हो या कर्नाटक। चारों ओर घुसपैठियों को नागरिक के रूप में स्थापित करने वाले मीर जाफरों की प्रचुर मात्रा में उपस्थिति है। देश के कोने-कोने में फैले इस नेटवर्क की जडों तक पहुंचे बिना आतंकवाद का सफाया असम्भव नहीं तो कठिन अवश्य है। मजहबी तालीम के नाम पर काफिरों को नस्तनाबूत करने हेतु तैयार की जा रही जमातें अब अपने असली मंसूबों को सफल करने में जुट गईं हैं। इन सबके पीछे विदेशियों की जहरीली सोच, हथियार निमार्ताओं का व्यवसायिक हित और विस्तारवादियों की महात्वाकांक्षाओं जैसे कारक लम्बे समय से सक्रिय हैं। दूसरों पर प्रहार करने वालों पर जब उन्हीं की बिल्ली म्याऊं करने लगती है तब वे अपनी मनमर्जी से गुण्डागर्दी पर उतर आते हैं। दूसरे देशों की सीमाओं में घुसकर अपने दुश्मन की समाप्त कर देते हैं परन्तु जब कोई दूसरा देश ऐसा करता है तो फिर कूटनीतिक पहल, शान्ति का रास्ता, बातचीत की आवश्यकता के उपदेश दिये जाने लगते हैं।

दूसरों के बारे में देखने से क्या फायदा

-संजय गोस्वामी-

अक्सर आजकल लोगों को दूसरे के बारे में ज्यादा सोचते हैं उसने ऐ घर ले लिया उसके पास सबकुछ है मेरे पास कुछ नहीं और अपनी चादर से अधिक पैर फैलाते हैं जिससे उसे आर्थिक संकट पैदा होती है उसे क्या मिला जो मिला वो उसके कर्म और भाग्य के कारण मिला जिससे आपको ना मिलने पर कुंठा घर कर जाती है दूसरों को नौकरी मिला अच्छी बात है मेहनत की और मिला लेकिन आप हमेशा उस भगवान राम को ध्यान कीजिये आप दूसरे के घर में ताकना छोड़ कर सच्चाई को जानने की कोशिश करेंगे ऐ संसार मिथ्या है भ्रम में फंसा है आप उससे बाहर निकल कर ईश्वर का ध्यान करें कुछ भी नहीं तो शांति अवश्य मिलेगी इंसान को बनाया ईश्वर ने ज्ञान भी दिया लेकिन ज्ञान को एक जगह संचित नहीं करने से दिमाग भटकने लगता है और वो अपने से तुलना कर और भी निराश या अधिक होने पर खुशी में रहता है अब आप सतर्क हो जाएं क्योंकि आपके पास जो समय मिला है वो बहुत ही कम है जिंदगी एक नाटक की तरह जिसमें सब अपना रोल प्ले करते हैं लेकिन यदि कोई अच्छा रोल कर रहा हो तो उसके बारे में सोच कर डर से अपना रोल भूल जायेंगे और मंच पर आप खुद मजाक के पात्र बन जायेंगे आप ईश्वर पर ध्यान कीजिये भगवान श्री राम पर ध्यान करें ध्यान भटक रहा है तो कुछ समय के लिए बेकार की बातों को सोचना छोड़ दीजिये मुझे क्या करना है वो नेक और पवित्र होना चाहिए विचार सही होगा तो तनाव नहीं होगा सुख और दुःख जीवन में आते रहते हैं जीवन बहुत मुश्किल से मिला है और दोबारा आसानी से नहीं मिलेगा अतः बची खुची जिंदगी को खुशी से जियें लोग क्या कर रहें हैं क्या सोचेंगे इसपर ध्यान देने से आपकी परेशानी और ज्यादा बढ़ेगी अतः मन को शांत कर एकाग्र होने की कोशिश करें हमेशा अपने स्वास्थ्य पर ध्यान दे क्योंकि अगर आपका स्वास्थ्य ही ठीक नहीं रहेगा तो आप दूसरे पर निर्भर करेंगे और मैं बता रहा हूँ उस समय झेलाना आपको पड़ेगा जो कष्टदाई होगा इस जगत में जब सब एक दिन नस्ट होने वाला है तो क्यों न जो सत्य है उसपर ध्यान दें इसलिए प्रभु राम का ध्यान कीजिये और खुश रहें क्योंकि अंत में उन्ही का नाम सत्य होता है जो सभी बंधनों से मुक्त और सदा आपको गलत चीजों से बचाता है संस्कार अच्छा रहेगा तो सब कुछ मिलेगा कोई बहुत बड़ा आदमी क्यों न हो संस्कार ठीक नहीं है तो सब बेकार मान लीजिये बड़ा आदमी है लेकिन रोज शराब की लत में डूबा है उसके दिमाग में यही चल रहा है कौन सा विस्की, स्कॉच, वाइन, बियर ठीक है और कितना दाम है वो दूसरों पर क्या ध्यान देगा अतः उसे शराब से प्यार है आपसे नहीं और ऐसे आदमी नशे की हालत में कुछ भी बोल सकता है जिससे आपकी प्रतिष्ठा को केवल घर तक ही नहीं मोहल्ले में सुनाएगा जिससे आपकी भारी बदनामी होगी रोज मार पिट कर रोड पर पड़ा रहेगा बताएँगे आपकी और परिवार की क्या इज्जत रहेगी सिर्फ पैसा ही सबकुछ नहीं हैं आप अपनी आय से कितना बचा लेते हैं यही आखिर आपको अंत में काम आएगा खर्ज करना बहुत आसान है बचाना मुश्किल जरूर है लेकिन यही आपके बुरे वक़्त में काम आएगा सीखना है तो भगवान श्री राम से सीखें.राम को वीरता, सही काम करने और एक आदर्श पुत्र और पति होने के लिए जाना जाता है। इसके अलावा, वह बहुत मयार्दा का पालन करना और असत्य से नहीं डरने का साहस था इसलिए वो महान वीर थे, जैसा कि सीता के पिता द्वारा शिव के धनुष को मोड़ने की चुनौती से देखा जा सकता है। वह इसे तोड़ सकते हैं। भगवान राम विष्णु के अवतार हैं। हिंदू धर्म के कुछ संप्रदायों, जैसे वैष्णव धर्म में, विष्णु सर्वोच्च देवता हैं और उनके सभी अवतारों की पूजा की जाती है। स्वामी विवेकानंद भगवान श्री राम के ध्यान में ऐसा डूबे की उन्हें ईश्वर का साक्षात रूप दिखा स्वामी विवेकानंद ने उन्हें ईश्वर के रूप में माना है औऱ विभिन्न अवसरों पर अपने व्याख्यानों में श्रीराम कथा के पात्रों विशेषकर श्रीराम, माता सीता और श्रीहनुमान आदि के चरित्र का बखान करते हुए मुक्त कंठ से उनकी प्रशंसा की। 2 सितंबर 1897 को मद्रास (अब के चेन्नई) के विक्टोरिया हॉल में उन्होंने कहा थाःह्लमैं बस राम के पुल के निर्माण में उस गिलहरी की तरह बनना चाहता हूँ, जो पुल पर अपनी थोड़ी सी रेत-धूल डालकर काफी मजबूत थी। भगवान श्री उनमें अलौकिकता एवं धीरोदत्त नायक की विशेषताएं राम में भी वे सामान्य मनुष्यो की तरह जीवन जीते है। सामान्य मनुष्यो के सामने एक आदर्श प्रस्थापित करने के लिए प्रभु जीवन जीने की राह दिखाते है।

NCR समाचार

संपादकीय कार्यालय

जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062. सोमवार से शनिवार प्रातः 9:00 से सायं 9:00

फोन: 8888883968, 9811111715

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

जयपुर में देर शाम बदला मौसम : बारिश के साथ गिरे ओले, भीलवाड़ा, जैसलमेर, पाली सहित कई जिलों में आंधी-बारिश

जयपुर। पश्चिमी विक्षोभ के असर के चलते राजस्थान में गुरुवार को एक बार फिर मौसम बदल गया है। इसके असर राजधानी जयपुर सहित जैसलमेर, भीलवाड़ा, पाली में आंधी के साथ बारिश हुई और कई जगह पर ओले भी गिरे। राजधानी जयपुर में दिनभर तेज धूप के बाद शाम को अचानक मौसम बदला। पहले धूल भरा गुबार आसमान में छाया और फिर बिजली चमकने के साथ ही चारों ओर बादल छा गए और फिर कहीं हल्की तो कहीं तेज बारिश हुई। इसके साथ ही शहर के विद्याधर नगर सहित कुछ स्थानों पर ओले भी गिरे। बारिश के बाद लोगों ने तेज गर्मी से राहत महसूस की। जयपुर के नजदीक के इलाकों में भी मौसम बदला। चौमूं में भी तेज आंधी के साथ बारिश हुई। ईटावा भोपजी गांव में ओले भी गिरे। जोधपुर, चित्तौड़गढ़, जयपुर सहित कई जिलों में बादल छाए। इसके कारण तापमान में गिरावट दर्ज की गई। प्रदेश के सभी शहरों में दोपहर तक आसमान साफ रहा और तेज धूप रही, लेकिन शाम होते-होते मौसम में बदलाव देखने को मिला। इससे पहले जयपुर, अजमेर, गंगानगर, बाड़मेर सहित सीमावर्ती जिलों में तेज गर्मी रही और पारा 43 डिग्री के पार दर्ज किया गया। सबसे अधिक तापमान जैसलमेर में 46.7 डिग्री दर्ज किया गया। राजधानी जयपुर में भी दिनभर तेज धूप और लू के असर के बीच अधिकतम तापमान 40.8 डिग्री और न्यूनतम तापमान 28.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

आज इन जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट

मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर ने शुक्रवार को जयपुर समेत 30 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है। जैसलमेर, जोधपुर, गंगानगर, हनुमानगढ़ और झुंझुनूं जिले में तेज आंधी चलने तथा कुछ स्थानों पर बारिश के साथ ओले गिरने की चेतावनी जारी करते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया हैं। जबकि शेष सभी जिलों प्रतापगढ़, डूंगरपुर और बांसवाड़ा को छोड़कर सभी के लिए येलो अलर्ट जारी किया है।

एसएमएस अस्पताल में लापरवाही की हद : सर्जिकल यूनिट की छत से गिरा प्लास्टर, मरीज गंभीर घायल

जयपुर। सवाई मानसिंह हॉस्पिटल के सर्जिकल यूनिट थर्ड में छत का प्लास्टर गिर गया। इससे इस वार्ड में भर्ती एक मरीज गम्भीर रूप से घायल हो गया। घटना से वहां मौजूद अन्य मरीजों, उनके परिजनों और स्टाफ के सदस्यों में हड़कंप मच गया। इस घटना से चोटिल हुए एक मरीज के चेहरे पर गहरे जख्म हो गए। उसके होठ, सिर और आंख के पास कट लग गया, जिससे काफी खून निकल गया। हॉस्पिटल के अधीक्षक डॉ. सुशील भाटी का कहना है कि इस घटना में दो मरीजों के चोट आई है।

डॉ. भाटी ने बताया- दोनों मरीजों को चोट लगने के बाद ट्रीटमेंट दे दिया है और उनको दूसरी जगह शिफ्ट किया गया है। सर्जरी डिपार्टमेंट की एचओडी डॉ. ओम प्रभा ने बताया कि घायल हुए दोनों मरीजों को घटना के बाद हाथों-हाथ ओटी में लेकर गए और दोनों के घावों का उपचार करके उनके टांके लगाए गए है। उन्होंने बताया- दोनों मरीज अब ठीक है। वहीं अस्पताल कर्मियों का कहना है कि, जो हिस्सा गिरा वह देखने में बिल्कुल ठीक लग रहा था। वहां से न कोई लीकेज था और न ही कोई सीलन जैसी स्थिति, लेकिन आज सुबह अचानक डक्टिंग के पास एक बड़ा हिस्सा अचानक तेजी से गिरा और सीधे मरीज पर गिरा। इस कारण दो पलंग भी टूट गए और एक टेबल टूट गई।

किराना शॉप में भीषण आग : लाखों का नुकसान, 20 मिनट की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू

जयपुर। जयपुर के टोंक रोड स्थित सीताबाड़ी इलाके में गुरुवार दोपहर एक किराना शॉप में भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि दुकान के साथ-साथ ऊपर बने गोदाम में रखा लाखों रुपए का सामान भी जलकर खाक हो गया। घटना के समय दुकान में मौजूद लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग ने जल्द ही विकराल रूप ले लिया। शॉप मालिक संजय अग्रवाल ने रोज की तरह सुबह दुकान खोली थी। दोपहर करीब 11 बजे दुकान के अंदर अचानक शॉर्ट सर्किट हुआ जिससे आग भड़क उठी। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि लोगों को तुरंत बाहर निकलना पड़ा। आसपास के लोगों में दहशत फैल गई और तुरंत फायर स्टेशन को सूचना दी गई।

निवेश के माध्यम से रोजगार सृजन और राजस्व वृद्धि हमारा लक्ष्य : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश में निवेश को बढ़ावा देने एवं रोजगार सृजन के लिए अपने कार्यकाल के पहले ही वर्ष में विभिन्न निवेश अनुकूल नीतियां जारी की तथा राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का आयोजन किया। जिससे प्रदेश में औद्योगिक विकास और उद्यमिता के माहौल में बदलाव आया है।

मुख्यमंत्री निवास पर ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टमेंट प्रमोशन (बीआईपी) की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि निवेश प्रस्तावों का मूल्यांकन करते हुए धरातल पर इनकी प्रगति एवं इससे मिलने वाले रोजगार की मॉनिटरिंग करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना (रिप्स-2024) के माध्यम से निवेशकों को विभिन्न रियायतें एवं आवश्यक सुविधाएं प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि रिप्स के परिलाभ के अतिरिक्त कस्टमाइज पैकेज में शामिल किए जाने वाले निवेश प्रस्तावों का विस्तृत अध्ययन किया जाए। शर्मा ने कहा कि राज्य के राजस्व एवं रोजगार के अवसरों में वृद्धि के लिए राज्य सरकार ऐसे निवेशकों को हर संभव सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है, जो तय समय सीमा में निवेश की प्रगति को लेकर गंभीर हैं। उन्होंने विस्तार से संबंधित निवेश प्रस्तावों की समीक्षा करते हुए इनकी प्रगति की स्थिति के आधार पर परिलाभ दिए जाने के संबंध में निर्देश दिए।बैठक में उद्योगों को देय पैकेज, रियायत, छूट तथा अन्य सुविधाओं के संबंध में आए प्रस्तावों पर चर्चा की गई। इस दौरान मुख्य सचिव सहित जल संसाधन, वित्त, राजस्व, ऊर्जा, उद्योग एवं खान विभाग के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में सहकारिता विभाग की स्टेट अपेक्स कमेटी की प्रथम बैठक

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार का संकल्प है कि जरूरतमंद व्यक्ति सरकार की सभी जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित हो सके। इस संकल्प को गति देने में सहकारिता महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। सहकारी से समृद्धि की भावना के साथ राज्य सरकार प्रदेश के सभी गांवों को समृद्ध एवं खुशहाल बनाने के लिए काम कर रही है। उन्होंने सहकारी संस्थाओं की ओर से बने उत्पादों की ब्रांडिंग करने के निर्देश दिए, जिससे समितियों की आय में बढ़ोतरी हो सके। सीएम गुरुवार को सीएमआर पर सहकारिता विभाग की स्टेट अपेक्स कमेटी की प्रथम बैठक को संबोधित कर रहे थे।

ज्यादा से ज्यादा लोगों को सहकारिता से जोडे

सीएम ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासभा की ओर से वर्ष 2025 को अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष घोषित किया गया है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इसी के तहत ज्यादा से ज्यादा लोगों को सहकारिता से जोड़ने के लिए विभाग द्वारा जन जागरूकता अभियान, सहकार मेले, सदस्यता अभियान और कार्यशालाओं सहित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाए। सहकारिता के साथ ही कृषि, राजस्व, पंचायती राज, ग्रामीण विकास एवं पशुपालन जैसे ग्रामीण क्षेत्र से जुड़े समस्त विभाग भी इन कार्यक्रमों में अपना सक्रिय योगदान दें। गोदामों की छतों पर सोलर पैनल लगाए जाएं तथा फसलों की स्टोरेज के संबंध में कैलेण्डर भी जारी किया जाए। बैठक में सहकारिता विभाग की गतिविधियों के संबंध में लघु फिल्म प्रदर्शित की गई। इस दौरान मुख्यमंत्री को सहकारिता मंत्री ने अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 का मोमेन्टो एवं विभागीय अधिकारियों ने सहकारिता से बने विभिन्न उत्पाद भी भेंट किए।

जल संसाधन विभाग की बड़ी पहल

बीसलपुर नहर भूमि अवाप्ति और रामगढ़ बांध सुधार कार्य शुरू

जयपुर। जल संसाधन विभाग ने बीसलपुर परियोजना की दायीं नहर के लिए शेष भूमि की अवाप्ति प्रक्रिया शुरू कर दी है। आरडी 19.300 से 23.00 किलोमीटर तक दूनी गांव में नहर निर्माण से प्रभावित खातेदारों की भूमि का अधिग्रहण किया जाएगा। यह कदम नहर निर्माण को गति देने और सिंचाई व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए उठाया गया है। इसके साथ ही ऐतिहासिक रामगढ़ बांध के स्वरूप को निखारने के लिए सुधार कार्य आरंभ हो चुके हैं। लगभग ढाई करोड़ की लागत से बांध पर पैराफिट वॉल और सड़क निर्माण का कार्य जारी है। बांध की पाल पर 1500 मीटर तक डामर सड़क बनाई जाएगी। पर्यटकों की सुविधा के लिए बैठने की सीढ़ियों का निर्माण भी प्रस्तावित है, जिसकी तैयारी के तहत साफ-सफाई चल रही है। सुधार कार्यों में कंट्रोल रूम-कम-गेस्ट हाउस और बांध के गुंबद का सौंदर्यीकरण भी शामिल है। इन प्रयासों का उद्देश्य बांध को न केवल संरचनात्मक रूप से मजबूत बनाना है, बल्कि इसे पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बनाना भी है। जल संसाधन विभाग की ये पहल राज्य के जल प्रबंधन और पर्यटन को नई दिशा देने की ओर बढ़ रही है।

राजकार्य में बाधा के 20 साल पुराने मामले में नरेश मीणा बरी

जयपुर की एमएम-12 कोर्ट का फैसला, स्वतंत्र गवाह और परिवादी की अनुपस्थिति बनी वजह

जयपुर। दो दशक पुराने राजकार्य में बाधा डालने के एक मामले में जयपुर महानगर प्रथम की एमएम-12 अदालत ने देवली-उनियारा से उपचुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी रहे नरेश मीणा को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया। न्यायिक मजिस्ट्रेट खुशबू परिहार की अदालत ने माना कि पुलिस स्वतंत्र गवाह पेश करने में विफल रही, वहीं परिवादी पुलिस कांस्टेबल भी ट्रायल के दौरान अदालत में पेश नहीं हुआ।

आज टोंक सेंट्रल जेल में बंद नरेश मीणा को अदालत में पेश किया गया। ज्ञात हो कि वे उपचुनाव के दौरान एसडीएम से हाथापाई सहित अन्य मामलों में न्यायिक हिरासत में हैं।

मामला 5 अगस्त 2004 का है। पुलिस के अनुसार जयपुर यूनिवर्सिटी परिसर में दोपहर 1 बजे घूमर कार्यक्रम चल रहा था। महिला पांडाल के प्रवेश द्वार पर तैनात कांस्टेबल मानसिंह और अन्य पुलिसकर्मियों ने जब नरेश मीणा, मान सिंह मीणा और उनके साथियों को स्टेज की ओर जबरन बढ़ने से रोका, तो विवाद उत्पन्न हुआ। पुलिस का आरोप था कि मीणा ने भीड़ को उकसाया और पत्थरबाज़ी की घटना में एक कांस्टेबल की आंख के ऊपर चोट लग गई।

इस मामले में गांधी नगर थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई थी, लेकिन ट्रायल के दौरान परिवादी कांस्टेबल पेश नहीं हुआ और न ही पुलिस किसी निष्पक्ष गवाह को सामने ला सकी।

नरेश मीणा की ओर से अधिवक्ता अब्दुल वाहिद नकवी ने बहस के दौरान तर्क दिया कि अभियोजन पक्ष के सभी गवाह पुलिसकर्मी हैं, जो संदेह से परे नहीं माने जा सकते। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि जिस स्थान पर घटना हुई, वहां मौजूद छात्र और शिक्षकों में से किसी को भी गवाह नहीं बनाया गया। इसके अलावा न तो मौका-नक्शा बनाया गया, न ही मेडिकल रिपोर्ट रोजनामचे में दर्ज की गई। वकील ने सुप्रीम कोर्ट की एक फाइंडिंग का हवाला देते हुए कहा कि जब कोई पुलिसकर्मी ड्यूटी पर थाने से बाहर जाता है, तो उसकी जानकारी रोजनामचे में दर्ज होना अनिवार्य है। अदालत ने इन सभी तर्कों को स्वीकार करते हुए कहा कि ÷प्रकरण में अभियोजन पक्ष ठोस साक्ष्य पेश नहीं कर सका, जिससे आरोपित के खिलाफ अपराध प्रमाणित हो सके।÷ इस आधार पर कोर्ट ने नरेश मीणा को बरी करने का आदेश सुनाया।

1 से 30 मई तक चलेगा रास्ता खोलो अभियान, बरसों से बंद पड़े रास्ते खुलेंगे

झुंझुनूं। गांवों में कई सालों से बंद रास्तों को अब खुलवाया जाएगा। इसके लिए एक मई से अभियान चलाया जाएगा। 30 मई तक चलने वाले इस अभियान का नाम ''रास्ता खोलो अभियान-2025'' दिया गया है। इस अभियान की प्रभावी तैयारी को लेकर बुधवार को कलक्ट्रेट सभागार में जिला कलक्टर रामावतार मीणा की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई।

विवादों में घिरीं डॉ. अरुणा कुमार बनी डीएमई, जूनियर डॉक्टरों ने जताई आपत्ति

उन्होंने अधिकारियों को इस कार्य को मिशन मोड में पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में एडीएम अजय कुमार आर्य, झुंझुनूं एसडीएम हवाई सिंह यादव, तहसीलदार महेन्द्र मूंड सहित राजस्व अधिकारी मौजूद रहे।

उपखंड अधिकारी होंगे प्रभारी अधिकारी

प्रत्येक उपखंड अधिकारी इस अभियान के प्रभारी अधिकारी के रूप में कार्य करेंगे तथा अभियान की साप्ताहिक समीक्षा सुनिश्चित की जाएगी। रास्ते खुलवाने के कार्य में यदि पुलिस जाप्ते की आवश्यकता हो, तो संबंधित अधिकारियों को पूर्व सूचना दी जाए ।

पंचायत करेगी सहयोग

अपने-अपने क्षेत्रों में रास्ता खोलने के लिए ग्राम पंचायतें आवश्यक संसाधन व जनसहयोग उपलब्ध कराएंगी। रास्ते खुलवाने के बाद संबंधित ग्राम पंचायतें वहां ग्रेवल या सीसी रोड निर्माण की कार्रवाई सुनिश्चित करेंगी।

इनको प्राथमिकता दी जाएगी

-मुख्यमंत्री सम्पर्क पोर्टल पर दर्ज बंद रास्तों की शिकायतें।

-राजस्व रिकार्ड में दर्ज वे सार्वजनिक रास्ते, जिनके बंद होने से बड़ी संख्या में काश्तकार या ग्रामवासी प्रभावित हैं।

-ऐसे प्रचलित रास्ते, जिनका उपयोग ढाणियों में रहने वाले लोग करते हैं और जो अवरुद्ध हो चुके हैं।

-राजस्व रिकॉर्ड में चौड़े दर्ज रास्ते, जो मौके पर केवल पगडंडी के रूप में अस्तित्व में हैं, उन्हें वास्तविक चौड़ाई में पुन÷ निर्मित किया जाएगा।

-राजस्थान काश्तकारी अधिनियम, 1955 की धारा 251 के तहत निर्णीत रास्ते, जिनका क्रियान्वयन अभी तक नहीं हुआ है।

-साथ ही जिन रास्तों का रिकॉर्ड में अंकन नहीं हुआ है, उनका भी अभियान के दौरान सर्वेक्षण कर रिकॉर्ड में दर्ज करने की कार्यवाही की जाएगी।

गौवंश की मौत का कारण बन रही पॉलिथीन

कोटा। शहर में सड़कों पर लावारिस हालत में घूम रहे अधिकतर गौवंश की मौत का कारण उनके पेट में जमा पॉलिथीन बन रही है। इसका खुलासा बुधवार को निगम की बंधा गौशाला में एक ही दिन में मरे एक दर्जन से अधिक गौवंश में से दो बैल के पोस्ट मार्टम से हुआ। उनके पेट से चारे की जगह पर पॉलिथीन के करीब 40 से 50 किलो के गुच्छे निकले। शहर में बड़ी संख्या में लावारिस हालत में गाय और सांड घूम रहे हैं। उनके द्वारा सड़कों पर पड़े कचरे व खाद्य सामग्री को खाकर ही पेट भरा जा रहा है। लेकिन हालत यह है कि वे उस कचरे व खाद्य सामग्री के साथ इतनी अधिक मात्रा में पॉलिथीन खा रहे हैं कि उनके पेट में चारे की जगह ही नहीं है।

12 की मौत, दो का पोस्टमार्टम

नगर निगम कोटा दक्षिण के गौशाला समिति अध्यक्ष व पार्षद जितेन्द्र सिंह ने बताया कि गौशाला में वर्तमान में करीब 3 हजार से अधिक गौवंश है। गर्मी व चक्कर आकर गिरने की बीमारी से आए दिन गौवंश की मौत हो रही है। पिछले कई दिन से गौवंश की मृत्यु दर बढ़ी है। सिंह ने बताया कि बुधवार को भी करीब एक दर्जन गाय व बैल की मौत हुई थी। उनमें से पशु चिकित्सा अधिकारी की मौजूदगी में दो बैल का पोस्ट मार्टम किया गया। जिनमें दोनों के ही पेट से काफी मात्रा में पॉलिथीन निकली है। यही उनकी मौत का कारण बताया जा रहा है।

40 से 50 किलो के निकले गुच्छे

इधर वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी व प्रभारी जिला मोबाइल यूनिट डॉ. भंवर सिंह चौधरी ने बताया कि उनकी मौजूदगी में रैंडमली दो बैल का पोस्ट मार्टम निगम की गौशाला में किया गया। दोनों के ही पेट से करीब 40 से 50 किलो पॉलिथीन के गुच्छे निकले हैं। ये तो उदाहरण है। अधिकतर गौवंश की यही हालत है। डॉ. चौधरी ने बताया कि लावारिस हालत में घूमने पर गाय व बैल अधिकतर पॉलिथीन खा रहे है। जिससे इनके पेट में चारे की जगह ही नहीं है। जब वे चारा नहीं खा पा रहे हैं तो उनमें कमजोरी आ रही है। साथ ही उनके लीवर डीमेज हो रहे हैं। यही उनकी मौत का कारण बन रहे हैं।

दुग्ध डेयरी सहकार से समृद्धि, राजस्थान में दुग्ध क्रान्ति 2.0 के नये कीर्तिमान - सरस घी की बिक्री में तोड़े सारे रिकॉर्ड

जयपुर,। राजस्थान राज्य में दुग्ध डेयरी सहकार से समृद्धि का सपना साकार होने लगा है। राजस्थान को-ऑपरेटिव डेयरी फैडरेशन और उससे सम्बद्ध जिला दुग्ध संघों ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में लाभ के सभी पैमानों, टर्नओवर, सरस घी और दुग्ध उत्पादों की बिक्री, महिलाओं की दुग्ध क्षेत्र में सहभागिता, राजस्व ग्राम तक दुग्ध सहकारी समितियों की पहुॅंच आदि के क्षेत्र में नये कीर्तिमान स्थापित किये हैं। फैडरेशन की सफलताओं के पीछे सरस अमृतम, दूध का दूध पानी का पानी और एक जिला एक उत्पाद जैसे अभियान और सरस घी के सभी पैक्स में क्यूआर कोड और राज्यभर में एक साथ सरस मिठाई का विपणन जैसे नवाचारों का अहम योगदान रहा है।

राजस्थान को-ऑपरेटिव डेयरी फैडरेशन की प्रशासक और प्रबन्ध संचालक श्रुति भारद्वाज ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 आरसीडीएफ एवं सम्बद्ध जिला दुग्ध संघों ने रिकार्ड 400.85 करोड़ रुपये का लाभ अर्जित किया है जो फैडरेशन की स्थापना के 47 वर्षों में सर्वाधिक है। उन्होंने बताया कि पिछले वित्तीय वर्ष 2023-24 में यह लाभ 298.61 करोड़ रुपये था। इस प्रकार आरसीडीएफ के कुल लाभ में 34 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने बताया कि आरसीडीएफ के पशु आहार संयंत्रों में कच्चे माल के क्रय मूल्य में भारी कमी और संयंत्रों की उत्पादन लागत में कमी के कारण पशु आहार संयंत्रों के लाभ में भी 77 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में आरसीडीएफ के पशु आहार संयंत्रों सहित सभी इकाईयों का लाभ 65.44 करोड़ रुपये था जो बढ़कर वित्तीय वर्ष 2024-25 में 116.07 करोड़ रुपये तक पहुॅंच गया है। आरसीडीएफ एवं जिला संघों का टर्नओवर पहुॅंचा 10 हजार करोड़ रुपये के करीब

भारद्वाज ने बताया कि आरसीडीएफ के 47 वर्षों के इतिहास में पहली बार आरसीडीएफ एवं इससे सम्बद्ध जिला दुग्ध संघों का टर्नओवर 10 हजार करोड़ रुपये के करीब पहुॅंच गया है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में आरसीडीएफ एवं दुग्ध संघों का टर्नओवर 9505.14 करोड़ रुपये तक पहुॅंच गया है जबकि पिछले वित्तीय वर्ष में यह 8237.33 करोड़ रुपये था। इस प्रकार आरसीडीएफ के टर्नओवर में 15.40 प्रतिशत की अभूतपूर्व बढ़ोतरी दर्ज की गई है। बढ़ती मांग के चलते सरस दुग्ध उत्पादों की बिक्री में अभूतपूर्व बढ़ोतरी भारद्वाज ने बताया कि उच्च गुणवत्ता और उपभोक्ताओं के विश्वास के चलते सरस घी और अन्य दुग्ध उत्पादों की मांग में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में सरस घी की बिक्री में रिकॉर्ड 21 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। सरस घी के सभी पैक्स पर क्यूआर कोड लागू किये जाने के बाद से ही सरस घी की मांग में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। सरस घी की उच्च गुणवत्ता और आमजन में विश्वास को देखते हुऐ राजस्थान राज्य के प्रमुख धार्मिक स्थलों, मंदिरों एवं सामाजिक कार्यों में भी सरस घी ही उपयोग में लिया जाने लगा है। सरस के अन्य दुग्ध उत्पाद जैसे स्किम्ड मिल्क पाउडर में 7 प्रतिशत, पनीर में 4 प्रतिशत, छाछ में 18 प्रतिशत, लस्सी में 18 प्रतिशत, दही में 21 प्रतिशत, फलेवर्ड मिल्क में 20 प्रतिशत और रसगुल्ले में 41 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

पशु आहार के उत्पादन एवं बिक्री में भी हुई बढ़ोतरी – भारद्वाज ने बताया कि दुग्ध उत्पादकों ने आरसीडीएफ के पशु आहार संयंत्रों द्वारा उत्पादित सरस ब्राण्ड के उच्च गुणवत्तायुक्त पशु आहार के प्रति भी भरोसा बना हुआ है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में राज्यभर के सरस पशु आहार संयंत्रों में उत्पादन और विपणन में 4 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। आरसीडीएफ के सभी पशु आहार संयंत्र औसतन 94 प्रतिशत उत्पादन क्षमता पर काम कर रहे हैं और वर्ष 2024-25 में 5.1 लाख मैट्रिक टन से अधिक पशु आहार का उत्पादन एवं विपणन किया गया है।

सहकार से समृद्धि योजना से राजस्व ग्राम तक दुग्ध उत्पादक समितियों की पहुॅंच

भारत सरकार की सहकार से समृद्धि योजना के अन्तर्गत राज्यभर में 1770 नई बहुउद्देशीय दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियों के गठन का लक्ष्य दिया गया था जिसके विरुद्ध आरसीडीएफ द्वारा 30.04.2025 तक 1637 नई बहुउद्देशीय दुग्ध समितियों का गठन किया जा चुका है। योजना के अन्तर्गत नवगठित दुग्ध उत्पादक समितियों में 24435 महिला दुग्ध उत्पादकों को सदस्य बनाया गया है। योजना में कुल 581 दुग्ध समितियों का सुदृढ़ीकरण भी किया गयाा है जिससे इन समितियों से जुड़ी 5229 महिला दुग्ध उत्पादकों की आय में बढ़ोतरी हुई है। राज्य सरकार द्वारा बजट घोषणा के अन्तर्गत अब तक 557 नई दुग्ध समितियां और 1395 दुग्ध संकलन केन्द्रों का गठन किया जा चुका है।

मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक सम्बल योजना का बड़ा योगदान – राजस्थान को-ऑपरेटिव डेयरी फैडरेशन और इससे सम्बद्ध जिला दुग्ध संघों की महत्वपूर्ण उपलब्धियों में मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक सम्बल योजना का बड़ा योगदान है जिसके चलते दुग्ध उत्पादकों को राज्य सरकार की ओर से 5 रुपये प्रति लीटर की दर से अनुदान का भुगतान डीबीटी के माध्यम से सीधा उनके खातों में किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक सम्बल योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2024-25 में 378.22 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है।

संक्षिप्त समाचार

इस्राइल ने सीरिया के खिलाफ खोला मोर्चा, किए हवाई हमले ; राष्ट्रपति भवन के पास बरसाए बम

दमिश्क, एजेंसी। सीरियाई सरकार समर्थकों और अल्पसंख्यक ड्रूज समुदाय में छिड़ी लड़ाई के बीच इस्राइल ने सीरिया के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। इस्राइल की वायु सेना ने शुक्रवार तड़के सीरिया में हवाई हमले किए। इस्राइल ने सीरिया के राष्ट्रपति भवन के पास बम बरसाए। सीरिया की राजधानी दमिश्क के पास एक इलाके में सरकार समर्थकों और अल्पसंख्यक ड्रूज समुदाय के लोगों के बीच झड़प हो गई थी। इसमें 10 लोगों की मौत हो गई। इसे लेकर इस्राइल ने सीरियाई अधिकारियों को दक्षिणी सीरिया में अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों के गांवों की ओर न बढ़ने की चेतावनी दी थी। इस्राइल की सेना ने एक बयान में कहा कि लड़ाकू विमानों ने दमिश्क में राष्ट्रपति हुसैन अल-शरा के महल के पास हमला किया। जबकि सीरियाई मीडिया ने कहा कि यह हमला शहर के ऊपर एक पहाड़ी पर स्थित पीपुल्स पैलेस के निकट हुआ था। इससे पहले भी सीरिया पर इस्राइल ने बमबारी की थी। सीरिया के सूचना मंत्रालय ने कहा कि दो अलग-अलग हमलों में देश के सुरक्षा बलों के 11 सदस्य मारे गए। जबकि ब्रिटेन स्थित युद्ध निगरानी संस्था सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने कहा कि साहनाया और ड्रुज बहुल दमिश्क उपनगर जरामाना में झड़पों में 56 लोग मारे गए, जिनमें स्थानीय बंदूकधारी और सुरक्षा बल के लोग शामिल हैं। राष्ट्रपति भवन के पास हमला करके इस्राइल ने सीरिया के नए नेतृत्व को कड़ी चेतावनी दी है। इससे पहले सीरिया के ड्रूज़ आध्यात्मिक नेता शेख हिकमत अल-हिजरी ने सीरिया सरकार की कड़ी आलोचना की थी। उन्होंने सरकार समर्थकों की झड़प को अल्पसंख्यक समुदाय पर अनुचित नरसंहारक हमला बताया। ऐसे शुरू हुई लड़ाई ड्रूज समुदाय के स्थानीय बंदूकधारियों और सरकार समर्थक लड़ाकों के बीच झड़प एक सोशल मीडिया ऑडियो क्लिप के चलते शुरू हुई, जिसमें एक व्यक्ति ने इस्लाम के पैगंबर मुहम्मद को लेकर बयानबाजी की गई। इस ऑडियो को एक ड्रूज़ मौलवी से जोड़ा गया, लेकिन मौलवी ने इस आरोप से इंकार किया।

पोर्न एक्टर पर ब्रिटिश गे कपल की हत्या का आरोप :सिर काटकर फ्रीजर में रखा

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में एक पोर्न एक्टर पर आरोप है कि उसने एक गे कपल (समलैंगिक जोड़े) का सिर काट दिया और उनके टुकड़े कर दिए। इसके बाद कटे हुए सिरों को फ्रीजर में रख दिया और बाकी बॉडी पार्ट्स को सूटकेस में भरकर एक पुल से नीचे फेंक दिया। द गार्जियन की रिपोर्ट के मुताबिक 35 साल के कोलंबिया पोर्न एक्टर योस्टिन आंद्रेस मोस्क्वेरा पर आरोप है कि उसने 8 जुलाई, 2024 लंदन के शेफर्ड्स बुश इलाके के एक अपार्टमेंट में 71 साल के पॉल लॉन्गवर्थ और 62 साल के अल्बर्ट अल्फोंसो की हत्या कर दी। सरकारी वकील का दावा है कि मोस्क्वेरा को 10 जुलाई की रात लंदन से 160 किमी दूर ब्रिस्टल शहर के फेमस क्लिफ्टन सस्पेंशन ब्रिज पर एक बड़े लाल सूटकेस के साथ देखा गया था। एक का हथौड़े से सिर फोड़ा, दूसरे को चाकू मारा आरोपी ने पहले लॉन्गवर्थ के सिर पर हथौड़े से कई हमले किए, जिससे उसका सिर फूट गया था। इसके बाद अल्फोंसो के चेहरे और शरीर पर चाकू से कई हमले किए। सरकारी वकील ने कोर्ट को बताया कि मोस्क्वेरा ने हत्या के बाद डांस करते हुए खुद का एक वीडियो भी शूट किया था। मोस्क्वेरा को 10 जुलाई की रात एक साइकिल सवार ने ब्रिज पर सूटकेस के साथ देखा था। तब उसने कहा था कि उसमें ऑटो पार्ट्स हैं, लेकिन उसमें लॉन्गवर्थ और अल्फोंसो के बॉडी पार्ट्स थे। अकाउंट से 4 लाख चुराने की कोशिश की आरोपी ने हत्या के बाद कपल के अकाउंट से 5,000 डॉलर (4 लाख रुपए) से अपने अकाउंट में ट्रांसफर करने और अरूसे 1000 डॉलर (84 हजार रुपए) कैश निकालने की भी कोशिश की थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक मोस्क्वेरा अक्सर ब्रिटिश जोड़े से मिलने जाता था और लॉन्गवर्थ और अल्फोंसो भी आरोपी से मिलने उसके देश जाते थे। यह मुकदमा अभी भी कोर्ट में चल रहा है।

इमरान की पार्टी के 82 कार्यकर्ताओं को जेल, जुर्माना भी लगा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की एक आतंकवाद निरोधी कोर्ट ने जेल में बंद पूर्व पीएम इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के 82 कार्यकर्ताओं को पिछले साल हुए हिंसक विरोध-प्रदर्शन के सिलसिले में चार महीने जेल की सजा सुनाई है। बता दें इस्लामाबाद और रावलपिंडी में 26 नवंबर 2024 को हुए विरोध-प्रदर्शन के बाद 1500 से ज्यादा पीटीआई समर्थकों को गिरफ्तार किया गया था। इन लोगों ने सरकार पर पार्टी संस्थापक इमरान खान को रिहा करने का दबाव बनाने के लिए प्रदर्शन किया था।

कश्मीर छोड़ो, अब तो तालिबान भी भारत का समर्थन कर रहा; पाक सांसद ने लगाई आर्मी की क्लास

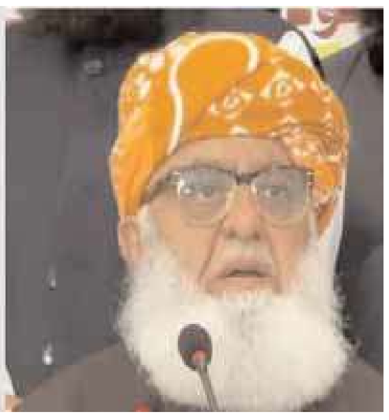

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के प्रमुख धार्मिक नेता व सांसद मौलाना फजलुर रहमान ने भारत-पाकिस्तान तनाव को लेकर पाकिस्तानी सेना और सरकार की नीतियों पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि कश्मीर मुद्दे पर ध्यान देने से पहले पाकिस्तान को अफगानिस्तान के मसले को सुलझाने की जरूरत है। मौलाना ने यह भी दावा किया कि अफगानिस्तान हमेशा से भारत का समर्थक रहा है और अब तो तालिबान भी भारत के पक्ष में खड़ा है। मौलाना फजलुर जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम (जेयूआई-एफ) के प्रमुख हैं, जो पाकिस्तान में एक इस्लामी कट्टरपंथी राजनीतिक दल है।

क्या बोले मौलाना फजलुर रहमान : राजधानी इस्लामाबाद में पत्रकारों से बात करते हुए मौलाना फजलुर रहमान ने कहा, पाकिस्तान की सेना और सरकार की सोच से कोई फायदा नहीं हो रहा। कश्मीर के मुद्दे को बार-बार उठाने से पहले हमें अफगानिस्तान के हालात पर ध्यान देना होगा। अफगानिस्तान ने हमेशा भारत का साथ दिया है, और अब तो तालिबान भी भारत के साथ है। ऐसे में सेना की पुरानी नीतियां हमें और मुश्किल में डाल रही हैं। उन्होंने आगे कहा कि पाकिस्तान को अपनी विदेश नीति और क्षेत्रीय रणनीति पर पुनर्विचार करना चाहिए, क्योंकि मौजूदा दृष्टिकोण से न तो कश्मीर मुद्दे का हल निकल रहा है और न ही क्षेत्र में शांति स्थापित हो रही है।

पाकिस्तानी सेना पर निशाना : मौलाना फजलुर रहमान ने पाकिस्तानी सेना की रणनीति को नाकाम करार देते हुए कहा कि सेना की एकतरफा सोच ने देश को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग कर दिया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता में आने के बाद भी भारत ने वहां अपनी कूटनीतिक स्थिति मजबूत की है, जबकि पाकिस्तान के प्रभाव में कमी आई है।

पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था नीचे क्यों जा रही- मौलाना : इस्लामाबाद में आयोजित फिलिस्तीन के साथ एकजुटता और शहीद मौलाना हमीदुल हक की सेवाएं सम्मेलन को संबोधित करते हुए फजलुर रहमान ने कहा, जाहिर शाह से लेकर अशरफ गनी तक अफगानिस्तान में भारत समर्थक सरकारें रही हैं। वहां एक इस्लामिक अमीरात सरकार है जिसे हम कूटनीतिक सफलता के साथ पाकिस्तान समर्थक बनाने में सफल हो सकते थे, लेकिन हमने उन्हें भी दूर कर दिया है। सीमा के दोनों ओर मालवाहक वाहनों की लंबी कतार लगी हुई है और सार्वजनिक संपत्ति बर्बाद हो रही है। ये गलत नीतियां तब तक बनती रहेंगी जब तक सैन्य सोच में राजनीतिक और आर्थिक सोच को नहीं जोड़ा जाता। इंडोनेशिया, मलेशिया, अफगानिस्तान, ईरान, बांग्लादेश और चीन की अर्थव्यवस्थाएं बढ़ रही हैं। आखिर ऐसा क्या है कि इन सब देशों के बीच पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था नीचे जा रही है? जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम के प्रमुख ने आगे कहा, सेना को मेरा संदेश यह है कि वे स्वीकार करें कि वर्तमान स्थिति में आपके पीछे कोई मजबूत राजनीतिक ताकत नहीं है। केवल यह बयान देना कि राष्ट्र एकमत है, ये पर्याप्त नहीं है। आज जब भारत के साथ यह मुद्दा उठा है तो पूरा देश एकमत है। हर लड़ाकू तैयार है, लेकिन अगर हम इसका विश्लेषण करें तो पाएंगे कि जब भारत की बात आती है तो राष्ट्र एक ही स्थिति में है, जबकि अगर अफगानिस्तान के साथ कोई मुद्दा है तो राष्ट्र एक ही स्थिति में नहीं होगा। क्योंकि दोनों की जमीनी स्थिति अलग-अलग है, इसलिए हम मीडिया पर हो रहे दुष्प्रचार से खुश नहीं होंगे। हमारी सोच और दृष्टिकोण आपसे बेहतर है। इसलिए आपको अपनी राजनीति, अपने लोगों, अपनी अर्थव्यवस्था और संसाधनों के साथ स्पष्ट रुख के साथ बैठना होगा। तालिबान और भारत का समर्थन? मौलाना का यह बयान कि तालिबान भी भारत का समर्थन कर रहा है काफी चर्चा में है। इसकी कई वजहे हैं। भारत ने अफगानिस्तान में मानवीय सहायता, बुनियादी ढांचे के विकास और कूटनीतिक संबंधों के जरिए अपनी स्थिति मजबूत की है। तालिबान के साथ भारत के सीमित लेकिन रणनीतिक संपर्क भी इस धारणा को बल दे रहे हैं। अफगानिस्तान से अमेरिकी (नाटो) फौज की वापसी के बाद भी भारत ने तालिबान के साथ संपर्क बनाए रखा ताकि वहां की आवाम को मानवीय सहायता जारी रहे। पाकिस्तान में बयान पर हंगामा मौलाना फजलुर रहमान के इस बयान ने पाकिस्तान में सियासी हलकों में हलचल मचा दी है। कुछ लोग उनके बयान को पाकिस्तानी सेना और सरकार के खिलाफ खुली बगावत के तौर पर देख रहे हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच कश्मीर मुद्दे को लेकर लंबे समय से तनाव रहा है। लेकिन पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले ने इसे और बढ़ा दिया। पाकिस्तान को खौफ सता रहा है कि भारत उसके ऊपर कभी भी हमला कर सकता है।

ऑस्ट्रेलिया चुनाव में लेबर पार्टी जीती

दूसरी बार पीएम बनेंगे अल्बनीज

कैनबरा । ऑस्ट्रेलिया में लेबर पार्टी दोबारा चुनाव गई है। चुनाव आयोग के मुताबिक अब तक 55 प्रतिशत वोटों की गिनती हो चुकी है। लेबर पार्टी को 89 सीटों पर जीत हासिल हुई है, वहीं विपक्षी लिबरल-नेशनल गठबंधन 36 सीटों पर जीती है। चुनाव जीतने के लिए 76 सीटों की जरूरत होती है।

लेबर पार्टी की जीत से तय हो गया है कि एंथनी अल्बनीज एक बार फिर से प्रधानमंत्री बनेंगे। 21 साल में यह पहली बार होगा जब कोई नेता दोबारा पीएम बनेगा। इसे पहले 2004 में लिबरल पार्टी के जॉन हावर्ड लगातार दूसरी बार चुनाव जीते थे। वहीं, विपक्षी लिबरल-नेशनल गठबंधन ने हार मान ली है। विपक्षी उम्मीदवार पीटन डटन अपनी खुद की सीट भी हार गए हैं। डटन का अपनी ही सीट हारना सदी की सबसे बड़ी राजनीतिक हारों में गिनी जा रही है। विपक्षी नेता पीटर डटन ने चुनाव में हार स्वीकार करते हुए कहा, हमने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया, मैं इसके लिए पूरी जिम्मेदारी स्वीकार करता हूं।

चीन बोला- अमेरिका ने ट्रेड बातचीत शुरू करने के संदेश भेजे, हम प्रस्तावों का आकलन कर रहे

बीजिंग, एजेंसी। चीन ने कहा है कि वह अमेरिका की तरफ से ट्रेड बातचीत शुरू करने के प्रस्तावों का फिलहाल आकलन कर रहा है। ये बयान अमेरिका और चीन के बीच चल रहे तनाव के बीच टोन में बदलाव दिखाता है, जो भविष्य में बातचीत के रास्ते खोल सकता है। चीन के वाणिज्य मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, अमेरिका ने हाल ही में कई माध्यमों से चीन को संदेश भेजे हैं कि वह ट्रेड बातचीत शुरू करना चाहता है। चीन फिलहाल इन प्रस्तावों पर विचार कर रहा है। यह बयान ऐसे वक्त आया है जब बीजिंग अब तक अमेरिका के ट्रम्प सरकार की टैरिफ नीति पर सख्त और विरोधी रुख अपनाता रहा है। अब इस बयान से चीन के रुख में थोड़ी नरमी नजर आ रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पिछले हफ्ते से बार-बार कह रहे हैं कि उनकी सरकार चीन के अधिकारियों से ट्रेड डील को लेकर बातचीत कर रही है, लेकिन हर बार चीन की तरफ से इसे सिरे से खारिज किया गया है। शुक्रवार को चीन ने दोबारा कहा कि किसी भी बातचीत की शुरुआत से पहले कुछ शर्तें पूरी होनी जरूरी हैं। वाणिज्य मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, टैरिफ और ट्रेड वॉर की शुरुआत अमेरिका ने एकतरफा की थी। अगर उसे बातचीत करनी है तो उसे ईमानदारी दिखानी होगी। इसके तहत उसे अपनी गलतियों को स्वीकार करना होगा।

भारत को धमकी दे रहे पाकिस्तान के अंदर सरकारी इमारतों पर हमला

बलूच लिबरेशन आर्मी ने क्वेटा कराची हाईवे को जाम कर दिया

कराची (एजेंसी)। भारत में आतंकवाद फैलाने वाले पाकिस्तान की खुद ही आंतरिक संघर्ष के चलते हालत खराब है। पहलगाम में हुए आतंकी हमले में पाकिस्तान का लिंक सामने आया था। लेकिन वे खुद आंतरिक संघर्ष से परेशान है। सिंध में पानी के बंटवारे के लिए हाहाकार मचा है और स्थानीय लोगों ने हाईवे जाम कर रखे हैं। इस बीच क्वेटा कराची हाईवे को बड़ी संख्या में बंदूकधारियों ने जाम कर दिया। इतना ही नहीं मौके से गुजर रहे वाहनों को भी नुकसान पहुंचाया। यह घटना कलात जिले के मोंगोचार इलाके में हुई है। यहां पर इन लोगों ने कई सरकारी इमारतों को आग के हवाले कर दिया। इन इमारतों में नेशनल बैंक ऑफ पाकिस्तान का ऑफिस, स्थानीय अदालत सहित कई विभागों के कार्यालय शामिल हैं। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि अग्निकांड में बड़े पैमाने पर इमारतों को नुकसान पहुंचा है। खबर है कि पास में ही स्थित पाकिस्तान के एक आर्मी कैंप पर भी हमला हुआ था, लेकिन इसकी पुष्टि नहीं हुई है।

रिपोर्ट के मुताबिक इन लोगों ने नेशनल हाईवे पर खड़े वाहनों को चेक किया। कई बसों और कारों से लोगों को उतारकर पूछताछ की। इस दौरान हाईवे पर ट्रैफिक बाधित रहा। इस तरह के कराची से क्वेटा को जोड़ने वाले हाईवे को पूरी तरह ब्लॉक करके जांच करना बड़ी घटना है। माना जा रहा है कि बलूच लिबरेशन आर्मी के लोगों ने ही यह हमला किया था। वे पंजाबी मूल के लोगों को टारगेट करना चाहते थे। इसीलिए उन्होंने वहां मौजूद यात्रियों की पड़ताल की। ऐसी ही कई घटनाएं लगातार देखने को मिल रही हैं, जिसमें बलूच लिबरेशन आर्मी के लोगों ने पाकिस्तानी पंजाब के लोगों की टारगेट किलिंग कर दी।

सूत्रों का कहना है कि काफी देर तक सशस्त्र समूह ने कई इमारतों को अपने कब्जे में रखा। इस घटना की जानकारी मिलने के बाद जैसे ही सुरक्षाकर्मी मौके पर पहुंचे तो ये लोग मौके से निकल गए। किसी को भी पाकिस्तानी सुरक्षा बल पकड़ नहीं पाए। यही नहीं काफी देर तक मशक्कत करने के बाद हाईवे को चालू कराया जा सका।

बांग्लादेश - अवमानना के मामले में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को कारण बताओ नोटिस

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) ने गुरुवार को पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना और अवामी लीग की प्रतिबंधित छात्र शाखा बांग्लादेश छात्र लीग (बीसीएल) के नेता शकील आलम बुलबुल को अदालत की कथित अवमानना ??के मामले में कारण बताओ नोटिस जारी किया। स्थानीय मीडिया ने बताया कि आईसीटी अभियोजक गाजी एमएच तमीम ने दोनों व्यक्तियों को 15 मई तक कारण बताओ नोटिस का जवाब देने का निर्देश दिया है। न्यायाधिकरण के अध्यक्ष न्यायमूर्ति गुलाम मुर्तुजा मुजुमदार की अध्यक्षता में सोशल मीडिया पर लीक हुए एक वायरल ऑडियो क्लिप की सामग्री पर यह आदेश पारित किया गया, जिसमें पूर्व प्रधानमंत्री को दिखाया गया था, जिसके माध्यम से उन्होंने कथित तौर पर न्यायिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप किया और न्यायाधिकरण को धमकी दी। आईसीटी अभियोजक ने कहा कि जांच एजेंसी ने फोरेंसिक परीक्षण कराया और पुष्टि की कि आवाज शेख हसीना की है। पिछले वर्ष अगस्त में सत्ता में आने के बाद मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री, उनके परिवार के सदस्यों और अवामी लीग समर्थकों के खिलाफ कई गिरफ्तारी वारंट जारी किए हैं। पिछले महीने बांग्लादेश के एक न्यायाधिकरण ने 2013 में ढाका के शापला छत्तर में हुए कथित सामूहिक हत्याकांड के लिए हसीना और पूर्व पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) बेनजीर अहमद सहित चार अन्य के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। इससे पहले जनवरी में ढाका में एक विशेष न्यायाधिकरण ने पूर्व प्रधानमंत्री हसीना और 11 अन्य लोगों के खिलाफ जबरन गायब किए जाने की घटनाओं के संबंध में गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। विडंबना यह है कि इस न्यायाधिकरण की स्थापना शेख हसीना के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा अंतर्राष्ट्रीय अपराध (न्यायाधिकरण) अधिनियम के तहत की गई थी, जिसका उद्देश्य 1971 के मुक्ति संग्राम के दौरान बांग्लादेश के भूभाग में पाकिस्तानी सेना द्वारा अपने स्थानीय सहयोगियों की मदद से किए गए नरसंहार, मानवता के विरुद्ध अपराध, युद्ध अपराध और अंतर्राष्ट्रीय कानून के तहत अन्य अपराधों के लिए जिम्मेदार व्यक्तियों का पता लगाना, उन पर मुकदमा चलाना और उन्हें दंडित करना था। विश्लेषकों का मानना है कि यह घटनाक्रम यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार द्वारा किया जा रहा एक बड़ा राजनीतिक प्रतिशोध है, क्योंकि अगस्त 2024 में उनके पद से हटने के तुरंत बाद पूर्व प्रधानमंत्री और उनके समर्थकों के खिलाफ तुच्छ आधार पर कई मामले दर्ज किए गए थे। देश में लोकतंत्र की बहाली के संघर्ष में अग्रणी आवाज रहीं बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर रहमान की बेटी हसीना को अपमानजनक तरीके से देश छोड़कर 5 अगस्त को भारत में शरण लेनी पड़ी थी। फरवरी में भारत से अवामी लीग समर्थकों को ऑनलाइन संबोधित करते हुए अपदस्थ प्रधानमंत्री ने यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार पर देश को कथित तौर पर आतंकवाद और अराजकता के केंद्र में बदलने का आरोप लगाया था।

21 हजार फिट पर पायलट को दिखी उड़न तश्तरी, भारी भरकम विमान पृथ्वी पर आया

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में एक यूएफओ यानी अनआइडेंटिफाइड फ्लाइंग ऑब्जेक्ट की तस्?वीर सामने आने से सनसनी मच गई। दावा किया जा रहा है कि दूसरे ग्रह से यह 1000 फुट का विमान पृथ्वी पर आया। यह अमेरिका के दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र के ऊपर देखा गया। तस्वीर को यूएफओ डिस्क्लोजर एक्टिविस्ट्स द्वारा वाशिंगटन डीसी में आयोजित एक 'साइंस, नेशनल सिक्योरिटी एंड इनोवेशन' नामक पैनल डिस्कशन के दौरान पेश किया गया। तस्वीर में देखा जा सकता है कि इस उड़न तश्तरी के आकार की दिखने वाली चीज की बड़ी सी परछाई जमीन पर नजर आ रही है।

यह यूएफओ असली था या नकली। इस बारे में कोई नहीं जानता। ना ही किसी को यह स्पष्ट तौर पर पता है कि यह दूसरे ग्रह की किसी उड़न तश्तरी की तस्वीर है भी या नहीं। हालांकि इसे लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म जरूर हो गया है। इस तस्वीर को पूर्व पेंटागन अधिकारी और विवादित यूएफओ रिसर्चर लुइस ल्यू एलिजोंडो ने पेश किया। उन्होंने कहा कि यह तस्?वीर आज की नहीं बल्कि चार साल पहले यानी 2021 की है, जिसे एक कमर्शियल पायलेट द्वारा लिया गया है। जब फ्लाइट करीब 21,000 फीट की ऊंचाई पर उड़ रही थी, तभी नीचे की तरफ यह यूएफओ उड़ रहा था। तस्वीर में एक चमकीला, सिल्वर रंग का डिस्कनुमा वस्तु दिखाई दी, जिसकी परछाई जमीन पर भी नजर आई। एलिजोंडो ने कहा कि उन्होंने स्वयं यह तस्वीर नहीं ली है। लिहाजा वो खुद इसकी प्रामाणिकता की पुष्टि नहीं कर सकते।

बांग्लादेश से आई धमकी कहा- नॉर्थ-ईस्ट पर कब्जा कर लेंगे, यूनुस ने दी सफाई

ढाका (एजेंसी)। पाकिस्तान का अभी इलाज चल ही रहा था कि बांग्लादेश भी मानसिक रुप से बीमार होने लगा है। जिसकी वजह से वो अनर्गल बातें करना लगा है। बांग्लादेश के रिटायर्ड मेजर जनरल ए.एल.एम. फज्लुर रहमान ने भारत के पूर्वोत्तर राज्यों पर कब्जा करने की धमकी दी है, जिसके बाद बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने इस बयान से पल्ला झाड़ लिया है। इस घटनाक्रम ने भारत-बांग्लादेश संबंधों में पहले से मौजूद तनाव को और बढ़ा दिया है।

हालांकि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने इस बयान से खुद को अलग कर लिया। सरकार ने कहा कि फज्लुर रहमान का बयान उनकी निजी राय है और यह सरकार के आधिकारिक रुख को प्रतिबिंबित नहीं करता। यूनुस सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि बांग्लादेश भारत के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। विदेश मंत्रालय ने एक मीडिया विज्ञप्ति में कहा, ये टिप्पणियां बांग्लादेश सरकार की स्थिति या नीतियों को नहीं दर्शाती हैं, और इसलिए सरकार किसी भी रूप या तरीके से इस तरह की बयानबाजी समर्थन नहीं करती है।

यह विवाद उस समय और गहरा गया, जब हाल ही में मोहम्मद यूनुस ने भी पूर्वोत्तर भारत को लेकर एक टिप्पणी की थी। पिछले महीने अपनी बीजिंग यात्रा के दौरान यूनुस ने पूर्वोत्तर भारत को लैंडलॉक्ड क्षेत्र बताया था और बांग्लादेश को इस क्षेत्र के लिए समुद्र का एकमात्र संरक्षक करार दिया था। उन्होंने चीन को बांग्लादेश में अपना रणनीतिक नेटवर्क बढ़ाने का आग्रह भी किया था। इस बयान को भारत में खतरनाक माना गया और नई दिल्ली के रणनीतिक हलकों में इसकी कड़ी आलोचना हुई। दबाव बढ़ने पर यूनुस के विशेष दूत ने सफाई दी थी कि उनके बयान को गलत संदर्भ में लिया गया। इस बयान ने भारत में तीखी प्रतिक्रिया को जन्म दिया, क्योंकि पूर्वोत्तर भारत एक संवेदनशील क्षेत्र है और पहले से ही बांग्लादेश के साथ सीमा विवाद और अवैध घुसपैठ जैसे मुद्दों को लेकर तनाव बना हुआ है। रहमान का बयान ऐसे समय में आया है, जब भारत और पाकिस्तान के बीच जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद तनाव बढ़ा हुआ है।

दुनिया के कंटेंट, फैशन और अध्यात्म पर छाने को तैयार है भारत - नीता अंबानी

एजेंसी

मुंबई। देश के सबसे बड़े मीडिया व एंटरटेनमेंट प्लेटफॉर्म्स में से एक जियोस्टार की चेयरपर्सन नीता अंबानी ने यकीन दिलाया कि जल्द ही भारतीय कला व शिल्प दुनिया के सौंदर्यशास्त्र या फैशन को आकार देने लगेगा। उन्होंने कहा कि न केवल फैशन, चिकित्सा, अध्यात्म, नृत्य और भारतीय कहानियां भी विश्व मानचित्र पर अपनी जगह बना लेंगी। नीता अंबानी मुंबई के जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में आयोजित हो रहे वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट 2025 में बोल रही थीं। "Taking Indian Culture to the World" विषय पर बोलते हुए नीता अंबानी ने उन भारतीयों की याद दिलाई जो अपनी जड़ों को बिना भूले विश्व मंचों पर भारत को गौरवान्वित कर रहे हैं। संगीत में अनुष्का शंकर और ऋषभ शर्मा, व्यंजनों में विकास खन्ना और सिनेमा में प्रियंका चोपड़ा जैसे युवा दुनिया भर में भारतीयता का संदेश फैला रहे हैं। साथ ही नीता अंबानी ने न्यूयॉर्क के प्रतिष्ठित लिंकन सेंटर में, सितंबर में होने वाले 'ग्रैंड इंडियन वीकेंड' की भी जानकारी साझा की। यह वीकएंड 'नीता मुकेश अंबानी कल्चरल सेंटर' की ओर से मनाया जाएगा। जिसमें भारतीय कला व संस्कृति को दुनिया के सामने रखा जाएगा। नीता अंबानी ने बताया कि हम भारत की आत्मा को दुनिया के सामने रखेंगे। हमारी कलाएं, कारीगर, हमारे बुनकर, हमारे गीत और नृत्य, हमारा फैशन, हमारा स्वादिष्ट भोजन यहां सभी कुछ होगा।

एफपीआई ने इस हफ्ते भारतीय शेयरों में डाले 10000 करोड़ रुपये से अधिक

मुंबई। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इस हफ्ते भारतीय शेयर बाजारों में 10,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया। इससे यह साफ हो गया कि घरेलू इक्विटी में विदेशी रुचि फिर से बढ़ने लगी है। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई ने 28 अप्रैल से 2 मई के बीच इक्विटी में 10,073 करोड़ रुपये का निवेश किया। आंकड़ों के अनुसार 2025 में पहली बार अप्रैल महीने में सकारात्मक शुद्ध एफपीआई प्रवाह देखा गया। अप्रैल में भारतीय इक्विटी में एफपीआई की ओर से शुद्ध निवेश 4,223 करोड़ रुपये रहा। एफपीआई ने मार्च में शुद्ध रूप से 3,973 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे। जनवरी और फरवरी में उन्होंने क्रमशः 78,027 करोड़ रुपये और 34,574 करोड़ रुपये की इक्विटी की बिकवाली की थी। इससे यह पता चलता है कि अप्रैल बीते कई महीनों के बाद एफपीआई की भारतीय बाजार में रुचि बढ़ी है।

भारत ने पाकिस्तान के साथ बंद किया कारोबार, पड़ोसी देश से आने वाली सभी वस्तुओं पर लगाई रोक

नई दिल्ली। भारत ने आतंकवाद के पनाहगाह पाकिस्तान को एक बार फिर सबक सिखाने के लिए एक बड़ा फैसला लिया है। इसके तहत भारत सरकार ने पाकिस्तान से किसी भी प्रकार की वस्तुओं के सीधे या परोक्ष आयात पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। वाणिज्य मंत्रालय की ओर से दो मई को जारी की गई अधिसूचना के अनुसार, यह फैसला राष्ट्रीय सुरक्षा और सार्वजनिक नीति के हित में लिया गया है। इस रोक के बाद अब पाकिस्तान से आने वाली किसी भी उत्पाद चाहे वह सीधे आयात हो या किसी तीसरे देश के जरिए परोक्ष रूप से हो इन सभी आयातों पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। बता दें कि भारत सरकार की तरफ से लागू नए यह प्रतिबंध विदेश व्यापार नीति 2023 में नए प्रावधान के रूप में जोड़ा गया है, जिसको लेकर विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने साफ किया है कि अगर किसी मामले में आयात की अनुमति दी जाती है, तो उसके लिए भारत सरकार की विशेष मंजूरी जरूरी होगी। 2024-25 में अप्रैल से जनवरी के बीच भारत ने पाकिस्तान से केवल 0.42 मिलियन डॉलर का आयात किया था। इसमें ताबा और तांबे के सामान, खाद्य फल और सूखे मेवे, कपास, नमक, सल्फर और मिट्टी और पत्थर, जैविक रसायन, खनिज ईंधन, प्लास्टिक उत्पाद, ऊन, कांच के बने पदार्थ, कच्ची खाल और चमड़ा आदि शामिल है।

20 साल में 1.55 लाख करोड़ की संपत्ति अटैच

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय की ताजा रिपोर्ट के अनुसार 50,000 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ती की जब्ती मुकदमेबाजी और स्थगन आदेश के कारण अटकी पड़ी है। इन संपत्तियों को ईडी ने धन शोधन निवारण कानून के तहत अनंतिम रूप से अटैच किया था। जांच एजेंसी को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत जांच के दौरान उन संपत्तियों को अस्थायी रूप से अटैच करने का अधिकार है, जिनके बारे में संदेह है कि वे अपराध की आय हैं। इस तरह के अनंतिम आदेश को जारी होने के 180 दिनों के भीतर उक्त कानून के न्यायाधिकरण की ओर से पुष्टि की जानी चाहिए। रिपोर्ट के अनुसार ईडी ने 2005 से लेकर 2025 तक पीएमएलए के प्रभावी होने के बाद से 1.55 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति अटैच की है, जिनमें से 1.07 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्तियों की पुष्टि वित्तीय वर्ष 2024-25 के अंत तक न्यायाधिकरण की ओर से की जा चुकी है, लेकिन कानूनी बाधाओं के कारण 50 हजार करोड़ रुपये से अधिक की जब्ती अभी भी अटकी हुई है। ईडी ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि देशभर में 100 विशेष पीएमएलए अदालतें होने के बावजूद मनी लॉन्ड्रिंग मामलों की सुनवाई समय पर पूरी नहीं हो पाती।

शेयर बाजार में स्टॉक होल्डिंग के मामले में पहली बार एफआईआई से आगे निकले डीआईआई

एजेंसी

नई दिल्ली। शेयर बाजार में जारी उतार-चढ़ाव के बीच पहली बार घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) की स्टॉक होल्डिंग विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) से अधिक हो गई है। माना जा रहा है कि इक्विटी होल्डिंग मामले में घरेलू संस्थागत निवेशकों के आगे निकल जाने से आने वाले दिनों में बाजार में तुलनात्मक तौर पर अधिक स्थिरता की स्थिति बनेगी। इसके साथ ही विदेशी निवेशकों द्वारा अचानक की जाने वाली बिकवाली की स्थिति में भी शेयर बाजार बड़ी गिरावट का शिकार होने से काफी हद तक बच सकेगा। एसीआई इक्विटीज द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार मार्च में खत्म हुई तिमाही के दौरान घरेलू संस्थागत निवेशकों की स्टॉक मार्केट में होल्डिंग 16.91 प्रतिशत हो गई है, जबकि विदेशी संस्थागत निवेशकों की होल्डिंग 16.84 प्रतिशत ही है। इस तरह डीआईआई की इक्विटी होल्डिंग एफआईआई की इक्विटी

होल्डिंग से अधिक हो गई है। इक्विटी होल्डिंग के इस पैटर्न के मुताबिक घरेलू संस्थागत निवेशकों के पास अब 69.80 लाख करोड़ रुपये से अधिक के एसेट्स हो गए हैं। वहीं, विदेशी संस्थागत निवेशकों के पास 69.58 लाख करोड़ रुपये के एसेट्स हैं। पिछले साल अक्टूबर के महीने से ही विदेशी निवेशकों ने घरेलू शेयर बाजार में चौतरफा बिकवाली का दबाव बना दिया था। विदेशी निवेशकों की इस बिकवाली के दौरान बाजार को सहारा देने के लिए घरेलू संस्थागत निवेशकों ने भी बड़े पैमाने पर खरीदारी की। डिपॉजिटरी के आंकड़ों पर नजर डालें तो सितंबर 2024 के बाद से मार्च 2025 के अंत तक विदेशी निवेशकों ने घरेलू शेयर बाजार में 2.06 लाख करोड़ रुपये की बिकवाली करके अपने पैसे निकाले। दूसरी ओर, घरेलू संस्थागत निवेशकों ने इस अवधि में शेयर बाजार में 3.97 लाख करोड़ रुपये की खरीददारी करके बाजार को सहारा देने की कोशिश की। घरेलू संस्थागत निवेशकों की इस खरीदारी के कारण ही भारतीय शेयर बाजार के इतिहास में पहली बार उनकी इक्विटी होल्डिंग विदेशी संस्थागत निवेशकों की तुलना में अधिक हो गई है। कोटक सिक्योरिटीज के इक्विटी रिसर्च हेड श्रीकांत चौहान का कहना है कि पिछले 1 साल के ट्रेडिंग पैटर्न पर नजर डालें, तो इस अवधि में विदेशी संस्थागत निवेशकों ने खरीदारी करने की तुलना में बिकवाली अधिक की है। दूसरी ओर, घरेलू संस्थागत निवेशकों, विशेष रूप से म्युचुअल फंड्स ने एसआईपी के जरिए इक्विटी मार्केट में लगातार अपने निवेश को बढ़ाया है। इसके साथ ही गिरते बाजार में खरीदारी करके घरेलू संस्थागत निवेशकों ने अपना इक्विटी बेस भी मजबूत किया है।

शाहरुख खान बने हार्पिक के ब्रांड एंबेसडर

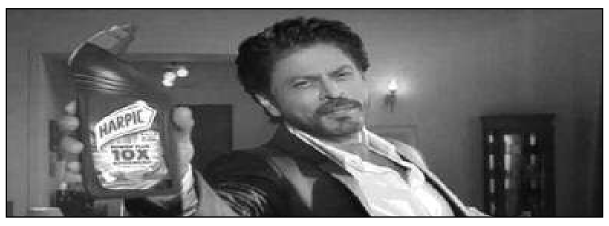

एजेंसी

मुंबई। बॉलीवुड के किंग खान शाहरुख खान हार्पिक के ब्रांड एंबेसडर बनाये गये हैं। टॉयलेट की सफाई में ब्रांड की श्रेष्ठता को दर्शाने के लिए हार्पिक ने शाहरुख के साथ अपनी नई मुहिम हार्पिक है ना की शुरुआत की है, यह मुहिम हर घर में टॉयलेट की अच्छी सफाई का वादा करती है। शाहरुख खान ने हार्पिक के साथ अपने इस जुड़ाव पर कहा, स्वच्छता की शुरुआत छोटे लेकिन असरदार कार्यों से होती है। हार्पिक के साथ काम करने पर मैं खुद को गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। यह एक ऐसा ब्रांड है, जो दशकों से भारतीय घरों में स्वच्छता और गरिमा को बढ़ावा दे रहा है। मैं हमरी गुमनाम हीरोज- गृहणियों - की बहुत इज्जत करता हूं, जिनकी अथक मेहनत से ही परिवारों के स्वास्थ्य और खुशी मिलती है। वे सर्वश्रेष्ठ की हकदार हैं। हार्पिक है ना के साथ, हर घर बेहतर स्वच्छता, सफाई और ताजगी पर भरोसा कर सकता है।जो सिर्फ पांच मिनट में मिल जाती है। जीवन के महत्वपूर्ण क्षणों में जिस तरह का आश्वासन चाहिए, उसी तरह हार्पिक है ना हर घर में एक भरोसेमंद साथी के रूप में खड़ा रहता है।'

एनएसई में वेव्स इंडेक्स का अनावरण

एजेंसी

मुंबई। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने विश्व ऑडियो विजुअल एंटरटेनमेंट समिट (वेव्स) 2025 में ऑडियो-विजुअल और मनोरंजन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाला 43-एडीजीसी कंपनी बेंचमार्क वेव्स इंडेक्स लॉन्च किया, जो भारत की रचनात्मक अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने लॉन्च को समिट की सबसे बड़ी सफलताओं में से एक बताते हुये इस बात पर जोर दिया कि नया इंडेक्स एक नए निवेश पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देगा, जो भारत के तेजी से बढ़ते रचनात्मक और सामग्री उद्योगों के लिए घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों पूंजी को आकर्षित करेगा। श्री फडणवीस ने कहा, 'मुझे खुशी है कि वेव्स शिखर सम्मेलन मुंबई में आयोजित किया जा रहा है। केंद्र ने महाराष्ट्र और मुंबई को इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम की मेजबानी का सम्मान दिया है। प्रधानमंत्री द्वारा शिखर सम्मेलन का उद्घाटन किए जाने के बाद से, दुनिया भर के प्रतिनिधियों ने इस मंच के पैमाने और गुणवत्ता की प्रशंसा की है, जिसे इस क्षेत्र में पहली बार बनाया

जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत ऑडियो-विजुअल क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व की भूमिका निभाने की कगार पर है, जिसमें आर्थिक विकास, रोजगार सृजन और उद्योगों में गुणक प्रभाव की अपार संभावनाएं हैं।एनएसई के प्रबंध निदेशक और सीईओ आशीष कुमार चौहान ने बताया कि वेव्स इंडेक्स का विचार महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री कार्यालय के एक प्रस्ताव से आया है। उन्होंने कहा कि जब वेव्स की अवधारणा बनाई जा रही थी, तो मुख्यमंत्री कार्यालय ने हमसे एक ऐसा सूचकांक बनाने के लिए संपर्क किया था जो इन सभी उद्योगों का एक साथ प्रतिनिधित्व करेगा। हालांकि कई क्षेत्रीय सूचकांक मौजूद हैं, लेकिन उनमें से किसी ने भी पूरे रचनात्मक क्षेत्र को समाहित नहीं किया है। उन्होंने कहा - हमने इसे लॉन्च करने के लिए प्रतिबद्धता जताई थी और आज हमने वह वादा पूरा कर दिया है।

तमिलनाडु के लिए कोयले की आपूर्ति व्यवस्था मजबूत करने पर उच्च स्तरीय बैठक

एजेंसी

चेन्नई। तमिलनाडु के लिए कोयला और लिग्नाइट ईंधन की आपूर्ति व्यवस्था मजबूत करने के विषय पर चेन्नई में एक उच्च स्तरीय बैठक में चर्चा की गयी। बैठक में केंद्रीय कोयला सचिव विक्रम देव दत्त, राज्य के मुख्य सचिव एन. मुरुगनंदम और कोयला तथा बिजली कंपनियों के प्रतिनिधि शामिल थे।केंद्रीय कोयला मंत्रालय की एक विज्ञप्ति के अनुसार अधिकारियों ने राज्य में बिजली की अनुमानित मांग, लिग्नाइट और कोयले की उपलब्धता तथा गर्मियों और मानसून के मौसम के दौरान पीक लोड की स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक सक्रिय उपायों पर बातचीत की। बैठक में नेवेली लिग्नाइट कॉर्पोरेशन इंडिया लिमिटेड(एनएलसीआईएल) से संबंधित भूमि अधिग्रहण, नेवेली की खदानों में ओवरबर्डन (ऊपर के कंकड़-पत्थर से रेत (एम-सैंड) बनाए जाने को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक सुविधा, लिग्नाइट खदानों के लिए भूमि अधिग्रहण, नेवेली हवाई अड्डे का संचालन शुरू करने और तमिलनाडु ग्रीन एनर्जी

कॉर्पोरेशन लिमिटेड (टीएनजीईसीएल) और एनएलसीआईएल के बीच संयुक्त उद्यम के गठन के मुद्दों पर भी चर्चा की गई।विज्ञप्ति के अनुसार इस काम के लिए राज्य सरकार आवश्यक सहायता प्रदान करेगी।

बैठक में एनएलसीआईएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक प्रसन्ना कुमार मोटुपल्ली, कोयला मंत्रालय में संयुक्त सचिव संजीव कुमार कास्सी, कोल इंडिया लिमिटेड के निदेशक (विपणन) मुकेश चौधरी और तमिलनाडु पावर जनरेशन कॉरपोरेशन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक डॉ. एल्वी जॉन वर्गीस भी शामिल थे।

अमेरिकी मंदी की आशंका और एलओसी के तनाव से बिगाड़ा शेयर बाजार का मूड

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज पूरे दिन जोरदार उतार-चढ़ाव होता रहा। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने आज शुरुआती कारोबार में जोरदार मजबूती दिखाई, लेकिन दोपहर होते-होते दोनों सूचकांक बड़ी गिरावट का शिकार हो गए। सेंसेक्स ऊपरी स्तर से 1 हजार अंक से अधिक टूट गया, वहीं निफ्टी ने भी दिन के ऊपरी स्तर से करीब 350 अंक का गोता लगाया। हालांकि दूसरे सत्र में खरीदारी का सपोर्ट मिलने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। बाजार के इस उतार-चढ़ाव के लिए अमेरिका की मंदी की आशंका, कच्चे तेल की कीमत में आए उछाल, बाजार में मुनाफा वसूली के दबाव और भारत-पाकिस्तान सीमा पर बने तनाव को मुख्य वजह माना जा रहा है।धामी सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट प्रशांत धामी का कहना है कि अमेरिकी इकोनॉमी को लेकर बनी चिंता ने घरेलू शेयर बाजार के मूड को भी बिगाड़ने में आज अहम भूमिका निभाई। अमेरिका के कॉमर्स डिपार्टमेंट के शुरुआती अनुमानों में पहली तिमाही के दौरान अमेरिका की जीडीपी में 0.30 प्रतिशत की गिरावट का अनुमान लगाया गया है। हालांकि इसके पहले की तिमाही में अमेरिका की जीडीपी 2.40 प्रतिशत की दर से बढ़ी थी। ऐसे में अमेरिकी विकास दर में गिरावट की आशंका से निवेशक आज सतर्क होकर कारोबार करते रहे। प्रशांत धामी का मानना है कि अमेरिका दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। ऐसे में अमेरिका में मंदी आने का असर दुनिया भर के बाजार, खासकर उभरती अर्थव्यवस्था वाले देशों के मार्केट पर काफी ज्यादा पड़ सकता है। इसी तरह भारत और पाकिस्तान की सीमा पर बने तनाव से भी शेयर बाजार के कारोबार पर आज असर पड़ा। गुरुवार रात लगातार आठवीं बार पाकिस्तान की सेना ने जम्मू कश्मीर के कई सेक्टर्स में सीजफायर का उल्लंघन किया था। हालांकि भारतीय सेना ने पाकिस्तान सेना की इस हरकत का कड़ा जवाब दिया। इसके बावजूद एलओसी पर बढ़ता तनाव घरेलू शेयर बाजार में निवेशकों के सेंटीमेंट्स पर निगेटिव असर डालता हुआ नजर आया।

खुराना सिक्योरिटीज एंड फाइनेंशियल सर्विसेज के सीईओ रवि चंदर खुराना का मानना है कि शेयर बाजार ने शुरुआती कारोबार में जोरदार तेजी पकड़ी थी लेकिन पहले घंटे के कारोबार के बाद ऊपरी स्तर पर शुरू हुई मुनाफा वसूली के कारण बाजार पर दबाव बन गया। इसी तरह अमेरिकी अर्थव्यवस्था से जुड़े कुछ अहम आंकड़े जल्दी आने वाले हैं, इसके पहले निवेशकों ने सतर्कता बढ़ाते हुए मुनाफा वसूली के विकल्प को ज्यादा पसंद किया। इसके अलावा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान पर सेकेंडरी लेवल बैन लगाने की धमकी देने के बाद एक दिन पहले तक लगातार कमजोरी दिखा रहा क्रूड ऑयल आज अचानक करीब 2 प्रतिशत तक महंगा हो गया। क्रूड ऑयल की कीमत में आई स्थिति से भी शेयर बाजार के सेंटिमेंट पर आज नेगेटिव असर पड़ा।

उच्च शिक्षा में सकल नामांकन 50 प्रतिशत तक पहुंचाने में निजी विश्वविद्यालय महत्वपूर्णः टीजी सीताराम

एजेंसी

हैदराबाद। शिक्षा उद्योग से जुड़े विशेषज्ञों ने भारत में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सकल नामांकन का अनुपात (जीईआर) बढ़ाने में निजी क्षेत्र के विश्वविद्यालयों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया है और कहा है कि 2025 तक नामांकन दर 50 प्रतिशत तक बढ़ाने के लिए उच्च शिक्षा के क्षेत्र में निजी संस्थानों की भागीदारी को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। यहां महिंद्रा विश्वविद्यालय परिसर में भारतीय निजी विश्वविद्यालय परिसंघ (सीआईपीयू) द्वारा उच्च शिक्षा पर हुए सम्मेलन में इस उद्योग की प्रमुख हस्तियों ने कहा कि भारत की शिक्षा प्रणाली को शोध-आधारित और अंतःविषय शैक्षणिक वातावरण बनाकर दुनिया में सर्वश्रेष्ठ बनने का लक्ष्य रखना चाहिए। सम्मेलन के समापन पर जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) के अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) टी. जी. सीताराम ने प्रारंभिक सत्र में कहा, निजी विश्वविद्यालय 2035 तक 50 प्रतिशत सकल नामांकन अनुपात प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में माध्यमिक शिक्षा के बाद उच्च शिक्षा में नाम लिखवाने वाले विद्यार्थियों का अनुपात 2014-15 में 23.7 प्रतिशत था जो 2021-22 में 28.8 प्रतिशत तक पहुंच गया था। डॉ सीताराम ने कहा, विश्वस्तर पर तकनीक के क्षेत्र में उथल-पुथल और परिस्थितियों की गतिशीलता को देखते हुए हमारे उच्च शिक्षा संस्थानों पर दूरदर्शी नेतृत्व को गढ़ने की महती जिम्मेदारी है।

नीति आयोग की रिपोर्टः एमएसएमई क्षेत्र में बड़ी संख्या में कर्मचारी औपचारिक तकनीकी प्रशिक्षण से वंचित

एजेंसी

नई दिल्ली। नीति आयोग के अनुसार एमएसएमई क्षेत्र में कौशल की भारी कमी है। बड़ी संख्या में कर्मचारी औपचारिक तकनीकी प्रशिक्षण से वंचित हैं, जिससे उत्पादकता और विस्तार की संभावनाओं पर असर पड़ता है। साथ ही कहा है कि 2020 से 2024 के बीच एमएसएमई की औपचारिक क्रेडिट तक पहुंच में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। फिर भी केवल 19 प्रतिशत डिमांड ही औपचारिक क्रेडिट से पूरी हो पा रही है। नीति आयोग ने आज 'भारत में एमएसएमई की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाना' शीर्षक से विस्तृत रिपोर्ट जारी की। यह रिपोर्ट इंस्टीट्यूट फॉर कॉम्पिटिटिवनेस (आईएफसी) के सहयोग से तैयार की गई है और इसमें भारत के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) की क्षमता को सशक्त करने के लिए वित्त, कौशल, नवाचार और बाजार तक पहुंच में सुधार जैसे पहलुओं पर विस्तृत खाका प्रस्तुत किया गया है। रिपोर्ट में एमएसएमई क्षेत्र से जुड़ी प्रमुख समस्याओं और चुनौतियों का विश्लेषण किया गया है। यह रिपोर्ट कपड़ा और परिधान निर्माण, रासायनिक उत्पाद, ऑटोमोटिव और खाद्य प्रसंस्करण जैसे चार प्रमुख क्षेत्रों पर केंद्रित है। रिपोर्ट में पाया गया है कि 2020 से 2024 के बीच एमएसएमई की औपचारिक क्रेडिट तक पहुंच में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। इस अवधि में छोटे और सूक्ष्म उद्यमों द्वारा अनुसूचित बैंकों से ऋण प्राप्त करने की दर 14 प्रतिशत से बढ़कर 20 प्रतिशत हो गई, जबकि मध्यम उद्यमों के लिए यह आंकड़ा 4 प्रतिशत से बढ़कर 9 प्रतिशत तक पहुंचा है। हालांकि, रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि अब भी 80 लाख करोड़ रुपये का बड़ा क्रेडिट गैप बना हुआ है और केवल 19 प्रतिशत डिमांड ही औपचारिक क्रेडिट से पूरी हो पा रही है।रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि एमएसएमई क्षेत्र में कौशल की भारी कमी है। बड़ी संख्या में कर्मचारी औपचारिक तकनीकी प्रशिक्षण से वंचित हैं, जिससे उत्पादकता और विस्तार की संभावनाओं पर असर पड़ता है। इसके अलावा, तकनीक को अपनाने में बिजली की अनियमित आपूर्ति, कमजोर इंटरनेट कनेक्टिविटी और उच्च लागत जैसी समस्याएं भी सामने आ रही हैं। रिपोर्ट यह बताती है कि केंद्र और राज्य सरकारों की विभिन्न योजनाओं के बावजूद, एमएसएमई मालिकों में योजनाओं की जागरूकता और पहुंच की कमी बनी हुई है। इसके समाधान के लिए रिपोर्ट राज्य स्तर पर मजबूत नीतिगत ढांचे, बेहतर निगरानी, डेटा एकीकरण और नीति निर्माण में हितधारकों की भागीदारी बढ़ाने की सिफारिश करती है। नीति आयोग का मानना है कि लक्षित हस्तक्षेप, संस्थागत सहयोग और नवाचार को बढ़ावा दिये जाने पर एमएसएमई भारत की समावेशी आर्थिक वृद्धि का प्रमुख स्तंभ बन सकते हैं।

भारत के कुल निर्यात में 2024-25 में 6.01 प्रतिशत की वृद्धि, रिकॉर्ड 824.9 अरब डॉलर पर : आरबीआई

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा मार्च 2025 के लिए सेवा व्यापार पर जारी नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, भारत का कुल निर्यात (वस्तु एवं सेवा निर्यात सहित) 6.01 प्रतिशत की वृद्धि के साथ वित्तीय वर्ष 2024-25 में 824.9 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर को छू गया है। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार सेवा निर्यात ने विकास की गति को आगे बढ़ाया, जो 2024-25 में 387.5 अरब डॉलर के ऐतिहासिक उच्च स्तर पर पहुंच गया, जो पिछले वर्ष के 341.1 अरब डॉलर से 13.6 प्रतिशत अधिक है। मार्च 2025 में, सेवा निर्यात 35.6 अरब डॉलर रहा, जो मार्च 2024 में 30.0 अरब डॉलर की तुलना में 18.6 प्रतिशत की साल-दर-साल वृद्धि दर्शाता है। पिछले वर्ष सकल निर्यात 778.1

अरब डॉलर के बराबर था। वाणिज्य मंत्रालय ने एक विज्ञप्ति में कहा देश के व्यापार की प्रगति की राह में एक नया मील का पत्थर स्थापित करता है। वर्ष 2024-25 में, पेट्रोलियम उत्पादों को छोड़कर व्यापारिक निर्यात बढ़कर रिकॉर्ड 374.1 अरब डॉलर हो गया, जो 2023-24 में 352.9 अरब डॉलर से 6.0 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करता है - यह अब तक का सबसे अधिक वार्षिक गैर-पेट्रोलियम व्यापारिक निर्यात है।

विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियां 10 महीने के शीर्ष पर, नए ऑर्डर की रफ्तार 14 साल में सबसे ज्यादा

एजेंसी

नयी दिल्ली। देश के विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियां अप्रैल, 2025 में सुधरकर 10 महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गईं। इसमें नए ऑर्डर में मजबूत वृद्धि की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) पिछले महीने बढ़कर 58.2 पहुंच गया, जो जून, 2024 के बाद सबसे ज्यादा है। मार्च में विनिर्माण पीएमआई 58.1 रहा था। एचएसबीसी इंडिया की मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, नए निर्यात ऑर्डर में उल्लेखनीय वृद्धि भारत में उत्पादन में संभावित बदलाव का संकेत दे सकती है। व्यवसाय उभरते व्यापार परिदृश्य और अमेरिकी शुल्क घोषणाओं के अनुकूल हो रहे हैं। इस सकारात्मक प्रवृत्ति के साथ रोजगार और खरीद गतिविधि में बड़ा उछाल देखने को मिला है। कीमतों के मोर्चे पर भंडारी ने कहा, भारतीय वस्तुओं की मजबूत मांग ने कंपनियों को मूल्य निर्धारण क्षमता को बढ़ावा दिया। इससे कच्चे माल की लागत में मामूली वृद्धि के बावजूद बिक्री शुल्क अक्टूबर, 2013 के बाद सबसे अधिक बढ़ गया। भंडारी ने कहा, अप्रैल के आंकड़े बताते हैं कि विनिर्माण क्षेत्र की कंपनियों में आने वाले वर्ष में उत्पादन बढ़ने की संभावनाओं को लेकर धारणा मजबूत है।

उतार-चढ़ाव के बीच मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, निवेशकों को 59 हजार करोड़ की चपत

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में लगातार उतार-चढ़ाव होता रहा। कारोबार की शुरुआत में खरीदारी के सपोर्ट से शेयर बाजार ने आज जोरदार बढ़त हासिल की। इसी दौरान सेंसेक्स 81 हजार अंक के स्तर को पार करने में भी सफल रहा। हालांकि बाद में हुई बिकवाली के कारण यह सूचकांक ऊपरी स्तर से एक हजार अंक से अधिक लुढ़क भी गया। पहले घंटे के कारोबार के बाद बाजार में बने बिकवाली के दबाव की वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने पहले तो लाल निशान में गोता लगाया, फिर खरीदारी के सपोर्ट से हरे निशान में रिकवरी करने में भी सफल रहे। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.32 प्रतिशत और निफ्टी 0.05 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुए।आज दिनभर के कारोबार के दौरान फार्मास्यूटिकल, मेटल और रियल्टी सेक्टर के शेयरों में जमकर बिकवाली होती रही। इसी तरह पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, एफएमसीजी, एनर्जी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और टेलीकॉम इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर आईटी, ऑयल एंड गैस, मीडिया और बैंकिंग इंडेक्स बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.41 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.07 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में हुई बिकवाली के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब 60 हजार करोड़ रुपये की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 422.65 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 423.24 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 59 हजार करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,085 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,761 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,183 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 141 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,534 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,047 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,487 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 19 शेयर बढ़त के साथ और 11 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 17 शेयर हरे निशान में और 33 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 57.95 अंक की मामूली मजबूती के साथ 80,300.19 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से पहले घंटे में ही यह सूचकांक 935.69 अंक की मजबूती के साथ आज के सर्वोच्च स्तर 81,177.93 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद बाजार में मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिसकी वजह से दोपहर 12 बजे के थोड़ी देर बाद यह सूचकांक ऊपरी स्तर से 1 हजार अंक से अधिक टूट कर 73.65 अंक की कमजोरी के साथ 80,168.59 अंक तक पहुंच गया। हालांकि दिन के दूसरे सत्र में एक बार फिर खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाने की कोशिश की, जिसके कारण सेंसेक्स दिन के निचले स्तर से 300 अंक से अधिक की रिकवरी करके 259.75 अंक की तेजी के साथ 80,501.99 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के विपरीत एनएसई के निफ्टी ने 22.30 अंक की कमजोरी के साथ 24,311.90 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की।

रोमांचक मुकाबले में कोलकाता नाइटराइडर्स ने राजस्थान रॉयल्स को एक रन से हराया

आईपीएल

- **राजस्थान रॉयल्स निर्धारित 20 ओवरों में आठ विकेट पर 205 रन ही बना सकी और एक रन से मुकाबला हार गई।**

कोलकाता, एजेंसी। आंद्रे रसल (नाबाद 57), अंगकृष रघुवंशी (44) और रहमानउल्लाह गुरबाज (35) रनों की पारियों के बाद गेंदबाजों के जूझारू प्रदर्शन के दम पर कोलकाता नाइटराइडर्स ने रविवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के 53वें मुकाबले में रविवार को राजस्थान रॉयल्स को एक रन से हरा दिया।

207 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजस्थान रॉयल्स की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने मात्र आठ के स्कोर पर अपने दो विकेट गवां दिये। वैभव सूर्यवंशी (चार) और कुणाल सिंह राठौड (शून्य) पर आउट हुये। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कप्तान रियान पराग ने यशस्वी जायसवाल के साथ तीसरे विकेट के लिए 58 रनों की साझेदारी की। सातवें ओवर में मोईन अली ने यशस्वी को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। यशस्वी ने 21 गेंदों में पांच चौके और एक छक्के की मदद से 34 रन बनाये। अगले ही ओवर में वरुण चक्रवर्ती ने ध्रुव जुरेल (शून्य) और वानिंदु हसरंगा (शून्य) को बोल्ड कर राजस्थान को संकट में डाल दिया। ऐसे समय संकट के समय में शिमरॉन हेटमायर ने रियान पराग के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों ने छठे विकेट के लिए 92 रन जोड़ कर राजस्थान की उम्मीदों को जिंदा रखा। 16वें ओवर में हर्षित राणा ने शिमरॉन हेटमायर (29) को और 18वें ओवर में रियान पराग को आउटकर कोलकाता की मैच में वापसी कराई। रियान पराग ने आठ छक्के और छह चौके लगाते हुए (95) रनों की तूफानी पारी खेली। इसके बाद शुभम दुबे और जोफ्रा आर्चर आक्रामक बल्लेबाज का प्रदर्शन करते हुए अपनी टीम को जीत की दहलीज तक ले गये पर मैच की आखिरी गेंद पर जोफ्रा रनआउट हो गये और राजस्थान रॉयल्स निर्धारित 20 ओवरों में आठ विकेट पर 205 रन ही बना सकी और एक रन से मुकाबला हार गई। जोफ्रा आर्चर आठ गेंदों में (12) रन बनाकर आउट हुये वहीं शिवम दुबे ने 14 गेंदों में पांच चौके और दो छक्के लगाते हुए (नाबाद 25) रनों की पारी खेली।

कोलकाता नाइटराइडर्स की ओर से हर्षित राणा, वरूण चक्रवर्ती और मोईन अली ने दो-दो विकेट लिये। वैभव अरोड़ा ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे आज यहां कोलकाता नाइटराइडर्स के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी कोलकाता नाइटराइडर्स की शुरुआत खराब रही और उसने सुनील नारायण (11) का विकेट गवां दिया।

रियान पराग ने लगातार 6 बॉल पर 6 छक्के लगाए

राजस्थान की ओर से कप्तान रियान पराग ने 45 बॉल पर 95 रन बनाए। उन्होंने लगातार 6 बॉल पर 6 छक्के लगाए। रियान ने मोइन अली के ओवर में 5 और वरुण चक्रवर्ती के ओवर में छठा छक्का लगाया। वे IPL इतिहास में लगातार 6 बॉल पर 6 छक्के लगाने वाले पहले बैटर बने। पराग के अलावा, यशस्वी जायसवाल ने 34, शिमरोन हेटमायर ने 29 रन और शुभम दुबे ने नाबाद 25 रन बनाए। मोइन अली, हर्षित राणा और वरुण चक्रवर्ती को 2-2 विकेट मिले।

सूर्यकुमार ने आयुष को भविष्य का सितारा बताया

बेंगलुरु, एजेंसी। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को यहां हुए आईपीएल मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से हार का सामना करना पड़ा है पर इस मैच में उभरते हुए बल्लेबाज आयुष म्हात्रे अपनी आक्रामक पारी से सबके आकर्षण का केन्द्र बने हैं। आयुष ने इस मैच में तेजी से खेलते हुए 94 रन बनाये हालांकि वह अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाये। आयुष की इसी पारी की भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने जमकर प्रशंसा की है।‹

सूर्यकुमार ने कहा है कि आयुष भविष्य के सितारे हैं। उन्होंने ट्वीट करते हुए लिखा, निश्चित इरादे, बहादुरी और जोश से भरी पारी! भविष्य यहीं है, यह नाम याद रखना। गौरतलब है कि आयुष को कप्तान रुतुराज गायकवाड़ के चोटिल होने के बाद सीएसके ने अपनी टीम में शामिल किया था। वह मुम्बई की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलते हैं। इस मैच में आसीबी के तेज गेंदबाज यश दयाल ने अंतिम ओवर में जबरदस्त गेंदबाजी करते हुए आरसीबी को जीत दिलायी। इस मैच में जीत के लिए सीएसके को अंतिम ओवर में 15 रन की जरुरत पर वह केवल 13 रन ही बना पायी। इस मैच में जीत से आरसीबी का प्लेऑफ में पहुंचना तय हो गया है। इस मैच में आयुष की पारी सबसे आकर्षण का केन्द्र रही। आयुष ने 48 गेंदों में 195.83 के स्ट्राइक रेट से 94 रन बनाए। अपनी इस पारी में आयुष ने 9 चौके और 5 छक्के लगाये। सीएसके प्लेऑफ से बाहर होने के बाद अगले सत्र के लिए प्रतिभाएं तलाश रही थी जिसमें अब वह सफल होती दिख रही है।

फिटनेस का राज महंगे सप्लीमेंट या जिम में नहीं : रमनदीप सिंह

नई दिल्ली, एजेंसी। कोलकाता नाइट राइडर्स के बल्लेबाज रमनदीप सिंह के अनुसार, पारंपरिक देसी घी, अंडे, दही और गेहूं की रोटी जैसे घरेलू खाने से ही असली ताकत मिलती है। रमनदीप के मुताबिक, फिटनेस का राज महंगे सप्लीमेंट या जिम में नहीं, बल्कि घर के सादे और पौष्टिक खाने में छिपा है। रमनदीप ने टीम की फिटनेस सीरीज 'ट्रेन लाइक ए नाइट' के हालिया एपिसोड में अपनी फिटनेस की सादगी और अनुशासन पर आधारित दिनचर्या साझा की है। चंडीगढ़ में एक अंतरराष्ट्रीय साइक्लिस्ट पिता के घर में पले-बढ़े रमनदीप ने कहा कि उन्हें बचपन से पोषण की अहमियत का बोध हो गया था। वे कहते हैं कि अगर कोई चीनी, तला हुआ खाना और मैदे से बने पदार्थ छोड़ दे, तो 90 प्रतिशत डाइट अपने आप ठीक हो जाती है। उनका मानना है कि आप बाहर जाकर फिट नहीं रह सकते, लेकिन घर का बना खाना आपकी सेहत का आधार बन सकता है। उनका दैनिक आहार देसी घी से शुरू होता है, इसके बाद दो पूरे अंडे, तीन अंडे की सफेदी, गेहूं की रोटी और दही का संतुलित नाश्ता होता है।

रमनदीप का फिटनेस फॉर्मूला युवाओं के लिए प्रेरणा हैः वह बॉडीवेट एक्सरसाइज जैसे पुश-अप, स्क्वैट्स और पुल-अप को शुरुआती फिटनेस यात्रा के लिए बेहतरीन मानते हैं। उनका कहना है कि यदि हम फिटनेस की शुरुआत जल्दी करते हैं, तो इसका फायदा लंबे समय तक मिलता है। वह रिकवरी को भी उतनी ही अहमियत देते हैं जितनी कसरत को। रमनदीप बताते हैं कि आराम वाले दिन शरीर की मरम्मत और अगले दिन की तैयारी के लिए ज़रूरी होते हैं, और उन दिनों का पोषण ही असली फर्क लाता है। उनके प्री-वर्कआउट रूटीन में 3 ग्राम क्रिएटिन शामिल है और वर्कआउट के बाद वे पर्याप्त फाइबर के साथ प्रोटीन युक्त भोजन लेते हैं, जिसमें सब्जियाँ शामिल होती हैं।

सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ जीत की राह पर लौटने उतरेगा दिल्ली

हैदराबाद, एजेंसी। अक्षर पटेल की अगुआई वाली दिल्ली कैपिटल्स की टीम घरेलू मैदान पर कमजोर प्रदर्शन से उबरकर सोमवार को यहां निचले हाफ में चल रही सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ जीत की राह पर लौटने के इरादे से उतरेगी।

दिल्ली कैपिटल्स को पिछले मैच में अपने घरेलू मैदान अरुण जेटली स्टेडियम में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 14 हार से हार का सामना करना पड़ा लेकिन टीम ने विरोधियों के मैदान पर बेहतर प्रदर्शन की बदौलत प्ले ऑफ में जगह बनाने की उम्मीद जीवंत रखी है। दिल्ली की टीम पैट कमिंस की टीम के खिलाफ भी उसके मैदान पर जीत दर्ज करना चाहेगी।

अक्षर पटेल चोट से जूझ रह हैं। वह 30 अप्रैल को नाइट राइडर्स के खिलाफ क्षेत्ररक्षण करते समय बाएं हाथ में चोट लगने के बाद मैदान से चले गए थे। देखना यह होगा कि वह चोट से उबरकर सनराइजर्स के खिलाफ खेलते हैं या नहीं। अक्षर ने हालांकि चोटिल होने के बाद भी 23 गेंद में 43 रन की उम्दा पारी खेली थी। अगर वह चोट से पूरी तरह नहीं उबरते हैं तो उन्हें गेंदबाजी में समस्या हो सकती है।

दिल्ली कैपिटल्स की टीम अभी 10 मैच में 12 अंक के साथ पांचवें स्थान पर है। अक्षर ने अब तक शानदार प्रदर्शन किया और अगर वह नहीं खेलते या मैच में उनकी भूमिका सीमित होती है तो इससे टीम के प्रदर्शन पर असर पड़ेगा। टीम को अपने पिछले दो मैच में घरेलू मैदान पर नाइट राइडर्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा है।

दिल्ली ने अपने पिछले पांच में से तीन मुकाबले गंवाए हैं और टीम लीग के इस महत्वपूर्ण चरण में और झटकों से बचने की कोशिश करेगी। नाइट राइडर्स के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज फाफ डु प्लेसी ने फॉर्म में वापसी करते हुए अर्धशतक जड़ा था लेकिन धीमी पिच से सामंजस्य बैठाना उनके लिए चिंता का सबब बना हुआ है।

लोकेश राहुल नौ मैच में 371 रन के साथ दिल्ली के शीर्ष रन स्कोरर है लेकिन वह घरेलू मैदान पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ 39 गेंद में 41 रन ही बना पाए। नाइट राइडर्स के खिलाफ वह सात रन बनाकर सुनील नारायण के स्टीक थ्रो का शिकार बने।

विकेटकीपर-बल्लेबाज राहुल कमिंस, मोहम्मद शमी और हर्षल पटेल जैसे गेंदबाजों का सामना करने के लिए खुद को तैयार करेंगे क्योंकि सनराइजर्स की यह तिकड़ी किसी भी बल्लेबाजी क्रम को ध्वस्त करने में सक्षम है।

अभिषेक पोरेल ने भी शीर्ष क्रम में काफी आक्रामक बल्लेबाजी की है और एक अर्धशतक सहित 250 से अधिक रन बनाए हैं लेकिन मौजूदा सत्र में अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलने में नाकाम रहे हैं।

दिल्ली के बल्लेबाजी क्रम में गेंदबाजी ऑलराउंडर विपराज निगम जैसे खिलाड़ी भी हैं जो अंतिम ओवरों में तेजी से रन बनाने की क्षमता रखते हैं लेकिन यह दिल्ली की गेंदबाजी है जो उन्हें जीत के लिए पूरी ताकत लगाने का आत्मविश्वास देती है।

तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क की अगुआई में दुष्मंता चमीरा और मुकेश कुमार जैसे अनुभवी गेंदबाजों के साथ दिल्ली की टीम मजबूत स्थिति में है। अक्षर पूरी तरह से फिट होते हैं तो दिल्ली कैपिटल्स के पास आईपीएल 2025 में सबसे ताकतवर आक्रमण में से एक है।

नाइट राइडर्स के खिलाफ पिछले मैच में स्टार्क और अक्षर ने मिलकर

टीम इस प्रकार हैं:

सनराइजर्स हैदराबाद: पैट कमिंस (कप्तान), इशान किशन (विकेटकीपर), अथर्व तायडे, अभिनव मनोहर, अनिकेत वर्मा, सचिन बेबी, स्मरण रविचंद्रन, हेनरिक क्लासेन, ट्रेविस हेड, हर्षल पटेल, कामिंदु मेंडिस, वियान मुल्डर, अभिषेक शर्मा, नितीश कुमार रेड्डी, मोहम्मद शमी, राहुल चाहर, सिमरजीत सिंह, जीशान अंसारी, जयदेव उनादकट, और इशान मलिंगा।

दिल्ली कैपिटल्स: अक्षर पटेल (कप्तान), जेक फ्रेजर-मैकगर्क, अभिषेक पोरेल, करुण नायर, लोकेश राहुल, ट्रिस्टन स्टब्स, आशुतोष शर्मा, विपराज निगम, मिचेल स्टार्क, कुलदीप यादव, मोहित शर्मा, मुकेश कुमार, समीर रिजवी, दर्शन नालकंडे, डोनोवन फरेरा, त्रिपुराना विजय, दुष्मंता चमीरा, फाफ डु प्लेसी, टी नटराजन, अजय जादव मंडल, मनवंत कुमार एल और माधव तिवारी।

समय: मैच शाम 7.30 बजे शुरू होगा।

एशिया कप से पाकिस्तान को किया जा सकता है बाहर : गावस्कर

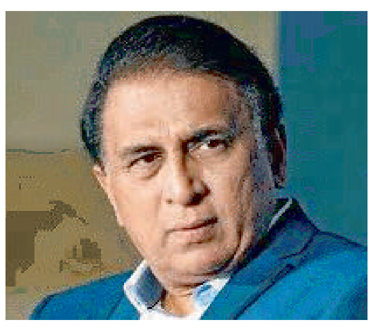

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि पहलगाम आतंकी हमले के कारण पाकिस्तान क्रिकेट टीम को एशिया कप से बार कर दिया जाना तय है। एशिया कप की मेजबानी भारतीय बोर्ड (बीसीसीआई) कर रहा है और ऐसे में वह किसी भी हालत में पाक शामिल करना नहीं चाहेगा। गावस्कर ने यहां तक कहा कि एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) को भी भंग किया जा सकता है। गावस्कर ने कहा कि बीसीसीआई सरकार के अनुसार चलती है और अभी सरकार पाक से किसी प्रकार के संपर्क के पक्ष में नहीं है। इस पूर्व कप्तान के अनुसार अगर सरकार पाक से क्रिकेट संबंध नहीं चाहती, तो बीसीसीआई उसपर अमल करेगी। एशिया की मेजबानी सितंबर में भारत और श्रीलंका संयुक्त रुप से करेंगे। गावस्कर ने यह भी कहा कि अगर हालात और खराब होते हैं ता बीसीसीआई एसीसी से भी अलग हो सकता है और बांग्लादेश, श्रीलंका, अफगानिस्तान जैसे देशों के साथ अलग टूर्नामेंट आयोजित कर सकता है। उन्होंने कहा कि यह टूर्नामेंट भारत, श्रीलंका या बांग्लादेश में कराया जा सकता है और भारत इसकी मेजबानी करेगा। उन्होंने ये भी कहा कि अगर दो देश एक-दूसरे से दुश्मनी की स्थिति में हों, तो उनके बीच क्रिकेट खेला जाना संभव नहीं है। भारतीय टीम ने इससे पहलेचैंपियंस ट्रॉफी में भी पाकिस्तान का दौरा न करते हुए तटस्थ स्थल पर अपने मैच खेले थे।

सीएसके और आशीष म्हात्रे का साथ लंबे समय तक बने रहने की उम्मीद : फ्लेमिंग

बेंगलुरू, एजेंसी। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के हेड कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने खुलासा किया है कि आयुष म्हात्रे की किस बात ने उन्हें सबसे ज्यादा प्रभावित किया। उन्होंने कहा कि 17 वर्षीय इस खिलाड़ी ने अपनी बल्लेबाजी से सभी को प्रभावित किया है।

सीएसके पहले ही आईपीएल 2025 के प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है। पांच बार की चैंपियन टीम शनिवार रात रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ दो रन से हार गई, बावजूद इसके म्हात्रे ने 48 गेंदों पर 94 रनों की प्रभावशाली पारी खेली, जिससे वह 17 साल और 292 दिन की उम्र में आईपीएल में अर्धशतक बनाने वाले तीसरे सबसे युवा खिलाड़ी बन गए। मैच के बाद फ्लेमिंग ने इस बल्लेबाज की जमकर तारीफ की और कहा कि म्हात्रे के स्वभाव और धैर्य ने उन्हें काफी प्रभावित किया।

फ्लेमिंग ने कहा, "कभी-कभी यह समझाना मुश्किल होता है, लेकिन वह जो कर रहा था, उसमें एक खासियत थी। लेकिन उसका धैर्य कुछ ऐसा था जिसने मुझे प्रभावित किया। उसके पास प्रतिभा है और उसके पास आक्रामक शैली की बल्लेबाजी है, वह सब कुछ जो हमें आधुनिक समय के टी20 खिलाड़ी में पसंद है। लेकिन मैं उसके स्वभाव से काफी ज्यादा प्रभावित हूं।" उन्होंने कहा, "आयुष म्हात्रे पहले दिन से ही बहुत सहज थे। टीम उनके साथ बहुत सहज थी। उम्मीद है कि उनके साथ सीएसके की एक लंबे रिश्ते की शुरुआत है।"

ऋतुराज गायकवाड़ की जगह सीएसके में आयुष म्हात्रे को शामिल किया गया था। गायकवाड़ कोहनी की चोट के कारण सीजन से बाहर हुए। आयुष म्हात्रे ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ अपना टी20 डेब्यू किया, जिसमें उन्होंने 15 गेंदों पर 32 रन बनाए। इसके बाद उन्होंने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 19 गेंदों पर 30 रन की तेज पारी खेली।

शनिवार को बेंगलुरु में, म्हात्रे ने आईपीएल के सर्वश्रेष्ठ पावरप्ले गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार के एक ओवर में पांच चौकों और एक छक्के की मदद से 26 रन बटोरे। आयुष म्हात्रे जब तक खेल रहे थे तब तक सीएसके मैच में बनी हुई थी। लेकिन, मैच के अंतिम ओवरों में नियमित अंतराल पर विकेट गिरने से सीएसके दो रनों से आरसीबी के सामने मैच हार गई।

श्रृंखला | **आखिरी ओवर में भारतीय गेंदबाजों ने कसी हुई गेंदबाजी कर मैच को रोमांचक बना दिया था**

सात साल में पहली बार श्रीलंका महिला टीम ने भारत को हराया

कोलंबो, एजेंसी। चामरी अट्टापटू और सुगंधिका कुमारी (तीन-तीन विकेट) के अच्छे प्रदर्शन के बाद हर्षिता समाराविक्रमा (53) और नीलाक्षी डिसिल्वा (56) की शानदार बल्लेबाजी के दम पर श्रीलंका महिला टीम ने रविवार को त्रिकोणीय श्रृंखला के चौथे एकदिवसीय मुकाबले में भारत को पांच गेंदे शेष रहते तीन विकेट से हरा दिया। सात सालों में श्रीलंका की भारत पर यह पहली एकदिवसीय जीत है।

276 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने मात्र 30 रन के स्कोर पर अपना पहला विकेट हसिनी परेरा (22) रनआउट के रूप में गवां दिया। इसके बाद हर्षिता समाराविक्रमा ने विष्मी गुणारत्ने के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिए 78 रनों की साझेदारी हुई। 23वें ओवर में अरुंधति रेड्डी ने विष्मी गुणारत्ने (33) को आउटकर इस साझेदारी का अंत किया। इसके बाद 27वें ओवर में प्रतिका रावल ने हर्षिता समाराविक्रमा (53) को आउटकर भारत को चौथी सफलता दिलाई। कप्तान चामरी अट्टापटू (23), कविशा दिलहारी (35) और देवमी विहंगा (एक) रन बनाकर आउट हुई। नीलाक्षी डिसिल्वा ने 33 गेंदों में पांच चौके और तीन छक्के लगाते हुए (56) रनों की पारी खेली। आखिरी ओवर में भारतीय गेंदबाजों ने कसी हुई गेंदबाजी कर मैच को रोमांचक बना दिया था। अनुष्का संजीवनी (23) और सुगंधिका कुमारी (19) रन बनाकर नाबाद रही। श्रीलंका ने 49.1 ओवर में सात विकेट पर 278 रन बनाकर मुकाबला तीन विकेट से जीत लिया।

भारत की ओर से स्नेहा राणा ने तीन विकेट लिये । अरुंधति रेड्डी, श्री चारणी और प्रतिका रावल ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले आज यहां श्रीलंका की महिला टीम ने टॉस जीतकर भारतीय टीम को पहले बल्लेबाजी करने का न्यौता दिया। बल्लेबाजी करने उतरी प्रतिका रावल और स्मृति मंधाना की भारतीय सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिये 51 रन जोड़े। भारत का पहला विकेट 10वें ओवर की पहली गेंद पर स्मृति मंधाना (18) रनआउट के रूप में गिरा। 13वें ओवर में इनोका रनावीरा ने प्रतिका रावल (35) को आउटकर भारत को दूसरा झटका दिया। इसके बाद हरलीन देओल और कप्तान हरमनप्रीत कौर की जोड़ी ने पारी को संभालने का प्रयास किया।दोनों बल्लेबाजों ने अभी तीसरे विकेट के लिए 42 रन जोड़े थे कि देवमी विहंगा ने हरलीन देओल (29) को आउटकर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद सुगंधिका कुमारी ने कप्तान हरमनप्रीत कौर (30) को आउटकर श्रीलंका को चौथी सफलता दिलाई। जेमिमाह रॉड्रिग्स ने 46 गेंदों में 37 रन बनाये। ऋचा घोष ने 48 गेंदों में पांच चौके और तीन छक्के लगाते हुए (58) रनों की पारी खेली। दीप्ति शर्मा (24), काश्वी गौतम (17) और स्नेह राणा (10) रन बनाकर आउट हुई। भारतीय टीम ने निर्धारित 50 ओवरों में नौ विकेट पर 275 रन का स्कोर खड़ा किया।

श्रीलंका की ओर से चामरी अट्टापटू और सुगंधिका कुमारी ने तीन-तीन विकेट लिये। देवमी विहंगा और इनोका रनावीरा ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

अंकुरित सलाद

सामग्री : अंकुरित मूंग 1 कटोरी, अंकुरित मोठ 1 कटोरी, उबले आलू 2, केरी व टमाटर कटा, राई का पावडर, नमक स्वादानुसार। कालीमिर्च पावडर 1 चम्मच, नींबू व ताजी क्रीम।

विधि : आलू को मसल लें, उसमें मूँग मोठ, नमक, काली मिर्च, राई पावडर व नींबू डालकर अच्छी तरह मिला लें, प्लेट में निकाल लें।

इसके चारों तरफ क्रीम डालें। अब चेरी और टमाटर से सजाकर सर्व करें।

उम्र बढ़ने का त्वचा पर प्रभाव

जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती जाती है, त्वचा की कांति ढलती जाती है। हमारे चेहरे की त्वचा पर वर्षों तक धूप, गुरुत्वाकर्षण, मुस्कुराने, खाना चबाने और आँखें मिचमिचाने से गहरा और स्थायी प्रभाव पड़ता है। जिन ऊतकों के कारण हमारी त्वचा तरोताजा और भरी पूरी नजर आती है वे समय के साथ टूटने लगते हैं, इसका नतीजा यह होता है कि चेहरे पर झुर्रियाँ और बारीक-बारीक रेखाएँ उभर आती हैं।

बढ़ती उम्र का त्वचा पर प्रभाव :

- अल्ट्रावायलेट लाइट, मेटॉबोलिक प्रोसेस के कारण सेल टिश्यूज का क्षरण होना और खत्म होना आदि ऐसे कारण हैं जिनसे शारीरिक बुढ़ापा आ जाता है।
- एंटी ऑक्सीडेंट्स से भरपूर आहार न सिर्फ बुढ़ापे को टाल सकता है बल्कि कई तरह की स्थायी क्षति को भी रिपेयर कर सकता है।
- जब आप उम्र के दूसरे दशक में होते हैं तब शरीर में ढेर सारे परिवर्तन होते हैं। मसलन हारमोंस का उतार-चढ़ाव शरीर को अंदर और बाहर से हिलाकर रख देता है। भारतीयों की त्वचा पर यूँ धूप का कोई खास असर नहीं होता लेकिन तैलीय त्वचा पर मुँहासे उगने लगते हैं।
- तीसरा दशक त्वचा पर स्थायी प्रभाव पड़ने की दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण है। इसी दशक में आनुवांशिक लक्षणों, त्वचा का प्रकार तथा धूप के प्रभाव के कारण कोलेजन का तेजी से क्षरण होता है। चेहरे को देखने से ऐसा लगता है कि पहले यह गुब्बारे की तरह फूला था अब जैसे हवा निकल गई है।
- उम्र के चालीसवें दशक में हारमोंस का स्तर तेजी से घट-बढ़ होता है। इससे माँसपेशियों का लचीलापन, बोन्स रेस्पोरेशन, कोलेजेन डिजनरेशन, इलास्टीन डिजनरेशन होता है तथा कुल चर्बी में कमी होने लगती है, जिससे त्वचा सूखी और पतली होने लगती है। इससे झुर्रियाँ पड़ने लगती हैं।

क्वीन ऑफ पुडिंग

सामग्री : 1 पाउंड पावरोटी, 1 कसा नारियल, 1 कप चीनी, 4 कप दूध, 4 बड़ा चम्मच वेनिला फ्लेवर कस्टर्ड पावडर, 3 कप क्रीम 1/4 चम्मच वेनिला एसेन्स, चेरी सजाने के लिए।

विधि : पावरोटी के चारों ओर का कड़ा हिस्सा हटाकर भुरभुरा कर लें। दूध और चीनी (5 बड़ा चम्मच चीनी रखकर) मिलाकर गर्म करें। उबाल आने पर कस्टर्ड मिलाकर गाढ़ा होने तक चलाएँ।

आँच से उतारकर पावरोटी और कसा नारियल मिलाकर फ्रिज में रख दें। क्रीम फेंट कर बची चीनी मिला दें। क्रीम के बर्तन को ठंडे पानी के बर्तन में रख क्रीम को हल्का होने तक फेंटें। इसमें एसेन्स मिला दें। फिर क्रीम ठंडे कस्टर्ड में मिला, चेरी से सजाकर ठंडा परोसें।

दुपट्टों का फैशन!

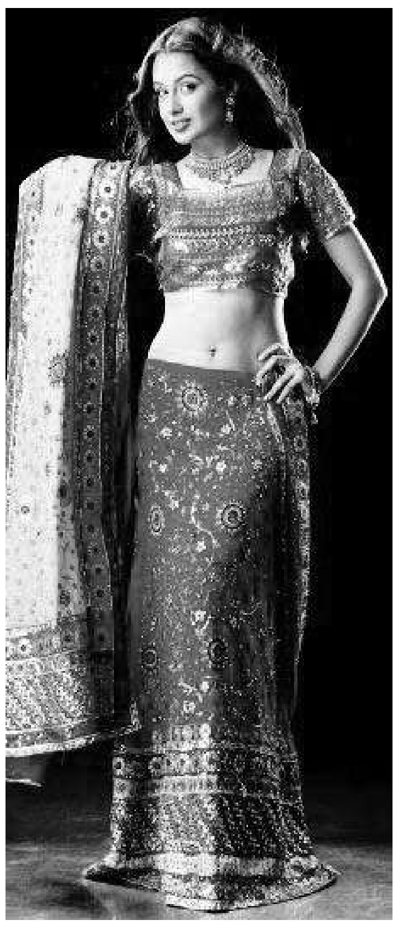

वर्तमान फैशन के युग में जहाँ सभी कुछ बदला-बदला सा नजर आता है। वहीं दुपट्टा या ओढ़नी भी इस मामले में पीछे नहीं है। बाजार रंगबिरंगे दुपट्टों से पटा हुआ दिखाई देता है। आज से कुछ समय पहले तक तो वही पुराने दुपट्टे जैसे जार्जेट, पॉलिस्टर, सूती आदि चलन में थे लेकिन आज के बदलते माहौल में दुपट्टों ने युवतियों के पहनावे का रूप बदल रखा है।

बदलते फैशन ने अब जीन्स पर भी अपना प्रभाव दिखाना शुरू कर दिया है। आजकल जीन्स पर दुपट्टा डालकर घूमना फैशन का नया दौर है। जिसमें अनेकों रंगों में और अलग-अलग वैरायटी के दुपट्टे शामिल है। फिल्मों में बढ़ते दुपट्टे के चलन से आम युवतियों के जीवन में भी दुपट्टे का महत्व बढ़ता ही गया है। आज के जीन्स-टॉप और विदेशी वस्त्रों के युग में भी दुपट्टा अपनी अलग पहचान रखता है। एक खूबसूरत दुपट्टा जब लहराता है तो महँगे से महँगे विदेशी वस्त्र भी उसके आगे नहीं टिकते। दुपट्टे का आकर्षण ही जादुई होता है। जो हर किसी को अपनी ओर आकर्षित कर लेता है।

इन दिनों बाजार में उपलब्ध दुपट्टों को लेकर युवतियों में कराची दुपट्टे का काफी क्रेज है। जो 250 से 1000 रु. तक की रेंज में बाजार में उपलब्ध है। इसमें कराची दुपट्टा, कॉटन क्रोशिया दुपट्टा और जिगजेग दुपट्टा की काफी माँग है और बंधेज दुपट्टा तो युवतियों का ऑल टाइम फेवरेट होता ही है।

इसी प्रकार खिलते हुए रंगों वाले और हैवी वर्क जैसे फुलकारी वर्क के दुपट्टे भी चलन में हैं। मुकेश, बंजारन, जामा, बाँधनी और खासकर भागलपुर के दुपट्टे युवतियों में काफी अधिक लोकप्रिय हैं। इतने रंगबिरंगे, आकर्षक और सुंदर दुपट्टे बाजार में मौजूद हैं कि उन्हें ओढ़ लिया जाए तो इंद्रधनुष में लिपटने का आभास होता है। तो देर किस बात की, चलें और खरीद लाएँ रंगबिरंगे दुपट्टे और मोह ले मन अपने प्रियतम का।

घर की सफाई के उपयोगी टिप्स

सफाई करना घर का मुख्य काम होता है। अगर कपड़े की झाड़न पर ज्यादा गर्द ज्यादा हो गई हो और सफाई में दिक्कत आ रही हो तो एक काम करें। हाथों को थोड़ा गीला कर के कपड़े पर फिरा दें फिर जल्दी से उसे ब्रश से झाड़ डालें नमी की वजह से कपड़े की पूरी गर्द उतर जाएगी।

- रजाई और तकिए के गिलाफ धो कर आखिरी बार खंगालते समय पानी में थोड़ा सिरका मिला दीजिए सिरके के अम्ल से कपड़ों से साबुन का क्षार उतर जाता है। इससे गिलाफ एकदम मुलायम हो जाते हैं। गिलाफ धोकर उसे फिर से रजाई पर आसानी से चढ़ाने के लिए धोने के बाद गिलाफ को उलटा सुखा दें।
- उलटे गिलाफ के अंदर रजाई के दोनों कोने डालकर गोल-गोल लपेटते जाएँ। जब रजाई पूरी गोल हो जाए तो नीचे वाला गिलाफ का सिरा खींच लें। रजाई के दोनों कोनों को पकड़ लें और साथ-साथ उठा कर दो तीन बार झटक दें। उलटा हुआ गिलाफ सीधा होकर रजाई पर चढ़ जाएगा।
- अगर आप के यहाँ मेटल का डस्टबिन है तो आप उसके अंदर से आने वाली बदबू से जरूर परेशान रहती होंगी। मेटल के कूड़ेदान की दुर्गंध समाप्त करने के लिए उसमें पुराने अखबार डल कर आग लगा दें। आग तत्काल दुर्गंध को समाप्त कर देगी।
- कभी-कभी टॉयलेट में अचानक ही बहुत बदबू आने लगती है। बारिश के यह समस्या ज्यादा होती है। थोड़ी देर के लिए इसे हटाने के लिए माचिस की एक तीली जला देना भर काफी है।
- आपके घर भी यदि खारा पानी आता है और आपके बाथरूम में हर चीज इसकी वजह से सफेद हो गई है तो आप इन सभी को पैराफिन से साफ कर सकती हैं। इससे बाथरूम का फर्श, बाथ टब और टोंटियाँ बहुत अच्छी तरह साफ हो जाती हैं। इससे न केवल वहाँ पर जमे साबुन की चिकनाई और मैल छूट जाता है बल्कि पैराफिन से इनकी चमक भी लौट आती है।
- बाथरूम में अकसर पानी की टपकने से या कहीं-कहीं पानी जमने से बने भूरे धब्बों को हटाने के लिए नमक और सिरके की बराबर मात्रा के मिश्रण से दूर किया जा सकता है। टब, बाल्टी या पानी भरने के दूसरे बर्तन में भी यदि सफेदी जमा हो गई हो तो इसी विधि को आप उन पर भी आजमा सकती हैं। मिश्रण को कुछ मिनट दाग पर लगा रहने दें, फिर धो डालें।
- घरेलू उपयोग में आने वाले नौसादर को पानी में मिला कर क्रोमियम की चीजों और कार को साफ किया जा सकता है, लेकिन इस घोल से धोने के बाद यदि आप फिर से पॉलिश करना चाहें तो पहले उस वस्तु को अच्छी तरह सुखा लें। ताँबे और पीतल की चीजों पर लगे हरे-नीले दाग को भी नौसादर और नमक मिले घोल से साफ किया जा सकता है। घोल से धोने के बाद साफ पानी से अच्छी तरह सुखा लें।
- काँच के मैले फूलदान में पानी भर कर उसमें थोड़ा ब्लीचिंग पाउडर मिला कर रखने से मिनटों में फूलदान जगमगा उठेगा। सिगरेट या सिगार की राख को बराबर मात्रा में मिला लें। इसमें दो-तीन बूँद कोई भी वनस्पति तेल मिलाकर पेस्ट जैसा बना लें। इस पेस्ट से फ्रेंच पालिश की गई लकड़ी पर से कोई भी दाग मिटाए जा सकते हैं।

मिनरल वाटर में एस्ट्रोजन हार्मोन

हाल ही एक रिसर्च में यह खुलासा हुआ है कि अगर आप प्लास्टिक की बोतल से मिनरल वाटर पी रहे हैं तो इसका मतलब है कि आप पानी के साथ-साथ एस्ट्रोजन हार्मोन भी ग्रहण कर रहे हैं और इसके कारण आपकी प्रजनन क्षमता प्रभावित हो सकती है। जर्मनी की फ्रैंकफर्ट यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों के मुताबिक प्लास्टिक की बोतलों में भर कर बेचे जाने वाले मिनरल वाटर में ऐसे रसायन पाए गए हैं, जो शरीर में प्रवेश करने के बाद महिलाओं में पाए जाने वाले एस्ट्रोजन हार्मोन की तरह काम करते हैं। इस रिसर्च में जुटे वैज्ञानिक मार्टिन वेगनर ने कहा कि हमने जब इस विषय पर अपना काम शुरू किया तो सोचा भी नहीं था कि किसी खाद्य पदार्थ में भी इतनी बड़ी तादाद में हार्मोन हो सकते हैं, जिन पर सख्त रोक है। उन्होंने कहा कि सबसे पहले बोतलों में बंद मिनरल वाटर के नमूने लिए गए। फिर पानी में रसायन युक्त एस्ट्रोजन की मौजूदगी और उनका स्त्रोत निश्चित करने के लिए वैज्ञानिकों ने पाया कि मिनरल वाटर में पाए जाने वाले रसायन अन्य जीवों के लिए भी प्रभावकारी हैं और अगर यह पानी घोंघे को दिया जाए तो उनके भ्रूणों की संख्या में तेज बढ़ोतरी होती है। वैज्ञानिकों ने बोतल में बंद मिनरल वाटर में ऐसे रसायनिक साक्ष्य खोजे हैं, जिनमे महिलाओं में पाए जाने वाले प्रजनन एस्ट्रोजन हारर्मोन मौजूद थे। एस्ट्रोजन महिलाओं का मुख्य प्रजनन हार्मोन होता है, जिसको अनैच्छिक ग्रहण करने से प्रजनन प्रणाली बाधित हो सकती है। इसके अलावा इससे स्तनों से उत्पन्न होने वाले दुग्ध का प्रवाह भी कम हो सकता है।

हेल्थ प्लस

हृदय रोग भगाने के लिए खाएं लहसुन

दिल का दौरा पड़ने, एंजाइना पेन या स्ट्रोक्स की खास वजह होती है रक्तवाहिकाओं में ब्लॉकेज। विशेषज्ञों का मानना है कि ब्लॉकेज दूर करने के लिए लहसुन का नियमित सेवन लाभकारी है। इसमें ब्लॉकेज दूर करने के लिए सबसे महत्वपूर्ण तत्व एजोन होता है। लहसुन का प्रयोग ऐसे करना चाहिए कि आपको अधिकतम एजोन मिल।

- लहसुन को काटकर इस्तेमाल करने के बजाय पीसकर इस्तेमाल करें।
- बहुत धीमी आंच पर लहसुन को हल्का-सा भूनें।
- लहसुन टमाटर के साथ या अन्य अम्लीय चीजों के साथ पकाएं।
- पिसे हुए लहसुन को 'फेटा चीज' और ऑलिव ऑयल के साथ मिलाकर इस्तेमाल करें। इससे कोलेस्ट्रोल नहीं बढ़ता है।

शाकाहारियों को कैंसर का खतरा कम!

अगर आप शाकाहारी हैं तो यह आपके लिए अच्छी खबर है। ब्रिटेन में हुए एक शोध के मुताबिक शाकाहार से कैंसर से बचाव में मदद मिल सकती है। शाकाहारी लोगों में मांसाहारी लोगों की तुलना में कैंसर के बहुत कम मामले पाए गए हैं। ब्रिटेन में व्यापक पैमाने पर हुए इस शोध में करीब 52,500 लोग शामिल थे। इसमें 20 से 89 साल की उम्र के पुरूष और महिलाओं के आहार का परीक्षण किया गया। एक अमेरिकी जर्नल में प्रकाशित हुए इस अध्ययन को शोधकर्ता काफी अहम मान रहे हैं। शोधकर्ताओं ने सभी प्रतिभागियों को तीन समूहों में विभाजित किया। इनमें एक को मांस खाने वाले, दूसरे को मछली खाने वाले तथा तीसरे को शाकाहारी समूह में रखा गया। शोध के दौरान पाया गया कि जो लोग मछली खाते हैं या शाकाहारी हैं उनमें मांसाहारी लोगों की तुलना में कैंसर होने की संभावना काफी कम होती है। हालांकि अध्ययन के दौरान शाकाहारी लोगों में कोलोरेक्टल कैंसर के मामले पाए गए। यह भी एक चौंकाने वाला नतीजा है। क्योंकि पहले के शोधों के मुताबिक कोलोरेक्टल कैंसर का खतरा मांसाहारी लोगों को ज्यादा होता है।

शोधकर्ता दल के प्रमुख प्रोफेसर टिम के मुताबिक यह नतीजे इसलिए भी महत्वपूर्ण हैं क्योंकि इससे पहले आहार को इस तरह से प्रमुखता नहीं दी जाती थी। शायद यही कारण है कि अभी तक डाइट को लेकर इस तरह का भ्रम बना रहा। प्रोफेसर टिम के अनुसार, 'यह एक दिलचस्प अध्ययन है जिसके मुताबिक शाकाहारियों में कैंसर का खतरा कम हो सकता है। इसे काफी सावधानी से देखे जाने की जरूरत है। जहां तक कोलोरेक्टल कैसंर की बात है तो मांस इसके लिए कितना जिम्मेदार हो सकता है इस पर विचार करना होगा।' उन्होंने साफ किया कि कैंसर और आहार के बीच संबंध स्थापित करने वाले इस अध्ययन पर और काम किए जाने की जरूरत है।

शहद और दालचीनी सेहत के पहरेदार

शहद के साथ पीसी हुई दालचीनी को नियमित लेने से शरीर की प्रतिरोधात्मक क्षमता मजबूत होती है और बैक्टीरिया व वायरस अटैक से बचाव होता है।

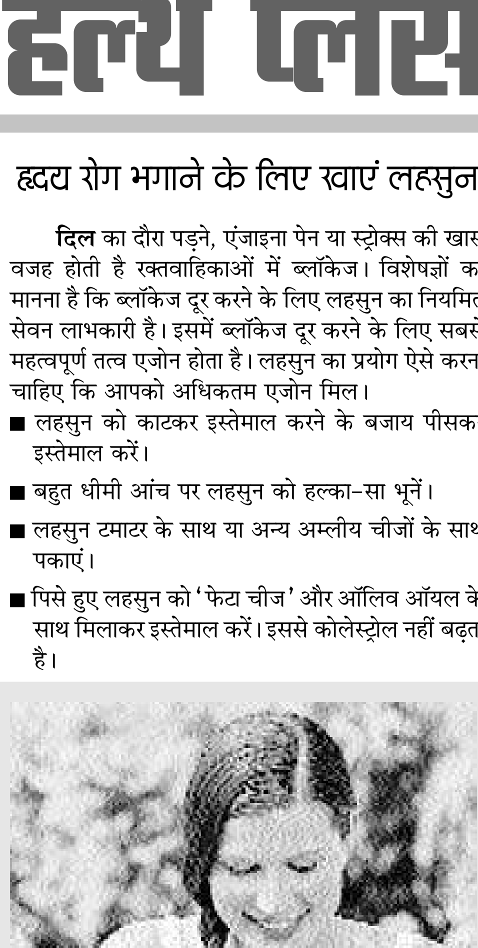

शहद के साथ पीसी हुई दालचीनी को नियमित लेने से शरीर की प्रतिरोधात्मक क्षमता मजबूत होती है और बैक्टीरिया व वायरस अटैक से बचाव होता है। वैज्ञानिकों ने पाया है कि शहद में विभिन्न विटामिन होते हैं और बड़ी मात्रा में आयरन भी। शहद का नियमित इस्तेमाल रक्त की सफेद कोशिकाओं (डब्ल्यूबीसी) को मजबूत करता है जिससे बैक्टीरिया और वायरस रोगों से लड़ने में मदद मिलती है।

दिल की मजबूती के लिए

जैली, जैम और मक्खन को अलविदा कहें। शहद और पीसी दालचीनी का पेस्ट बना लें और इसे रोजाना नाश्ते में ब्रेड या चपाती पर लगाकर खायें। जिनको पहले अटैक पड़ चुका है अगर वे भी रोजाना इसका प्रयोग करेंगे, तो उन्हें लाभ होगा। इस पेस्ट का नियमित प्रयोग सांस को फूलने नहीं देता और हृदय दर को मजबूत करता है।

जोड़ों के दर्द के लिए

आर्थराइटिस के रोगी एक कप गर्म पानी में दो चम्मच शहद और एक छोटा चम्मच पीसी दालचीनी मिलाकर रोज पीयें। अगर यह नियमित लिया जायेगा, तो क्रोनिक रोगी भी जोड़ों के दर्द को अलविदा कह देंगे।

पाचन

एक चुटकी पीसी हुई दालचीनी को दो चम्मच शहद पर छिड़क लें। इसे खाने से पहले लें। एसिडिटी रफू चक्कर हो जायेगी और भारी से भारी खाना भी हजम हो जायेगा।

झुर्रियों से बचने के लिए

चार चम्मच शहद, एक चम्मच पीसी दालचीनी और तीन कप पानी ले लें। इस मिश्रण को अच्छी तरह उबाल लें। 1/4 कप 3/5 बार रोजाना पीयें। त्वचा ताजी, मुलायम और चेहरा झुर्रियों रहित रहेगा।

त्वचा पर चमक

शहद और दालचीनी का लेप सोने से पहले मुंहासों पर लगायें और अगली सुबह गुनगुने पानी में धो लें। अगर रोजाना दो सप्ताह तक ऐसा किया जायेगा तो मुंहासे जड़ से खत्म हो जायेंगे। इस मिश्रण को त्वचा के इन्फेक्शन जैसे एक्जिमा में भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

श्वांस

एक चम्मच शहद और पीसी दालचीनी को गर्म पानी में मिला लें और उससे गरारे करें, दिन भर तरोताजा रहेंगे।

पेशाब

दो चम्मच पीसी दालचीनी और एक चम्मच शहद एक गिलास गुनगुने पानी में मिलाकर पी जायें। इससे पेशाब की थैली के सारे कीटाणु मर जायेंगे और आप इन्फेक्शन से मुक्त रहेंगे।

दांत का दर्द

एक चम्मच पीसी दालचीनी को पांच चम्मच शहद में मिलाकर लेप बना लें। जिस दांत में दर्द हो रहा है उस पर लगायें। ऐसा दिन में तीन बार करें जब तक दांत का दर्द ठीक न हो जाये।

कोल्ड

जो लोग कॉमन या गंभीर कोल्ड से पीड़ित हैं वे एक चम्मच गुनगुना शहद 1/4 चम्मच पीसी दालचीनी के साथ रोजाना तीन दिन तक लें।

भोजन करें मगर प्यार से

भोजन करते समय कुछ खास बातें याद रखें ...

हमारे शरीर को पोषण देने का एक ही माध्यम है भोजन। यदि हम अपने शरीर को स्वस्थ रखना चाहते हैं तो भोजन से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण बातों को ध्यान में रखना चाहिए। इनमें से कुछ बातें तो आप जानते ही होंगे लेकिन फिर भी अच्छी बातें दोहराने में कोई हर्ज नहीं है, ये बातें हैं-

- प्रात: बिना स्नान किए भोजन नहीं करना चाहिए।
- भोजन को धीरे-धीरे चबाकर खाना चाहिए।
- भोजन को कभी भी ठूँस-ठूँसकर नहीं खाना चाहिए। इससे कई रोग हो सकते हैं। भोजन तीन-चौथाई पेट ही करना चाहिए।
- भूख लगने पर पानी और प्यास लगने पर भोजन नहीं करना चाहिए, अन्यथा स्वास्थ्य को हानि पहुँचती है। जैसे खाने की आवश्यकता महसूस होने पर उसे पानी पीकर समाप्त करने की कोशिश या प्यास लगने पर कुछ भी खाकर प्यास को टाल देना।
- भोजन के बीच में प्यास लगने पर थोड़ा-थोड़ा करके पानी पीना चाहिए। भोजन के तुरंत पहले या अंत में तुरंत पानी नहीं पीना चाहिए।
- हजार काम छोड़कर नियमित समय पर भोजन करें।
- बासी, ठंडा, कच्चा अथवा जला हुआ और दोबारा गर्म किया हुआ भोजन स्वास्थ्य के लिए लाभकारी नहीं होता।
- भोजन पच जाने पर ही दूसरी बार भोजन करना चाहिए। प्रात: भोजन के बाद शाम को यदि अजीर्ण मालूम हो तो कुछ नर्म भोजन लिया जा सकता है। परंतु रात्रि को भोजन के बाद प्रात: अजीर्ण हो तो बिल्कुल भोजन नहीं करना चाहिए।
- भोजन के तुरंत बाद सोना नहीं चाहिए।
- सर्दी के दिनों में (जाड़े के मौसम में) भोजन से पूर्व थोड़ा सा अदरक व सेंधा नमक खाना चाहिए, जिससे पाचन शक्ति बढ़ जाती है।
- भोजन सामग्री में कड़े पदार्थ पहले, नरम पदार्थ बीच में और पतले पदार्थ अंत में खाना चाहिए।
- भोजन करते समय प्रारंभ में मीठे, बीच में नमकीन और अंत में कसैले पदार्थों को खाना चाहिए।
- भोजन करने से पहले केला और ककड़ी नहीं खाना चाहिए।
- भोजन में दूध, दही, छाछ का प्रयोग दीर्घजीवी बनाता है।
- भोजन करने के बाद हमेशा याद रखें- न क्रोध करें, न तुरंत व्यायाम करें। इससे स्वास्थ्य को हानि पहुँचती है।
- रात्रि के भोजन के पश्चात दूध पीना हितकर है।

मौनी रॉय ने साझा किया डरावना अनुभव

बॉलीवुड अभिनेत्री मौनी रॉय इन दिनों अपनी आने वाली हॉरर–कॉमेडी फिल्म भूतनी के प्रमोशन में व्यस्त हैं, जिसमें उनके साथ सनी कौशल, पलक तिवारी और संजय दत्त भी नजर आएंगे। हाल ही में अपने एक साक्षात्कार में मौनी ने अपने साथ हुई एक बेहद डरावनी घटना का जिक्र किया, जिसने उन्हें भीतर तक हिला कर रख दिया था। मौनी ने बताया कि एक बार वह एक छोटे शहर में थीं, जहां उनके होटल के कमरे में रात के समय एक अनजान व्यक्ति जबरदस्ती घुसने की कोशिश कर रहा था। मौनी ने इस घटना को याद करते हुए बताया कि किसी तरह उस शख्स ने उनके कमरे की चाबी चुरा ली थी और दरवाजा खोलने की कोशिश कर रहा था। इस समय मौनी अकेली नहीं थीं, उनकी मैनेजर भी उनके साथ मौजूद थीं। जब दोनों ने देखा कि कोई व्यक्ति अंदर घुसने की कोशिश कर रहा है, तो उन्होंने जोर–जोर से चिल्लाना शुरू कर दिया। इससे वह व्यक्ति भाग गया और तुरंत होटल रिसेप्शन को बुलाया गया। उन्होंने आगे बताया कि रिसेप्शनिस्ट ने इस स्थिति को बहुत ही कैजुअल ढंग से लिया और कहा कि शायद वह कोई हाउसकीपिंग स्टाफ रहा होगा। इस पर मौनी ने सवाल उठाया कि भला कौन सा हाउसकीपिंग स्टाफ बिना नॉक किए, बिना बेल बजाए, रात के 12ः30 बजे दरवाजा खोलने की कोशिश करता है। मौनी ने इस अनुभव को बेहद डरावना बताया और कहा कि यदि उनकी मैनेजर साथ नहीं होती, तो हालात और खराब हो सकते थे। इसके साथ ही मौनी ने ट्रोलिंग को लेकर भी बात की, जहां हाल ही में उनके लुक्स को लेकर कई लोगों ने सोशल मीडिया पर उन्हें निशाना बनाया था और यह तक कह डाला कि उन्होंने प्लास्टिक सर्जरी करवाई है। इस पर मौनी ने बेबाकी से जवाब दिया कि वह इस तरह की ट्रोलिंग को देखती ही नहीं हैं। उन्होंने कहा कि अगर किसी को स्क्रीन के पीछे बैठकर दूसरों को ट्रोल करने से खुशी मिलती है, तो उन्हें ऐसा करने देना चाहिए, लेकिन वह इन बातों से प्रभावित नहीं होतीं।

निकिता दत्ता ने बाबुलनाथ मंदिर में मांगी मन्नत

एक्ट्रेस निकिता दत्ता इन दिनों अपनी फिल्म ज्वेल थीफ को लेकर खूब चर्चा में हैं। फिल्म रिलीज होने के तीन दिन बाद ही वह मुंबई के प्रसिद्ध बाबुलनाथ मंदिर पहुंचीं और भगवान शिव के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। उनका मंदिर से जुड़ा वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिसमें निकिता को सफेद रंग के सुंदर पारंपरिक परिधान में देखा जा सकता है। इस ड्रेस पर लाल फूलों का आकर्षक डिजाइन बना हुआ था, जिसमें वह बेहद खूबसूरत नजर आईं। वीडियो में निकिता श्रद्धा भाव से पूजा करती और नंदी के कान में मन्नत मांगती नजर आती हैं। उनके इस सादगी भरे अंदाज ने फैंस का दिल जीत लिया है। लोग उनकी भक्ति और ट्रेडिशनल लुक की जमकर तारीफ कर रहे हैं। इससे पहले ज्वेल थीफ के ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान निकिता ने फिल्म से जुड़ी अपनी भावनाएं साझा करते हुए कहा था कि इस फिल्म के जरिए उन्हें क्लासिक बॉलीवुड हीरोइन बनने का मौका मिला, जो उनका सपना था। उन्होंने निर्देशक सिद्धार्थ आनंद और उनकी पत्नी ममता आनंद का आभार भी जताया था। फैंस निकिता के नए सफर को लेकर बेहद उत्साहित हैं और उन्हें शुभकामनाएं दे रहे हैं।

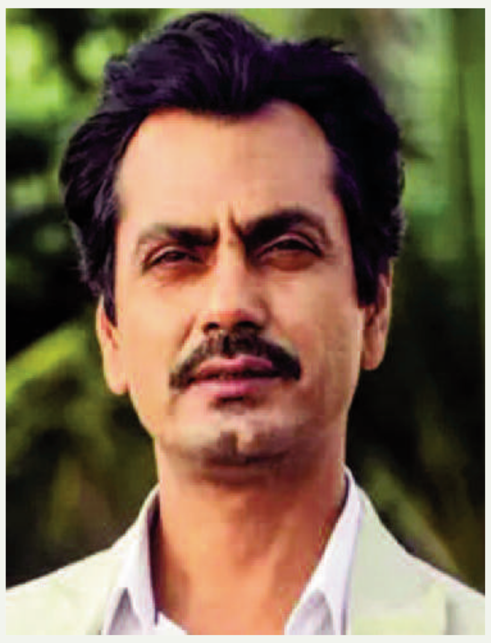

नवाजुद्दीन की अदाकारी में ईमानदारी और स्थिरता है, जो उन्हें अलग बनाती है

बॉलीवुड इंडस्ट्री के सबसे बहुमुखी और प्रभावशाली अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी चाहे वह किसी भी तरह की भूमिका निभा रहे हों, उन्होंने हमेशा अपनी बेहतरीन अदाकारी से दर्शकों के दिलों पर राज किया है। उनका हर किरदार सहजता से दिल को छूने वाला होता है और वह हर फिल्म में खुद को नए रूप में पेश करते हैं। नवाजुद्दीन का अभिनय इतना वास्तविक होता है कि दर्शक उन्हें स्क्रीन पर अभिनय नहीं, बल्कि वास्तविक जीवन में जीने की तरह महसूस करते हैं। उनकी अदाकारी में ईमानदारी और स्थिरता है, जो उन्हें अन्य अभिनेताओं से अलग बनाती है।

नवाजुद्दीन ने अपनी कला के जरिए से न केवल बॉलीवुड में बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी एक अलग पहचान बनाई है।

हाल ही में ट्रेड एक्सपर्ट ने नवाजुद्दीन सिद्दीकी की तारीफ करते हुए कहा कि उनके अभिनय में कुछ खास है। उन्होंने नवाजुद्दीन की तुलना दिवंगत अभिनेता इरफान खान से करते हुए कहा कि नवाजुद्दीन में एक ऐसा गुण है, जो बहुत कम अभिनेताओं में होता है। उनका अभिनय रियल होता है दिखावा नहीं होता, बल्कि वह किरदार में पूरी तरह से खो जाते हैं। उनकी हर परफॉर्मेंस में ऐसा महसूस होता है कि वह जी रहे हैं, अभिनय नहीं कर रहे हैं।

कभी–कभी, यह मुझे इरफान खान की याद दिलाता है, लेकिन नकल में नहीं, बल्कि सार में वह शांत ईमानदारी और कहानी के प्रति सम्मान, जो इरफान की खासियत थी।

नवाजुद्दीन की अभिनय शैली की गहरी समझ को दर्शाता है।

नवाजुद्दीन के अभिनय में एक सहजता और स्थिरता है, जो उन्हें किसी भी भूमिका में पूरी तरह से सजीव और वास्तविक बना देती है। उनका अभिनय कभी भी दर्शकों को कला का एहसास नहीं कराता, बल्कि ऐसा लगता है जैसे वह खुद किरदार का हिस्सा हैं।

इस बयान का समर्थन करते हुए व्यापार विश्लेषक ने भी कहा कि नवाजुद्दीन सिद्दीकी की अभिनय क्षमता ने उन्हें भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में एक अनमोल स्थान दिलाया है। उनकी कला न केवल उनके अभिनय कौशल को दर्शाती है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि वे फिल्म इंडस्ट्री में अपने अद्वितीय योगदान से सदैव याद किए जाएंगे।

25 साल बाद सूर्यवंशम के मासूम बेटे की बदल गई पहचान

- अब 33 साल के हो चुके हैं आनंद वर्धन

1999 में रिलीज हुई अमिताभ बच्चन की फिल्म सूर्यवंशम भले ही बॉक्स ऑफिस पर असफल रही हो, लेकिन इसका टीवी पर सफर बेहद शानदार रहा है। यह फिल्म टेलीविजन पर सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली फिल्मों में शुमार है और इसके कई संवाद और किरदार आज भी सोशल मीडिया पर मीम्स के जरिए जीवित हैं। खासकर हीरा ठाकुर और उनके बेटे के रिश्ते को दिखाने वाले दृश्य अब भी दर्शकों के दिलों में बसे हुए हैं। फिल्म में अमिताभ बच्चन ने डबल रोल निभाया था और उनके बेटे का किरदार निभाने वाले चाइल्ड आर्टिस्ट आनंद वर्धन ने भी अपनी मासूम अदायगी से खास पहचान बनाई थी। आज वही आनंद वर्धन 33 साल के हो चुके हैं और उन्हें पहचान पाना काफी मुश्किल हो गया है।

आनंद वर्धन ने उस समय अपने फिल्मी कैरियर की शुरुआत किया था जब वे सिर्फ चार साल के थे और सूर्यवंशम के बाद उन्हें चाइल्ड आर्टिस्ट के रुप में पहचान मिली थी। वे तेलुगू फिल्म इंडस्ट्री में वह एक जाना–पहचाना नाम थे। सूर्यवंशम में उन्होंने छोटे ठाकुर भानु प्रताप की भूमिका निभाई थी। फिल्म का एक बेहद लोकप्रिय डायलॉग 'संस्कार उम्र से बड़े हैं' उन्हीं पर फिल्माया गया था, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा। इस सीन में वे अपने दादा जी ठाकुर भानु प्रताप सिंह को स्याही गिरने पर माफ कर देते हैं, और यही क्षण फिल्म की सबसे भावनात्मक झलकियों में से एक बन गया।

इस फिल्म का निर्देशन ईवीवी सत्यनारायण ने किया था और यह तमिल फिल्म सूर्या वामसम की हिंदी रीमेक थी। शुरुआती दौर में फिल्म को सिनेमाघरों में कुछ खास प्रतिक्रिया नहीं मिली, लेकिन समय के साथ इसकी लोकप्रियता बढ़ती चली गई और यह एक क्लासिक के रूप में उभरी। हर उम्र के दर्शकों ने इसे अपना प्यार दिया। वर्तमान में आनंद वर्धन फिल्मों से पूरी तरह दूर नहीं हुए हैं। उन्होंने बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट साउथ की कई अन्य फिल्मों में भी काम किया और आज भी फिल्म इंडस्ट्री से उनका नाता बना हुआ है। हालांकि अब वह काफी बदल चुके हैं और बहुत से लोग उन्हें पहचान भी नहीं पाते।

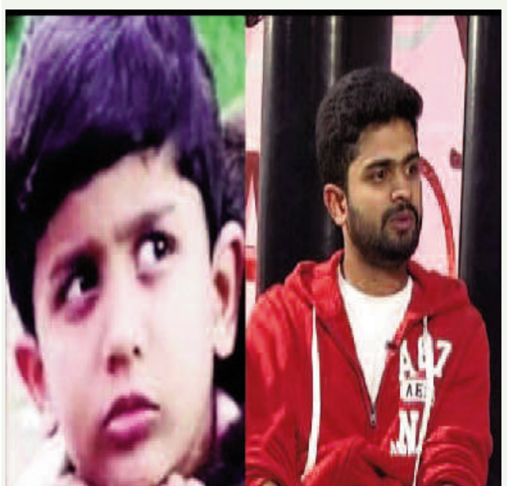

कृष्णा श्रॉफ का एमएमए मैट्रिक्स: फिटनेस को भारत में नई दिशा दे रहा है

जानी–मानी फिटनेस आइकन और बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ की बहन कृष्णा श्रॉफ आज फिटनेस और हेल्थ वेलनेस के क्षेत्र में एक सशक्त नाम बन चुकी हैं। फिटनेस के प्रति उनकी गहरी प्रतिबद्धता ने उन्हें एक सफल एंटरप्रेन्योर भी बना दिया है। कृष्णा और टाइगर श्रॉफ द्वारा स्थापित एमएमए मैट्रिक्स आज भारत में फिटनेस के प्रति सोच को बदलने का काम कर रहा है।

एमएमए मैट्रिक्स की शुरुआत मुंबई के एक प्रमुख जिम से हुई थी, और आज इसकी लगभग 14–15 फ्रेंचाइज़ी देशभर में फैल चुकी हैं। यह विस्तार इस बात का प्रमाण है कि उनकी विशिष्ट ट्रेनिंग शैली और वेलनेस अप्रोच को लोग किस कदर पसंद कर रहे हैं।

कृष्णा श्रॉफ बताती हैं, 卐हमने एमएमए मैट्रिक्स के जरिए एक ऐसा प्लेटफॉर्म बनाना चाहा, जो पारंपरिक जिम अनुभव से कहीं आगे हो। हमारा लक्ष्य विश्वस्तरीय फिटनेस सुविधाएँ भारत में उपलब्ध कराना और व्यक्तिगत जुड़ाव को बनाए रखना था।卐

एमएमए मैट्रिक्स की सबसे बड़ी खूबी इसका समावेशी और सहायक माहौल है। यहाँ बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, और पुनर्वास की आवश्यकता वाले लोगों के लिए भी विशेष प्रावधान किए गए हैं। इसके प्रशिक्षक न केवल फिटनेस में माहिर हैं, बल्कि पुनर्वास–केंद्रित ट्रेनिंग में भी दक्ष हैं, जिससे वह उन लोगों की भी मदद कर पाते हैं जो पारंपरिक जिम अनुभव से खुद को दूर कर देते थे।

कृष्णा ने जोर देते हुए कहा, यह सिर्फ़ उपकरणों की बात नहीं है; हमने एक ऐसा माहौल तैयार किया है जो व्यवसाय नहीं, बल्कि एक समुदाय जैसा महसूस होता है। हम चाहते हैं कि लोग जब हमारे जिम में आएं तो वे प्रेरित, समर्थित और सम्मानित महसूस करें।

एमएमए मैट्रिक्स का यह दृष्टिकोण इसे अन्य व्यावसायिक जिम्स से अलग बनाता है। यहाँ स्थायी फिटनेस आदतों को विकसित करने के लिए सही मानसिक और भावनात्मक वातावरण तैयार किया गया है। अपने मिशन में कृष्णा श्रॉफ फिटनेस को भारत में हर वर्ग और हर ज़रूरत के व्यक्ति तक पहुँचाना चाहती हैं एक ऐसा लक्ष्य जो तेजी से हकीकत में बदल रहा है

कश्मीर के बचपन की यादें साझा कीं सेलीना जेटली ने

- पहलगाम आतंकी हमले पर किया भावुक पोस्ट

बॉलीवुड अभिनेत्री और पूर्व मिस इंडिया यूनिवर्स सेलीना जेटली ने हाल ही में पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद एक भावुक पोस्ट साझा किया है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कश्मीर में बिताए अपने बचपन के अनुभवों को याद करते हुए एक तस्वीर भी साझा की, जिसमें वह महज 8 या 9 साल की उम्र की दिख रही हैं। तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा, 'एक सैनिक की बेटी शैव भूमि मेंः गोलियों से बचती हुई, अपने भय से नहीं।' इस पोस्ट में उन्होंने अपने उन दिनों की चर्चा की जब वे आर्मी पब्लिक स्कूल, उधमपुर में पढ़ती थीं और उनके पिता पहाड़ी रेजीमेंट में अधिकारी थे। सेलीना ने बताया कि उन्होंने उत्तराखंड और अरुणाचल प्रदेश जैसे शांत और सुंदर इलाकों में भी समय बिताया, लेकिन कश्मीर की यादें हमेशा भय और सतर्कता से जुड़ी रहीं। उन्होंने लिखा कि उन्हें आज भी वह समय याद है जब स्कूल जाने के लिए बच्चों को हथियारों से लैस गार्ड्स की सुरक्षा में जाना पड़ता था। वे शक्तिमान या थ्री टन मिलिट्री ट्रकों में स्कूल जाती थीं, जो आम बच्चों की तरह स्कूल बसें नहीं थीं, बल्कि सुरक्षा का एक अभिन्न हिस्सा थीं। उन्होंने बताया कि बचपन में ही उन्हें यह सिखाया जाता था कि अगर गोलीबारी हो तो कैसे झुकना है, चुप रहना है और खुद को कैसे सुरक्षित रखना है। उन्होंने लिखा कि कश्मीर जैसे खूबसूरत स्थान में भी वह खुलकर मैदानों में दौड़ नहीं सकती थीं, न ही जंगली फूलों को छू सकती थीं और न ही दोस्तों के साथ बेफिक्री से खेल सकती थीं। अपने पोस्ट में सेलीना ने यह भी सवाल उठाया कि जो कश्मीर कभी ऋषियों की भूमि, शैव दर्शन और आध्यात्मिकता का केंद्र था, वह अब आतंक और डर का पर्याय कैसे बन गया हैं। उन्होंने हाल ही में हुए पहलगाम आतंकी हमले पर दुख व्यक्त करते हुए लिखा कि इस हमले ने उनके बचपन की डरावनी यादों को फिर से ताजा कर दिया है। उन्होंने अंत में लिखा कि अब वक्त आ गया है कि इस डर के चक्र को तोड़ा जाए ताकि फिर से शांति, सुंदरता और आध्यात्मिकता की वापसी हो सके। उनका यह पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और लोगों की संवेदनाएं भी इससे जुड़ रही हैं।

शहनाज को चढ़ा पेंटिंग का नया शौक

पंजाब की कैटरीना कैफ के नाम पहचान बनाने वाली और दमदार फैन फॉलोइंग के लिए मशहूर एक्ट्रेस शहनाज गिल एक बार फिर सुर्खियों में हैं। इस बार वजह उनकी कोई फिल्म या गाना नहीं, बल्कि उनका नया शौक पेंटिंग हैं। हाल ही में शहनाज ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर पेंटिंग करते हुए कई फोटो साझा कीं, जिसमें वह रंगों के साथ खेलती और ब्रश के साथ पोज देती नजर आ रही हैं। उनके इस नए अंदाज को फैंस द्वारा बेहद पसंद किया जा रहा हैं और सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं।

अपनी चुलबुली अदाओं के लिए जानी जाने वाली शहनाज ने बचपन से ही एक्टिंग का सपना देखा था। मॉडलिंग से करियर की शुरुआत करने के बाद वह कई म्यूजिक वीडियोज़ और पंजाबी फिल्मों का हिस्सा रहीं। 2017 में सत श्री अकाल से उन्होंने फिल्मी डेब्यू किया। लेकिन असली लोकप्रियता उन्हें बिग बॉस 13 से मिली, जिसने उनके करियर को नई उड़ान दी। इसी शो के बाद उन्हें सलमान खान की फिल्म किसी का भाई किसी की जान में अहम रोल मिला। इसके बाद शहनाज ने फिल्म थैंक्यू फॉर कमिंग में भी शानदार अभिनय किया और राजकुमार राव की फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो में अपने आइटम सॉन्ग सजना वे सजना से खूब तारीफें बटोरीं। इसके अलावा उनका म्यूजिक वीडियो शीशे वाली चुन्नी रैपर हनी सिंह के साथ काफी लोकप्रिय हुआ, जिसे रिलीज़ के दो घंटे के भीतर ही 1.1 मिलियन से ज्यादा व्यूज़ मिले।

काम की बात करें तो शहनाज गिल जल्द ही निर्देशक अमरजीत सिंह सरोन की फिल्म इक कुड़ी में नजर आएंगी, जो 13 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। शहनाज न केवल अभिनय और गायन में बल्कि अब कला के क्षेत्र में भी अपनी रचनात्मकता का परिचय दे रही हैं। उनके फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं कि वह पेंटिंग के जरिए भी किस तरह का जादू बिखेरती हैं।

माधुरी दीक्षित ने साझा किए शादी के शुरुआती दिनों के संघर्ष

बॉलीवुड की धक–धक गर्ल माधुरी दीक्षित और उनके पति डॉक्टर श्रीराम नेने की शादी को अब कई साल हो चुके हैं। यह जोड़ी न केवल फिल्मी दुनिया के परफेक्ट कपल्स में गिनी जाती है, बल्कि दोनों के बीच आपसी समझ और प्यार भी मिसाल के तौर पर देखा जाता है। माधुरी ने साल 1999 में अमेरिका के कार्डियक सर्जन डॉक्टर नेने से शादी की थी। शादी के बाद वह लंबे समय तक फिल्मों से दूर रहीं और परिवार को प्राथमिकता दी। हाल ही में माधुरी दीक्षित का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वह अपनी शादीशुदा जिंदगी के शुरुआती दिनों के संघर्षों पर बात कर रही हैं। अपने यूट्यूब चैनल पर साझा किए गए इस वीडियो में माधुरी ने बताया कि शादी के शुरुआती साल आसान नहीं थे, क्योंकि नेने फ्लोरिडा में काम करते थे और वह अकेले घर और बच्चों की जिम्मेदारियां निभा रही थीं। उन्होंने कहा कि नेने की ड्यूटी इतनी व्यस्त होती थी कि कई–कई दिन वे उन्हें देख नहीं पाती थीं। वह रातभर काम करके घर लौटते थे और थकान की वजह से डिनर किए बिना ही सो जाते थे। माधुरी ने बताया कि वह बच्चों को स्कूल ले जाना, वापस लाना, घर के काम करना सब कुछ खुद संभालती थीं। कभी जब वह बीमार होतीं तो डॉक्टर नेने उनके साथ नहीं होते क्योंकि वे किसी मरीज की देखभाल में व्यस्त होते थे। बावजूद इसके, उन्होंने कभी शिकायत नहीं की और हमेशा अपने पति पर गर्व महसूस किया। माधुरी ने कहा, जब आप घर पर होते थे, तो सब कुछ संभालते थे। आप कहते थे कि बस मुझे चार घंटे सोने दो, फिर मैं सब देख लूंगा। डॉक्टर नेने ने भी अपनी तरफ से कहा कि एक डॉक्टर होने के नाते उन्होंने काफी काम किया, लेकिन एक पछतावा हमेशा रहेगा कि उन्होंने अपनों के साथ ज्यादा समय नहीं बिता पाया। उन्होंने बताया कि शादी के वक्त वह जनरल सर्जरी कर चुके थे और फ्लोरिडा में अपनी मेडिकल प्रैक्टिस के लिए काम कर रहे थे। माधुरी ने इस बातचीत के अंत में कहा कि शादी से पहले उनकी जिंदगी में सिर्फ काम था, लेकिन शादी के बाद उन्हें असल जिंदगी का अनुभव हुआ। दोनों अब भारत में रह रहे हैं और अपने दो बेटों के साथ संतुलित पारिवारिक जीवन बिता रहे हैं।

एनसीआर समाचार प्रा. लि. की ओर से मुद्रक, प्रकाशक मो. हनीफ द्वारा आर.डी. प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स प्राईवेट लिमिटेड, ए-41 सेक्टर-8 नोएडा, यू.पी.-201301 से मुद्रित व जी-12/276बी, संगम विहार, नई दिल्ली-62 से प्रकाशित। फोनः 8888883968, 9811111715 किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। **संपादक : मो इस्माईल खान** RNI No. DLHIN/2010/37009